Weather Report
अधिकतम तापमान: 32.0c
न्यूनतम तापमान: 21.0c
हवा गति: 11 कि./घं.
जयपुर सूर्योदय समय
सुबह: 6.06

दैनिक
संजीवनी टुडे
sanjeevnitoday.com
समय के साथ बढ़ता अखबार

वर्ष: 11 अंक: 113
जयपुर, गुरुवार, 26 सितम्बर 2024
पृष्ठ:8 मूल्य: ‘1.50

अब होगी खुशियों की बात संजीवनी टुडे के साथ
जन्मदिवस, वैवाहिक वर्षगांठ एवं नियुक्ति बधाई संदेश
मात्र 1100/- में
साईज 8X8 cm
संजीवनी टुडे

मोदी बोले-कांग्रेस आई तो हरियाणा को बर्बाद कर देगी

कर्नाटक-हिमाचल में ये आपस में लड़ रहे, कश्मीर में आतंक को हवा देना चाहते हैं

■ संजीवनी टुडे

गोहाना (सोनीपत)। हरियाणा चुनाव को लेकर पीएम नरेंद्र मोदी ने बुधवार को सोनीपत के गोहाना में रैली की। मोदी ने कहा कि अगर कांग्रेस की सरकार आई तो हरियाणा को बर्बाद कर देगी। कांग्रेस में सिर-फुटौव्वल मचा हुआ है। कर्नाटक में इनके सीएम और डिप्टी सीएम लड़ रहे हैं। यही हाल हिमाचल और तेलंगाना में है। यहां कांग्रेस को लाने का मतलब हरियाणा के विकास को दांव पर लगाना है। प्रधानमंत्री ने 10 साल पहले पहले सीएम भूपेंद्र हुड्डा की अगुआई वाली कांग्रेस सरकार के वक्त दलितों पर अन्याय का मुद्दा उठाया। इसके अलावा बिना नाम लिए सिरसा सांसद कुमारी सैलजा के साथ कांग्रेस में हो रहे व्यवहार पर भी सवाल खड़े किए। मोदी ने कहा कि कांग्रेस आतंक और अलगाववाद को हवा देना चाहती है। कांग्रेस को शांति पसंद नहीं, इसलिए जम्मू-कश्मीर में धारा 370 को वापस लाना चाहती है। पीएम ने कांग्रेस को भ्रष्टाचार को पालने-पोसने वाली बताया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का शाही परिवार देश में सबसे भ्रष्ट है। कांग्रेस ने जहां कदम रखा, वहां करप्शन और भाई-भतीजावाद पक्का है। मोदी ने कहा कि हरियाणा के युवाओं और किसानों का भविष्य भाजपा सरकार में ही सुरक्षित है। पिछले 10 साल में यहां की सरकार पर भ्रष्टाचार के कोई आरोप नहीं हैं।

पीएम की दूसरी रैली जाटलैंड में, यह हुड्डा का गढ़

पीएम की यह रैली हरियाणा के जाटलैंड में हुई। जिसे पूर्व सीएम भूपेंद्र हुड्डा का गढ़ माना जाता है। इस इलाके में हार-जीत का फैसला जाट वोटर करते हैं, इसी वजह से भाजपा ने पार्टी के पक्ष में माहौल बनाने के लिए उनकी रैली रखवाई थी। प्रदेश की 90 विधानसभा सीटों पर 5 अक्टूबर को होने वाली वोटिंग को लेकर यह प्रधानमंत्री की दूसरी रैली थी। इससे पहले वे 14 सितंबर को कुरूक्षेत्र में आ चुके हैं। इसके बाद हिसार और पलवल में भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रैली होनी है। हरियाणा भाजपा का संकल्प पक्की गारंटी होता है। भाजपा जो कहती है वह करके दिखाती है। हरियाणा में भी हर वायदे तेजी से जमीन पर उतरकर रहेंगे। आपके घर तक पहुंचेंगे, इसलिए पांच अक्टूबर को हमारे इन सभी उम्मीदवारों को भारी मतों से विजयी बनाना है। लगातार तीसरी बार हरियाणा में कमल खिलाना है। मोदी बोले कि किसानों के फायदे के लिए विदेश से आयात होने वाले तेल पर टैक्स लगा दिया है।

कांग्रेस ने कभी बेटियों की चिंता नहीं की

कांग्रेस ने 60 साल देश पर राज किया लेकिन उसे कभी देश की बेटियों की चिंता नहीं हुई। जब मैं आया तब मैंने बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान शुरू किया, जिससे हरियाणा को फायदा हुआ। पहले 1000 बेटों पर 866 बेटियां थी, लेकिन अब 1000 पर 914 बेटियां हैं। कांग्रेस शासित हर राज्य में उनके मुख्यमंत्री झगड़ों में उलझे हुए हैं, उनको जनता की तकलीफ से कोई लेना देना नहीं है। कर्नाटक के सीएम और डिप्टी सीएम आपस की लड़ाई में बिजी हैं। तेलंगाना और हिमाचल प्रदेश में भी यहीं हाल हैं। इसलिए हरियाणा को भी बहुत सावधान रहना चाहिए। गलती से भी कांग्रेस आ गई तो अपने झगड़ों में हरियाणा को बर्बाद करके छोड़ेंगे। यहां पर कांग्रेस में जिस तरह झगड़े बढ़ रहे हैं, पूरा हरियाणा देख रहा है। कांग्रेस को वोट देना यानी हरियाणा के विकास को दांव पर लगाना है। ये अस्थिरता हरियाणा में हर काम ठप कर देगी। यहां निवेश और नौकरी दोनों पर रोक लगेगी। इसलिए बीजेपी के सामने का ही बटन दबाना है। भाजपा ने वंचित और पिछड़े समाज को हरियाणा में यहां आगे बढ़ाया है। हमारे ओबीसी वर्ग से आने वाले नायब सैनी को भाजपा ने मुख्यमंत्री बनाया। नायब सैनी एक किसान-मजदूर का बेटा है। इनके दरवाजे लोगों के लिए चौबीस घंटों के लिए खुले रहते हैं। कांग्रेस सरकार अस्थिरता के लिए भी जानी जाती है।

राजधानी में बनाए 149 परीक्षा केंद्र

जयपुर में सबसे अधिक 2 लाख अभ्यर्थी, सीईटी नहीं देने पर 11 भर्ती परीक्षाओं से होंगे बाहर

■ संजीवनी टुडे

जयपुर। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की ओर से 27-28 सितंबर को समान पात्रता परीक्षा (सीईटी)-2024 स्नातक स्तर का आयोजन होगा। परीक्षा 4 चरणों में होगी। इसमें में 13,04,142 अभ्यर्थी शामिल होंगे। सबसे अधिक अभ्यर्थी जयपुर में परीक्षा देंगे। यहां 2 लाख अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल होंगे। यह कुल अभ्यर्थियों का 15.33%है। हर चरण में जयपुर में 50 हजार अभ्यर्थी परीक्षा देंगे। प्रत्येक दिन एक-एक लाख अभ्यर्थी परीक्षा में हिस्सा लेंगे। प्रत्येक चरण में 149-149 परीक्षा केंद्र होंगे। जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग ने जयपुर में सीईटी के आयोजन की तैयारी पूरी कर ली है। बोर्ड की ओर से जारी गाइडलाइन के अनुसार परीक्षा के निर्धारित समय से 1 घंटे पहले केंद्र पर प्रवेश बंद कर दिया जाएगा। यानी सुबह की पारी में सुबह 8 बजे और दोपहर की पारी में दोपहर 2 बजे प्रवेश बंद हो जाएगा। परीक्षा नहीं देने पर उम्मीदवार 11 भर्तियों से भी बाहर हो जाएंगे। क्योंकि इन भर्तियों के लिए इस परीक्षा में शामिल होकर पात्रता के लिए 40 फीसदी अंक प्राप्त करना जरूरी है। एससी-एसटी को 5 प्रतिशत अंकों की छूट है। सीईटी-2024 में प्लाटून कमांडर भर्ती, पटवारी-जिलेदार भर्ती, जल संसाधन, कनिष्ठ लेखाकार भर्ती अधीनस्थ लेखा

सेवा, कनिष्ठ लेखाकार भर्ती राज्य कृषि विपणन बोर्ड, तहसील राजस्व लेखाकार भर्ती, पर्यवेक्षक महिला अधिकारिता भर्ती, उपजेलर भर्ती, छात्रावास अधीक्षक ग्रेड सेकंड भर्ती, पटवारी भर्ती राजस्व अधीनस्थ सेवा, ग्राम विकास अधिकारी भर्ती, कनिष्ठ लेखाकार भर्ती अधीनस्थ लेखा सेवा, पटवारी भर्ती राजस्व अधीनस्थ सेवा, ग्राम विकास अधिकारी भर्ती शामिल हैं। जयपुर में दोनों दिन एक-एक लाख अभ्यर्थी परीक्षा देंगे। इतनी बड़ी तादात में अभ्यर्थियों के कारण जयपुर में आपको कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। दोनों दिन जयपुर में आवागमन को लेकर सावधानी बरतनी होगी। कई जगह ट्रैफिक जाम मिल सकता है। बसों में भीड़ मिल सकती है। इस कारण अतिरिक्त समय लेकर ही यात्रा करें। ताकि समय पर परीक्षा केंद्र पर पहुंचा जा सके।

हरियाणा चुनाव में किसानों का मुद्दा गर्माया

कंगना-खट्टर के बयान से किसान नाराज, यूनियन-खापें बोलीं- भाजपा को लोकसभा जैसा सबक सिखाएंगे

■ संजीवनी टुडे

हरियाणा। भाजपा सांसद कंगना रनोट ने किसानों के जो 3 कृषि कानून रोक दिए गए, वे वापस लाने चाहिए। किसानों को खुद इसकी डिमांड करनी चाहिए। हमारे किसानों की समृद्धि में ब्रेक न लगे। जो शंभू बॉर्डर पर आंदोलन कर रहे हैं वो किसान नहीं बल्कि किसानों के नाम पर मुखौटा हैं। 3 साल पहले कृषि कानूनों को वापस लेना प्रधानमंत्री का बड़प्पन था। हरियाणा में कहीं विरोध नहीं हो रहा। पंजाब से ही एक ग्रुप जींद आया, जिसने विरोध किया। उसमें 15-20 लोग हरियाणा के थे। भाजपा नेताओं के एक ही दिन में ये 2 ऐसे बयान हैं, जिसके बाद हरियाणा विधानसभा चुनाव के बीच किसानों का मुद्दा गर्मा गया है। किसान नेता अभिमन्यु कोहाड़ का कहना है कि कंगना रनोट का फिजूल बातें करने का पुराना रिकॉर्ड रहा है। किसानों को जानबूझकर परेशान करने की कोशिश की जा रही है। ये किसानों को जितना प्रताड़ित करेंगे, उतना बुरा परिणाम इन्हें हरियाणा चुनाव में भुगतना पड़ेगा। किसान नेता सरवन सिंह पंधेर ने कहा कि मनोहर लाल खट्टर के मुंह पर खुद ही आ गया कि उन्होंने बड़े-बड़े बैरिकेड्स लगाकर हरियाणा में किसानों को रोका है। उनके कारण ट्रांसपोर्टर और व्यापारी परेशान हैं। इसका फैसला आने वाले चुनावों में हो जाएगा। भारतीय किसान यूनियन का दावा है कि आंदोलन में 150 किसानों की मौत हुई। इसमें

सबसे ज्यादा जींद जिले के 17 किसान थे। पिछले 6 महीनों से हरियाणा के शंभू और खनौरी बॉर्डर पर फिर से किसानों ने डेरा डाल रखा है। किसानों का सीधा असर राज्य की 35 से ज्यादा विधानसभा सीटों पर है। हरियाणा में 5 अक्टूबर को विधानसभा चुनाव के लिए वोटिंग है। रिजल्ट 8 अक्टूबर को आएगा। भाजपा के लिए सबसे बड़ी चुनौती किसानों को साधने की है। अजय की मौत के करीब 6-7 महीने बाद भाजपा के कुछ पदाधिकारी आए। उन्होंने हमें 5 लाख रुपए दिए। इसके बाद कांग्रेस के सांसद दीपेंद्र हुड्डा आए और 2 लाख दिए। अजय की मौत के ढाई साल बाद पत्नी ने 2 जुड़वा बच्चों (बेटा और बेटी) को जन्म दिया। आज अजय हमारे पास वापस आ चुका है, लेकिन सरकार को किसानों पर राजनीति करने के बजाय उनकी मांगों की ओर ध्यान देना चाहिए।

किसानों पर राजनीति के बजाय मांगों पर ध्यान दे सरकार

हरियाणा में कैथल जिले के पाई गांव का रहने वाला अजय ढुल (19 साल) दिल्ली के सिंघु बॉर्डर पर किसान आंदोलन में शामिल होकर ट्रैक्टर पर अपने घर लौट रहा था। रास्ते में ट्रैक्टर से गिरकर अजय की मौत हो गई। उस समय अजय किसान आंदोलन में जान गंवाने वाला सबसे युवा किसान था। अजय के पिता जयपाल बताते हैं, 'किसान आंदोलन के समय बेटा अजय पुंडरी हलके का अध्यक्ष था। मेरे पास ढाई एकड़ जमीन है। मेरी उम्र 57 साल है और पत्नी की उम्र 52 साल है। पूरा परिवार खेती पर निर्भर है।

तिरुपति लड्डू विवाद- जगन मोहन क्षमायाचना अनुष्ठान करेंगे

लोगों से भी शामिल होने की अपील, बोले- सीएम नायडू ने प्रसादम पर आरोप लगाकर पाप किया

■ संजीवनी टुडे

हैदराबाद। तिरुपति प्रसादम (लड्डू) विवाद को लेकर आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी ने 28 सितंबर को मंदिरों में क्षमायाचना अनुष्ठान करने की बात कही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने तिरुपति प्रसादम को लेकर झूठे दावे करके पाप किया है। जगन मोहन ने राज्य के लोगों से अपील की है कि वे भी इस क्षमायाचना अनुष्ठान में भाग लें। सीएम चंद्रबाबू नायडू ने 18 सितंबर को आरोप लगाया था कि वाईएसआर कांग्रेस सरकार में तिरुपति मंदिर के लड्डू में जानवरों की चर्बी वाला वनस्पति तेल और फिश ऑयल मिलाया गया था। इसके अगले दिन टीडीपी ने एक लैब रिपोर्ट दिखाकर अपने आरोपों की पुष्टि होने का दावा किया था। इसके बाद आंध्र प्रदेश के डिप्टी सीएम पवन कल्याण ने 22 सितंबर को प्रायश्चित के लिए 11 दिन का उपवास रखा। पवन ने कहा, 'मुझे अफसोस है कि मैं मिलावट के बारे में पहले क्यों नहीं पता लगा पाया। मैंने भगवान से क्षमा मांगी, इसके लिए प्रायश्चित करूंगा। लड्डू विवाद की जांच के लिए कमेटी बनाने की मांग तिरुपति प्रसादम (लड्डू) विवाद को लेकर आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट में आज सुनवाई होनी थी।

तिरुपति के लड्डू में तंबाकू मिलने का दावा

तिरुपति मंदिर के लड्डू में तंबाकू मिलने का भी दावा किया गया है। तेलंगाना की एक महिला ने आरोप लगाया है कि उसे लड्डू के अंदर कागज में लिपटे तंबाकू के टुकड़े मिले हैं। उसने इसका वीडियो भी जारी किया है। आरोप लगाने वाली डोंथु पद्मावती खम्मम जिले के गोल्लागुडेम की रहने वाली हैं। वे 19 सितंबर को तिरुमाला मंदिर गई थीं। वहां से लाए गए लड्डू प्रसादम में कागज और उसमें लिपटे तंबाकू का वीडियो दिखाया। इसे कुछ न्यूज चैनलों समेत कुछ सोशल मीडिया अकाउंट्स से शेयर किया गया है। हालांकि दैनिक भास्कर इस वीडियो की पुष्टि नहीं करता। वाईएसआर कांग्रेस ने कोर्ट से नायडू के आरोपों की जांच के लिए एक कमेटी बनाने की मांग की है। सोमवार को भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई। उन्होंने भी कोर्ट की निगरानी में जांच की मांग की है। हालांकि, जांच के लिए रविवार को विशेष जांच दल का गठन किया गया। सीएम चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि एसआईटी सरकार को एक रिपोर्ट सौंपेगी। इसी के आधार पर कार्रवाई होगी, ताकि ऐसी चीजें दोबारा न हों। श्री ललिता पीठम में विश्व हिंदू परिषद की बैठक हुई। विहिप ने सुप्रीम कोर्ट से तिरुपति लड्डू में मिलावट के आरोपों पर एक्शन लेने और दोषियों की पहचान के लिए जांच शुरू करने की अपील की है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने 4 कंपनियों के घी सैंपल मंगवाए।

सट्टा बाजार के मुताबिक कमला बनेंगी अमेरिकी राष्ट्रपति

■ संजीवनी टुडे

52% सट्टा कमला के ऊपर, लोगों को उनका स्वभाव पसंद आया; ट्रम्प का विजन और लीडरशिप पसंद

नई दिल्ली। अमेरिकी सट्टा बाजार के मुताबिक कमला हैरिस अगली राष्ट्रपति हो सकती है। नवंबर में होने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव को लेकर सट्टा बाजार कमला हैरिस पर दांव लगा रहा है। बुधवार को कमला हैरिस की जीत पर औसतन 52% सट्टा लगा है। वहीं ट्रम्प की जीत पर सिर्फ औसतन 47% सट्टा लगा है। रिपब्लिकन पार्टी के डोनाल्ड ट्रम्प और डेमोक्रेटिक पार्टी की कमला हैरिस के बीच चुनाव में कड़ा मुकाबले होने की वजह से सट्टा बाजार गरम है। हालांकि मंगलवार को कमला हैरिस की जीत पर 53% सट्टा लगा था। जिसमें बुधवार को 1% गिरावट आई है। वहीं मंगलवार को भी ट्रम्प की जीत पर 47% सट्टा ही लगा था। पिछले हफ्ते ट्रम्प पर औसतन 46% और कमला पर 53% सट्टा लगा था। ओपिनियन पोल्स में भी कमला, ट्रम्प से आगे अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव को लेकर कराए जा रहे ओपिनियन पोल्स में भी कमला हैरिस, डोनाल्ड ट्रम्प को पीछे छोड़ती नजर आ रही हैं। ओपिनियन पोल्स में बुधवार को औसतन 55% लोगों ने कमला हैरिस के राष्ट्रपति बनने की संभावना जताई। वहीं डोनाल्ड ट्रम्प के लिए ये आंकड़ा 45% रहा। इससे पहले मंगलवार को कमला की जीत की संभावना 54% थी, जिसमें बुधवार को 1% की बढ़ोत्तरी हुई है। वहीं मंगलवार को ट्रम्प के जीतने की संभावना 45% थी। इसमें बुधवार किसी प्रकार का बदलाव नहीं हुआ है। वहीं पिछले हफ्ते कमला की जीत की संभावना 54% और ट्रम्प की जीत की संभावना 46% थी। इसके अलावा ओपिनियन पोल्स के मुताबिक राष्ट्रपति चुनाव में कमला हैरिस को 49.2% वोट मिल सकते हैं। वहीं डोनाल्ड ट्रम्प के 46% वोट मिलने की संभावना जताई गई है। ये आंकड़े बुधवार के है। इससे पहले मंगलवार यानी कल और पिछले हफ्ते भी दोनों उम्मीदवारों को लेकर यहीं आंकड़े सामने आए थे।

जम्मू-कश्मीर में दूसरे फ़ेज में 55% मतदान

2014 की तुलना में 5% कम रहा, श्रीनगर में सबसे कम 27%, रियासी 72% के साथ टॉप पर

■ संजीवनी टुडे

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में 6 जिलों की 26 विधानसभा सीटों पर बुधवार, 25 सितंबर को मतदान हुआ। चुनाव आयोग के रात 9 बजे तक के आंकड़ों के मुताबिक, इन सीटों पर 55% वोटिंग हुई। यह पिछले चुनाव के मुकाबले 5% कम है। 2014 में इन सीटों पर 60% मतदान हुआ था। जम्मू-कश्मीर चीफ इलेक्शन ऑफिसर पीके पोल ने बताया कि मतदान प्रतिशत में बदलाव हो सकता है। क्योंकि कुछ पोलिंग बूथ पर शाम 6 बजकर 45 मिनट तक मतदान हुआ। 25.78 लाख मतदाताओं ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया। सबसे ज्यादा रियासी में 71.81%, जबकि श्रीनगर में सबसे कम 27.37% वोट पड़े। सेकेंड फ़ेज की 26 सीटों में से 15 सीटें सेंट्रल कश्मीर और 11 सीटें जम्मू की हैं। चुनाव आयोग के मुताबिक, दूसरे फ़ेज में 239 कैंडिडेट्स मैदान में हैं। इनमें 233 पुरुष और 6 महिलाएं हैं। 18 सितंबर को पहले फ़ेज में 7 जिलों की 24 विधानसभा सीटों के लिए वोटिंग हुई। इस दौरान 61.38% मतदान हुआ। किश्तवाड़ में सबसे ज्यादा 80.20% और पुलवामा में सबसे कम 46.99% वोटिंग हुई।

पाकिस्तान बॉर्डर से सटे इलाकों में भी वोटिंग को लेकर उत्साह

जम्मू-कश्मीर में आज दूसरे चरण की वोटिंग चल रही है। राजौरी जिले में पाकिस्तान से सटा इंटरनेशनल बॉर्डर है। यहां नौशेरा सीट के मकरी और सेहर गांवों में भी लोग खेतों से होकर वोट डालने पहुंचे। जम्मू-कश्मीर में दूसरे फ़ेज की वोटिंग जारी है। 63% वोट के साथ रियासी टॉप पर चल रहा है। पोलिंग बूथों पर लोगों की कतारें लगी हुई हैं। भाजपा ने यहां से कुलदीप दुबे, कांग्रेस ने मुमताज अहमद और पीडीपी ने बोधराज को टिकट दिया है। पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने बुधवार को जम्मू में रोड शो किया। पार्टी ने जम्मू पूर्व विधानसभा सीट से आदित्य गुप्ता को टिकट दिया है। भाजपा ने यहां से युद्धवीर सेठी और कांग्रेस ने योगेश साहनी को उतारा है। जम्मू में 1 अक्टूबर को वोटिंग है। राहुल गांधी ने बारामूला के सोपोर में एक जनसभा में कहा कि हम चाहते हैं कि इस चुनाव से पहले जम्मू-कश्मीर का स्टेटहुड (राज्य का दर्ज़ा) वापस दिया जाए। जम्मू-कश्मीर के सभी लोग यही चाहते थे। पहले राज्य का दर्ज़ा दिया जाता, फिर चुनाव होते। लेकिन ऐसा नहीं हुआ, ठीक है। अब पहला कदम चुनाव है। इसके बाद जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्ज़ा देना ही पड़ेगा। अगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ऐसा (जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्ज़ा) नहीं करेंगे तो हम उन पर संसद में दबाव डालेंगे। अगर मोदी सरकार जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्ज़ा नहीं देती तो केंद्र में ऋाक्त्रइ ब्लॉक की सरकार बनने पर आपको स्टेटहुड दिया जाएगा। अगर आपको अपने सेब को अमेरिका, जापान भेजना है कि सबसे पहले स्टेटहुड देना होगा।

देश का मानसून ट्रैकर: मुंबई में आज रेड अलर्ट

महिला बही, कई फ्लाइट डायवर्ट, ट्रेंने लेट,11 राज्यों में भारी बारिश की चेतावनी

■ संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। देश में मानसून अब आखिरी चरण में है। मुंबई में बुधवार को लंबे समय बाद जमकर बारिश हुई। मौसम विभाग ने यहां बहुत भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। खराब मौसम की वजह से मुंबई एयरपोर्ट पर 14 फ्लाइट को डायवर्ट किया गया। लोकल ट्रेनें भी देरी से चलीं। सड़कों पर पानी भर गया और ट्रेफिक जाम हो गया। अंधेरी इलाके में महिला नाले में डूब गई। गुजरात के सूरत में भी बुधवार को 2 घंटे में 2 इंच बारिश हो गई। इससे कई सड़कों पर पानी भर गया। गुजरात के कई हिस्सों में अगले 5 दिनों तक बारिश की संभावना जताई गई है। मध्य प्रदेश में भी एक बार फिर बारिश का दौर जारी है। बुधवार को भोपाल, इंदौर समेत 21 जिलों में बारिश हुई। खंडवा में 9 घंटे में सवा 2 इंच पानी गिरा। उत्तर प्रदेश के भी 7 शहरों में जमकर बारिश हुई। मथुरा में इतनी तेज बारिश हुई कि कई इलाकों में दो से तीन फीट तक पानी भर गया। रजिस्ट्री ऑफिस में पानी घुस गया। इधर, दिल्ली की हवा एक बार फिर खराब हो गई है। बुधवार को दिल्ली का एयर क्वालिटी इंडेक्स 235 (खराब) रिकॉर्ड किया गया। इससे पहले 5 जून को एक्यूआई 248 तक पहुंच गया था। फ्लाइट डायवर्ट, सड़क-रेल रूट पर ट्रैफिक, महिला नाले में डूबी मुंबई में बुधवार शाम से रात तक पांच घंटे की बारिश में 100 द्बद्ब पानी गिरा। इसके कारण सड़कों पर कई फीट तक पानी भर गया। वाहन फंसने के कारण सड़कों पर जाम लग गया। वहीं, सेंट्रल लाइन पर कुर्ला और ठाणे स्टेशनों के बीच चलने वालीं लोकल ट्रेनें रुक गईं। इसके कारण जिससे हजारों यात्री फंस गए। एट्टख्रट्ठ सीएसएमटी और अन्य स्टेशनों पर ट्रैफिक जाम हो गया। घंटो तक स्टेशन पर फंसे रहने के बाद घाटकोपर स्टेशन पर यात्री पटरी पर चलते नजर आए। अधिकारियों ने लोगों से ऐसा नहीं करने के लिए कहा। साथ ही उन्हें सुरक्षित स्थान पर बने रहने का कहा।

बेंगलुरु महालक्ष्मी मर्डर केस, मुख्य आरोपी ने सुसाइड किया

ओडिशा के गांव में पेड़ पर लटकता मिला शव, डायरी में हत्या की बात कबूली

■ संजीवनी टुडे

भद्रक/बेंगलुरु। बेंगलुरु के महालक्ष्मी मर्डर केस के मुख्य आरोपी ने ओडिशा के भद्रक जिले के गांव में बुधवार दोपहर फंासी लगाकर सुसाइड कर लिया। पुलिस को उसके पास से एक डायरी बरामद हुई है।

बेंगलुरु पुलिस भी आरोपी की तलाश कर रही थी। पुलिस के मुताबिक मृतक का नाम मुक्तिरंजन रॉय है। उसका शव अरडी पुलिस चौकी के भुइनपुर गांव के पास पेड़ पर लटकता मिला। उसकी बाइक भी वहीं खड़ी मिली। डायरी में मुक्तिरंजन ने महालक्ष्मी के मर्डर की बात कबूली है। पुलिस के मुताबिक महालक्ष्मी और रंजन साल 2023 एक-दूसरे जानते थे और रिलेशनशिप में थे। दोनों एक ही मॉल में काम करते थे। मल्लेश्वरम में एक कॉस्ट्यूम आउटलेट में टीम ?लीडर रही महालक्ष्मी अपने पति हेमंत दास 4 साल पहले अलग हो गई थी। कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने भी कहा था कि संदिग्ध के ओडिशा में होने की जानकारी मिली है। आरोपी को पकड़ने के लिए टीमों का गठन किया गया है। उन्हें ओडिशा भेजा गया है।

कमरे से बदबू आने पर मर्डर का खुलासा

20 सितंबर को बेंगलुरु के व्यालिकावल इलाके में बसप्पा गार्डन के पास बने तीन मंजिला मकान में 29 साल की महालक्ष्मी की लाश मिली थी। उसके शव के 59 टुकड़े कर फ्रिज में रखे गए थे। कमरे से बदबू आने पर मर्डर का खुलासा हुआ था। घर से बदूब आने पर हुआ था मर्डर का खुलासा जिस घर में महालक्ष्मी रहती थी। उसके पास रहने वाले पास ही रहने वाले जीवन प्रकाश को तेज बदबू आ रही थी। जो उनसे सहन नहीं हो रही थी। जब उन्होंने पता लगाया तो बदबू मकान के टॉप फ्लोर से आ रही है। जहां महालक्ष्मी रहती थी। जीवन महालक्ष्मी के दरवाजे पर पहुंचे तो बदबू इतनी बढ़ गई कि खड़ा होना मुश्किल हो गया था। दरवाजे पर लॉक लगा था। जीवन ने तुरंत महालक्ष्मी के भाई उक्कम सिंह और बहन को फोन लगाया था। देर रात करीब 12.30 बजे महालक्ष्मी की फैमिली पहुंची थी। इसके बाद दरवाजे का लॉक तोड़ा गया था। कमरे में खून बिखरा पड़ा था और जमीन पर कीड़े रेंग रहे थे। घर का सारा सामान बिखरा पड़ा था। फ्रिज खोला तो अंदर महालक्ष्मी का कटा सिर, पैर और डेडबॉडी के 59 से ज्यादा टुकड़े थे। फैमिली ने तुरंत पुलिस को बुलाया था। पुलिस ने ही परिवार को बताया था कि मर्डर की रात 2 लोग स्कूटी से महालक्ष्मी के घर आए थे। जो सीसीटीवी में भी नजर आए हैं। पुलिस के इस मामले में अशरफ नाम के हेयर ड्रेयर से पूछताछ की। पीड़ित परिवार ने अशरफ के अलावा महालक्ष्मी के साथ काम करने वाले कुछ लोगों पर भी शक जताया था।

खबरें फटाफट

रामनिवास मुद्गल बने जयपुर ग्रामीण जिले के कप्तान

■ संजीवनी टुडे

चाकसू। कस्बा निवासी व ग्राम पंचायत बडली में तैनात ग्राम विकास अधिकारी रामनिवास मुद्गल को प्रभारी अधिकारी खेल एवं अतिरिक्त जिला

मजिस्ट्रेट सीमा शर्मा ने बैडमिंटन प्रतियोगिता के लिए जयपुर ग्रामीण जिले का कप्तान नियुक्त किया गया है। और जानकारी के अनुसार 27 सितंबर से अलवर में सप्तम राजस्थान राज्य अंतर जिला सिविल सेवा बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन हो रहा है। वहीं 3 दिन तक चलने वाली इस प्रतियोगिता के लिए ग्राम विकास अधिकारी मुद्गल को जयपुर ग्रामीण जिले का कप्तान बनाया गया है।

पंचम वार्षिकोत्सव एवं श्री श्याम जागरण का आयोजन शनिवार को

■ संजीवनी टुडे

राजगढ़(अलवर)। कस्बे के नवीन बस स्टैंड पर श्री श्याम सेवा समिति की ओर से पंचम वार्षिकोत्सव एवं श्री श्याम जागरण का आयोजन शनिवार 28 सितंबर को आयोजित होगा। श्री श्याम सेवा समिति के सुरेश चौहान ने बताया कि श्री श्याम सेवा समिति की ओर से पंचम वार्षिकोत्सव एवं श्री श्याम प्रभु का संकीर्तन 28 सितंबर शनिवार को रात्रि 9 बजे से आयोजित होगा। श्री श्याम जागरण में भजन प्रवाहक चण्डीगढ़ से मंयक अग्रवाल, फतियाबाद से नरेश नरसी, वृंदावन से दीदी माधवी शर्मा, इंदौर से विशि सौरभ शर्मा बाबा श्याम का गुणगान करेंगे। उन्होंने बताया कि जागरण में बाबा श्याम का अलौकिक दरबार सजाया जाएगा। श्री श्याम संकीर्तन में इत्र वर्षा, लक्की ड्रा, फुलों की होली, छप्पन भोग आकर्षण का केंद्र होंगे।

राष्ट्रीय सेवा योजना के तीन दिवसीय अभिमुखीकरण कार्यक्रम का हुआ समापन

■ संजीवनी टुडे

राजगढ़(अलवर)। कस्बे के राजकीय महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना की चारों इकाइयों के संयुक्त तत्वाधान में बुधवार को राष्ट्रीय सेवा योजना का तीन दिवसीय अभिमुखीकरण कार्यक्रम का समापन समारोह आयोजित किया गया कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य प्रो. के एल मीना ने की। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों को राष्ट्रीय सेवा योजना से जुड़ी अनेक जानकारी एवं फायदे के बारे में बताया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गई। मंच संचालन प्रो. कपिल देव कुण्डारा ने किया। इस दौरान प्रो. देशराज वर्मा, प्रो. पी.सी. मीना, प्रो. जगत सिंह मीना, प्रो. अशोक काकोडिया, प्रो. अशोक मीना, डॉ आंचल मीना एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी संजय बमणावत, आयुषी गुप्ता, जितेंद्र यादव सहित संकाय सदस्य व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री आवास योजना में पात्र लाभार्थियों के नाम जोड़ने को लेकर राजौर ने सौंपा ज्ञापन

■ संजीवनी टुडे

टोडाभीम(गंगापुरसिटी) भारतीय किसान यूनियन प्रदेश प्रभारी मदन मोहन राजौर ने जिला कलक्टर गंगापुरसिटी गौरव सैनी से मुलाकात कर टोडाभीम नादौती उपखंड क्षेत्र में प्रधानमंत्री आवास योजना में वांछित गरीब लोगों के नाम सर्वे में जोडने को लेकर अवगत करवाया। प्रदेश प्रभारी मदन मोहन राजौर ने बताया की 2018 -19 में प्रधानमंत्री आवास योजना का पोर्टल शुरू किया था। लेकिन पूर्व सरकार के ढिलाईपन से दीनहीन गरीब लोगो को इस योजना का लाभ नही मिल पाया। इस कारण गरीब लोग इस योजना से वंचित रह गए थे। मेरी जानकारी में आया है की भारत सरकार द्वारा पुनः प्रधानमंत्री आवास योजना में नाम जोड़ने के लिए पोर्टल प्रारंभ किया जा रहा है मेरे विधानसभा क्षेत्र टोडाभीम में वांछित गरीब लोगो को इस योजना का लाभ दिलवाने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशानिर्देश प्रदान करे। जिससे गरीब वांछित लोगो को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ मिल सके।

बैठक का हुआ आयोजन

■ संजीवनी टुडे

राजगढ़। गुरुवार भारतीय जनता पार्टी के मंडल राजपुर धमरेड मंडल के संयोजक हरिओम यादव की अध्यक्षता में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जन्म जयंती मनाई गई तथा महा सदस्यता अभियान का विश्व संकल्प लिया गया कि प्रत्येक बूथ पर प्रत्येक कार्यकर्ताओं को सौ- सौ सदस्य बनाने का संकल्प लिया गया व दीनदयाल जी उपाध्याय एकात्मक मानववाद के प्रोत तथा जैन संघ के संस्थापक रहे उनकी जीवनी पर भी प्रकाश डाला गया। नेमी नीमला ने मीडिया को बताया कि जिसमें मंडल के बूथ अध्यक्ष जयराम गुर्जर, युवा मोर्चा के मंडल मंत्री नेमी नीमला, घनश्याम राजेश बलराम सोनू कृष्ण राहुल आदि नीमला के सदस्य मौजूद रहे जयंती मनाने के बाद घर-घर बूथ पर सदस्य बनने के लिए टीम गठित की गई जिसमे अधिकतर सदस्य मौजूद रहे।

मूल भारती जागृति एवं सामाजिक एकता मंच के बैनर तले कार्यशाला का हुआ आयोजन

■ संजीवनी टुडे

राजगढ़ । मंगलवार को गणपति रिसोर्ट टहला चौराया राजगढ़ में सत्यशोधक समाज के स्थापना दिवस के अवसर पर उसके संस्थापक महात्मा ज्योतिबा फुले का समाज उत्थान के लिए संघर्ष विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन महात्मा ज्योतिबा फुले विकास समिति एवं मूल भारती सामाजिक एकता एवं जागृति मंच के संयुक्त तत्वाधान में सैनी महासभा के अध्यक्ष रामजीलाल सैनी की अध्यक्षता एवं राजगढ़ महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफ़ेसर के एल मीणा के मुख्य आथित्य में किया गया। विशिष्ट अतिथि के रूप में बैरवा महासभा के एन एल वर्मा, आदिवासी सेवा संस्थान के अध्यक्ष रामकिशन आदुका, राष्ट्रपति अवार्ड प्राप्त प्रहलाद सैनी, अंबेडकर विकास समिति के अध्यक्ष अमर सिंह वर्मा रहे। प्रोफ़ेसर भरत लाल मीणा कार्यशाला के मुख्य वक्ता रहे। कार्यशाला के संयोजक लल्लू राम खुर्द ने बताया कि मुख्य अतिथि प्रोफ़ेसर के एल मीणा ने महात्मा फुले द्वारा उनकी पत्नी सावित्रीबाई फुले के साथ मिलकर समाज उत्थान के लिए किए गए संघर्ष को याद करते हुए उन्हें भारतीय पुनर्ज़ागरण का अगवा, राष्ट्र निर्माता व अंधविश्वास को समाप्त कर वैज्ञानिक सोच के माध्यम से वंचितों, शोषितों, महिलाओं, मजदूरों व किसानो को उनका हक दिलाने वाला एक महान समाज सुधारक बताया। मुख्य वक्ता के रूप में प्रोफ़ेसर भरत लाल मीणा ने महात्मा फुले को बचपन से विपरीत परिस्थितियों से लड़ने, तत्कालीन सामंती व साहुकारी व्यवस्था के विरुद्ध आवाज उठाकर विधवाओं, अनाथ बच्चों के कल्याण के साथ अछूत व मेहनतकश लोगों की लड़ाई लड़ने, महिला तथा दलितों के लिए शिक्षा हेतु विद्यालय खोलने, समाज में फैल रहे पाखंड व अंधविश्वास को समाप्त कर समाज में जागृति लाने के लिए सत्यशोधक समाज की स्थापना की। उन्होंने दीनबंधु आदि कई अखबार निकाले तथा गुलामगिरी , किसान का कोडा, ब्राह्मणों का चातुर्य, अछूतों की कैफियत नामक आदि पुस्तके लिखकर समाज को जागृत किया। उन्होंने महात्मा फुले को एक महान समाज सुधारक, चिंतक, दार्शनिक ,लेखक एवं क्रांतिकारी विचारक बताया। इससे पहले मुकेश पाटन बास ने महात्मा फुले की जीवनी पर प्रकाश डाला प्रधानाचार्य जितेंद्र सैनी ने महात्मा फुले के आदर्शों पर चलने की बात कही, व्याख्याता रामनिवास झालाटाला ने फुले दंपति के आपसी तालमेल से शिक्षा की अलख जगाने, तत्कालीन सामाजिक व्यवस्था का खंडन करने वाला वास्तविक समाज सुधारक बताया।। मूल भारती सामाजिक एकता एवं जागृति मंच के संयोजक पूर्व बैंक प्रबंधक कन्हैया लाल सैनी ने समाज में व्याप्त अंधविश्वास व कूरीतियों को समाप्त करने की बात कही, इसके अलावा डॉ भीमराव अंबेडकर समिति के अध्यक्ष अमर सिंह वर्मा , आदिवासी सेवा संस्थान के अध्यक्ष रामकिशन आदुका,नेहड़ा विकास मंच के रामस्वरूप खोह दरीबा, राष्ट्रपति अवार्ड प्राप्त प्रहलाद सैनी, सैनी आदर्श विद्यालय के कन्हैयालाल सैनी, पुरस्कृत शिक्षक दिनेश सैनी आदि ने भी अपने विचार रखें। अंत में महात्मा ज्योतिबा फूले विकास समिति के अध्यक्ष हजारीलाल सैनी ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर मुख्य प्रबंधक बनवारी लाल प्रागपुरा, एडवोकेट किशन लाल बैरवा, रामकिशन सैनी ,राजेंद्र बैरवा ,भागचंद बाबूजी, कंवरपाल बबेली , राजेंद्र सैनी ,त्रिमूर्ति स्कूल के मोहनलाल सैनी ,पी डी सैनी एक्सईएन, रामफूल कुंण्डरौली, लेखराज सांवरिया, अशोक सैनी, संतोष सैनी आदि मौजूद रहे एवं मंच संचालन राजेश सैनी ने किया।

दीनदयाल उपाध्याय जयंती मनाई और भाजपा सदस्यता की दिलाई शपथ

■ संजीवनी टुडे

शिवदासपुरा। यहां बुधवार को विधानसभा क्षेत्र में भाजपा मंडल शिवदासपुरा में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती ग्राम पंचायत निमोडिया में बूथ संख्या 148,149,150 पर मंडल अध्यक्ष की ज्ञान चंद मीना को अध्यक्षता में मनाई गई और वहीं मुख्य अतिथि राजेश शर्मा जिला उपाध्यक्ष के आतिथ्य में मनाई गई व उपध्याय के जीवन पर प्रकाश डाला गया राजेश शर्मा ने कार्यकर्ताओं को सदस्यता अभियान को लेकर भी निर्देशित किया गया है और सभी कार्यकर्ताओं को 200 सदस्य बनाने का लक्ष्य दिया गया बैठक में राधा किशन शर्मा पूर्व सरपंच प्रतिनिधि कैलाश चंद सैनी, लालचंद ,प्रह्लाद चौधरी ,विनोद शर्मा, बद्रीनारायण चौधरी, कन्हैया लाल बैरवा , सत्यनारायण महेश्वरी खुशीराम मीना विनोद मीना, प्रकाश मीना, मुकेश शर्मा सहित सैंकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे हैं और साथ ही ग्राम पंचायत आंकोडिया ,शिवदासपुरा, सिमलिया, पंचायत बाड़ा पदमपुरा पंचायत के अंदर अलग अलग पंचायतों में अलग अलग बूथों पर जाकर सदस्यता अभियान मे जाकर लोगो को भाजपा की सदस्यता दिलवाई गई है।

विप्र फाउंडेशन ने तिरुपति प्रसादम प्रकरण में कार्यवाही की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

■ संजीवनी टुडे

राजगढ़(अलवर)। विप्र फाउंडेशन द्वारा तिरुपति मंदिर प्रसादम प्रकरण को लेकर उपखण्ड अधिकारी सीमा खेतान को ज्ञापन दिया गया। विप्र फाउंडेशन के ब्लॉक अध्यक्ष प्रदीप शर्मा ने बताया कि बुधवार को विप्र फाउंडेशन व ब्राह्मण समाज राजगढ़ की ओर से तिरुपति मंदिर में प्रसाद में हो रही मिलावट को लेकर दोषियों पर कार्यवाही को लेकर उपखण्ड अधिकारी को प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन दिया गया। ज्ञापन में बताया कि इस प्रकार कि घटना से सनातन धर्मावलंबी व जनमानस की आस्था आहत हुई है जिसके कारण सर्व समाज में भारी रोष व्याप्त है। ज्ञापन में सनातन संरक्षण बोर्ड के गठन की माँग कर ऐसे घोर अधर्म और विनाशकारी कुकर्मो से भारतीय संस्कृति, अध्यात्म एवं सनातनी भावनाओं का संरक्षण करने के लिए कठोर व तत्काल कदम उठाने की माँग की है। इस अवसर पर विप्र फाउंडेशन के एडवोकेट राहुल दीक्षित, पुखराज शर्मा, संदीप शर्मा, मदन लाल शर्मा, देवेंद्र शर्मा व काफ़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित रहे।

टोडाभीम में क्लस्टर स्तरीय साइंस प्रदर्शनी आयोजित

■ संजीवनी टुडे

टोडाभीम। राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद जयपुर के दिशा- निर्देशानुसार आज दिनांक 25/9/2024 को स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूल टोडाभीम में भरतपुर संभाग के सभी जिलों करौली,धौलपुर, सवाई माधोपुर एवं गंगापुर सिटी के मॉडल स्कूलों के क्लस्टर-11 का क्लस्टर स्तरीय साइंस फ़ेयर का आयोजन किया गया ।

विद्यालय के प्राचार्य भयसिंह मीना ने बताया कि इस विज्ञान प्रदर्शनी में साइंस वर्किंग मॉडल सीनियर वर्ग में स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूल खण्डार का प्रथम स्थान,स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूल सूरवाल का द्वितीय स्थान तथा स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूल टोडाभीम का तृतीय स्थान रहा ।साइंस वर्किंग मॉडल जूनियर वर्ग में स्वामी विवेकानन्द राजकीय मॉडल स्कूल सूरवाल का प्रथम स्थान,स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूल गंगापुर सिटी का द्वितीय स्थान तथा स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूल टोडाभीम का तृतीय स्थान रहा । साइंस क्विज सीनियर वर्ग में स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूल टोडाभीम का प्रथम स्थान,स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूल गंगापुर सिटी का द्वितीय स्थान तथा स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूल खण्डार का तृतीय स्थान रहा। साइंस क्विज जूनियर वर्ग में स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूल गंगापुर सिटी का प्रथम स्थान,स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूल टोडाभीम का द्वितीय स्थान तथा स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूल सूरवाल का तृतीय स्थान रहा।इस विज्ञान प्रदर्शनी में सभी मॉडल स्कूलों से 40 विद्यार्थी एवं 20 शिक्षकों ने टीम प्रभारी के रूप में भाग लिया। प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली टीम राज्य स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी में स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूल सीमलवाडा जिला डूंगरपुर में क्लस्टर-11 का प्रतिनिधित्व करेगी। ऐसी प्रतियोगिताओं से बच्चों को साइंस के क्षेत्र में अपना केरियर बनाने का मौका मिलता है तथा वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित होता है। इस प्रतियोगिता के पर्यवेक्षक जतीराम मीना प्रधानाचार्य स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूल बाटोदा बामनवास तथा गोविंद सहाय प्रधानाचार्य एसवीजीएमएस करौली, गिर्राज प्रसाद मथुरिया प्रधानाचार्य एसवीजीएमएस खण्डार तथा स्थानीय विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

जयपुर में दलित महिला से बर्बरता, बाल पकड़कर निर्वस्त्र कर सड़कों घसीटा व बंद कमरे मे पिटाई कर प्लेन पेपर पर हस्ताक्षर लिए

पीड़ित महिला का आरोप, पुलिस प्रशासन कार्यवाही करने की बजाय समझौता करने का दबाव बना रही

■ संजीवनी टुडे

जयपुर। राजधानी जयपुर शहर के माणक चौक थाना इलाके के चौड़ा रास्ता स्थित नमकीन वाली गली में 20 सितंबर की शाम को एक महिला के साथ बेहद शर्मशार कर देने वाली घटना घटी, पीड़ित महिला पिछले 13 वर्षो से अपने पति से अलग रह रही थी, महिला का ससुराल बस्सी में है और 20 सितंबर की शाम को पति, सास, बुआ सास सहित 15 से 20 लोग बस्सी से आए और महिला के साथ ना केवल गाली गलौच की बल्कि पहना हुआ गाऊन तक फाड़ डाला। गाऊन फाड़ने के बाद महिला के बाल पकड़कर सड़को पर घसीटा गया और बेहरमी से मार पिटाई तक की गई। महिला ने जो गले में चेन, कानों में बालियां, हाथों की चूड़ियां इत्यादि पहन रखी थी वह तक छीन ली और गाड़ी में अपहरण कर बस्सी में ले जाकर एक बंद कमरे में दुबारा बेहरमी से पिटाई की और कोरे कागज पर हस्ताक्षर करवा लिए, जिसके बाद आरोपी पीड़िता को बस्सी थाने लेकर गए, बस्सी थाने वाले पीड़िता को लेकर माणक चौक थाने आए इसके बाद पीड़िता ने अपनी शिकायत दर्ज करवाई और माणक चौक थाने ने शिकायत के आधार पर एफआईआर दर्ज की। महिला की शिकायत के आधार पर माणक चौक थाने द्वारा भारतीय न्याय संहिता (बी एन एस) 2023 अधिनियम के तहत आरोपियों पर धारा 190, 143(3), 74, 78, 127(2), 115(2) और 307 में मामला दर्ज कर सोनम अग्रवाल को जांच अधिकारी नियुक्त किया। पीड़ित महिला ने कहा की माणक चौक थाना ने मेरी शिकायत दर्ज तो कर ली किंतु कार्यवाही में कोताही बरत रहा है, पहले तो मामले को पूरी तरह से दबाया गया फिर पुलिस प्रशासन द्वारा ही समझौता करने का लगातार दबाव बनाया जा रहा है। किसी से संयुक्त अभिभावक संघ के नंबर मिले उनसे संपर्क किया तो उनके प्रदेश प्रवक्ता अभिषेक जैन बिट्टू से बात हुई, उनसे इस मामले में मदद मांगी जिस पर उन्होंने यथासंभव सहयोग देने का आश्वासन दिया।

उनसे बात करने के बाद मोहल्ले मे जिन लोगों ने घटना देखी उसके बावजूद चुप्पी साधे बैठे रहे यही कारण रहा की आज पांच दिनों बाद भी मुझे न्याय नहीं मिला और इसी बाद का फायदा उठाकर आरोपी और पुलिस प्रशासन मुझ पर समझौता करने का दबाव बना रहे है। किंतु मंगलवार को अभिषेक जैन से बात होने के बाद मामला मीडिया में आया तो पुलिस प्रशासन भी हरकत में आया, पुलिस प्रशासन ने हालाकि जिन धाराओं में केस दर्ज किया उन धाराओं में आरोपियों को गिरफ्तार ना कर केवल धारा 151 शांतिभंग की मामूली धारा में आरोपियों को गिरफ्तार कर कार्यवाही का केवल स्वांग रचा है, जो कानून व्यवस्था और न्याय प्रणाली के खिलाफ है इसके अतिरिक्त माणक चौक थाना पुलिस प्रशासन ने भी कोरे कागजों पर जबर्दस्ती हस्ताक्षर करवा लिए और घटना पर कोई कार्यवाही नही कर रहे है। अगर मुझे इंसाफ नही मिला, आरोपियों पर कार्यवाही नही हुई तो माणक चौक थाने के बाहर धरने पर बेठुगी और न्याय की गुहार लगाऊंगी।

संयुक्त अभिभावक संघ राजस्थान प्रदेश प्रवक्ता अभिषेक जैन बिट्टू ने बताया की एक अभिभावक की सूचना के जरिए इस घटना की जानकारी मिली, उन्होंने संयुक्त अभिभावक संघ से इस मामले पर मदद मांगी जिसके बाद इस सूचना को मीडिया में दिया, गुरुवार को प्रदेश अध्यक्ष अरविंद अग्रवाल और जयपुर जिला अध्यक्ष युवराज हसीजा के साथ पीड़ित महिला से मुलाकात करेंगे।

वृक्षों का पूजन व आरती कर विदेशी मेहमानों ने भी प्रकृति संरक्षण का लिया संकल्प

■ संजीवनी टुडे

टहला(राजगढ़)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अमृता प्रकृति संवर्धन अभियान के तहत वनाश्रय होटल में वृक्ष देवता की पूजा एवं वृक्ष आरती का आयोजन किया गया। इस दौरान डॉ. अभिमन्यु सिद्ध ने वृक्ष देवता की पूजा कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। इसके पश्चात वेदप्रकाश शर्मा ने वृक्ष देवता की आरती करवाई। वृक्ष देवता की आरती में विदेशी मेहमानों ने भी हर्षोल्लास के साथ भाग लिया एवं वृक्ष देवता की पूजा की। साथ ही वनाश्रय के मैनेजर नरेश सिंह ने विदेशी मेहमानों को वृक्ष देवता की पूजा एवं वृक्ष आरती का महत्व बताया। डॉ. सिद्ध ने बताया की इस तरह के आयोजन से विदेशी पर्यटको को उस पुण्य भारतीय भूमि को जानने का अवसर मिल रहा हैं जहाँ वृक्ष को भी देवता की तरह पूजा जाता हैं एवं पुरे विश्व मे भारतीय संस्कृति ही एकमात्र ऐसी हैं जिसमे प्रकृति के संरक्षण का भाव निहित हैं। साथ ही यूनाइटेड किंगडम से आये विदेशी मेहमान भारतीय संस्कृति में छिपे इस तरह के प्रकृति के संरक्षण के भाव के मुरीद हो गए एवं इसकी काफी प्रशंसा की। इसके बाद सभी ने छायादार एवं फलदार पेड़ो का वृक्षारोपण कर प्रकृति संरक्षण एवं संवर्धन का संकल्प लिया। इस अवसर पर डॉ सिद्ध के साथ जिला कार्यवाह वेदप्रकाश शर्मा, जनरल मैनेजर विक्रम, मैनेजर नरेश, टूरिस्ट गाइड महावीर, महेंद्र, गिरिजा, योगेश सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

स्वच्छता के प्रति जागरूकता के लिए वाहन रैली निकाल कर दिया संदेश

■ संजीवनी टुडे

चाकसू। यहां बुधवार को प्रधानमंत्री के स्वच्छ भारत के सपने को पूरा करने के को एन.एच.ए.आई. जयपुर के निर्देशन में चन्दलाई-बरखेड़ा टोल प्लाजा पर आई.आर.बी. कंपनी द्वारा आम जनता में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए वाहन रैली निकली गई है और वही जिसमे आम जनता से स्वच्छता में अपनी भागीदारी को पूर्ण रूप से निभाने का सन्देश रैली के माध्यम से दिया गया है और टोल प्लाजा जनरल मैनेजर गंगाधर पाइकराव , टोल प्लाजा प्रबंधक अरविन्द गौतम, एवं इन्का कम्पनी के मैनेजर मुकेश चारण ने रैली के माध्यम से ग्रामीणों को जागरूक किया गया है । और आसपास क्षेत्र में साफ सफाई अच्छी रहेगी तो बीमारी से ग्रसित नहीं होंगे आम जन और सभी का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और साथ ही पर्यावरण प्रदूषण पर भी रोक लगेगी वही इस मौके पर रैली के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि सबको मिलजुल कर स्वच्छता पर ध्यान देना चाहिए जो भी गंदी वस्तु है उनको डस्टबिन या कूड़ादन में ही डालना चाहिए जिससे स्वच्छता बनी रहे।

अधिकारी संवेदनशीलता के साथ आमजन की समस्याओं का करें निस्तारण: जिला प्रमुख

■ संजीवनी टुडे

उदयपुर। जिला परिषद उदयपुर की साधारण सभा बैठक बुधवार को जिला परिषद सभागार में जिला प्रमुख श्रीमती ममता कुंवर की अध्यक्षता में हुई। बैठक में उदयपुर शहर विधायक ताराचंद जैन, उदयपुर ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा, वल्लभनगर विधायक उदयलाल डांगी, उप जिला प्रमुख पुष्कर तेली सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण भी मौजूद रहे। बैठक में जिला प्रमुख ममता कुंवर ने कहा कि सभी विभागों के अधिकारी सदन में रखे जाने वाले आमजन से जुड़े मुद्दों एवं समस्याओं का संवेदनशीलता के साथ निस्तारण करें एवं सदन से मिलने वाले निर्देशों एवं सुझावों को प्रभावी रूप से धरातल पर लागू भी करें। प्रारंभ में जिला परिषद मुख्य कार्यकारी अधिकारी हेमेंद्र नागर ने स्वागत करते हुए गत बैठक कार्यवाही विवरण अनुमोदनार्थ प्रस्तुत किया। साधारण सभा बैठक में विभागवार योजनाओं तथा विकास कार्यों की प्रगति पर चर्चा की गई। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ शंकरलाल बामनिया ने मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिए विभागीय स्तर पर किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। इस दौरान विभिन्न सदस्यों ने अपने-अपने क्षेत्र से जुड़ी चिकित्सा विभाग की आमजन से जुड़ी समस्याओं के बारे में सदन को

अवगत कराया। इस पर सीएमएचओ ने सभी बिंदुओं पर उचित कार्यवाही किए जाने की बात कही। बैठक में जिले के कई रिमोट इलाकों में विभिन्न कारणों से बिजली सुविधा से वंचित रहे गांवों को विद्युतीकरण से जोड़ने की भी चर्चा हुई। जिला परिषद सीईओ हेमेन्द्र नागर ने बताया कि ऊर्जा विभाग को राज्य बजट में कई स्थानों पर नवीन जीएसएस स्वीकृत होने से विभिन्न क्षेत्रों में हो रही लोड शेडिंग की समस्या से निजात मिलेगी। इसके अतिरिक्त बिजली निगम के तहत विभिन्न जीएसएस पर कार्यरत ठेका कर्मियों के वेतन संबंधित विषय पर ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा ने बताया कि सरकारी दर से अगर कम भुगतान हो रहा है तो ऐसे ठेकेदारों पर कार्रवाई की जानी चाहिए। सार्वजनिक निर्माण विभाग के संबंध में चर्चा के दौरान सदस्यों ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों में क्षतिग्रस्त सड़को की मरम्मत एवं सुदृढीकरण कार्य शीघ्र पूर्ण कराने की मांग रखी। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि हाल ही राज्य सरकार ने जिले की विभिन्न सड़कों एवं पुलियों की मरम्मत हेतु धनराशि स्वीकृत की है, शीघ्र सड़कें मरम्मत करवा दी जाएगी। जिला परिषद सीईओ ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आवश्यकतानुसार शीघ्र मरम्मत कार्य करवा कर आमजन को राहत प्रदान करें। उदयपुर सलूंबर मार्ग की मरम्मत हेतु सीईओ ने वन विभाग के अधिकारियों को 10 दिवस के अंदर स्वीकृति जारी करते हुए आरएसआरडीसी को मरम्मत कार्य प्रारंभ करने की निर्देश प्रदान किये। सदन में जलदाय विभाग से संबंधित चर्चा के दौरान जल जीवन मिशन के तहत चल रहे कार्यों की चर्चा हुई। सदस्यों ने अवगत कराया कि कार्य रुके हुए हैं तथा सड़कें खुदी होने के कारण आवागमन में दिक्कत आ रही हैं। इस पर जलदाय विभाग के अधीक्षण अभियंता ने बताया कि संबंधित परियोजनाएं जिनका कार्य रुका हुआ है, शीघ्र प्रारंभ करवा दिया जाएगा। साथ ही जहां सड़कें खुदी हुई है वहां एजेंसी एवं संवेदकों के समन्वय के साथ शीघ्र मरम्मत करवा दी जाएगी। इस पर जिला प्रमुख ने जिला स्तरीय कमेटी के माध्यम से जिले में जल जीवन मिशन के तहत चल रहे कार्यों की मॉनिटरिंग करवाने की बात कही ।

खबरें फटाफट

लुट के प्रकरण मे करीब 9 वर्ष से वांछित टॉप -10 मे चयनित आरोपी गिरफ्तार

■ संजीवनी टुडे

चित्तौड़गढ़। लुट के प्रकरण में करीब 9 वर्ष से वांछित टॉप -10 में चयनित आरोपी को बस्सी थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। जिला पुलिस अधीक्षक श्री सुधीर जोशी ने बताया कि वांछित आरोपियो की धडपकड हेतु चलाये जा रहे के विशेष अभियान के क्रम मे परबतसिह अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय के निर्देशन एवं वृताधिकारी ग्रामीण चितौडगढ शिव प्रकाश टेलर के पर्यवेक्षण मे दिनांक 24 सितंबर 2024 को थानाधिकारी जयेश पाटीदार द्वारा गठीत टीम ने थाना हाजा के प्रकरण मे करीब 9 साल से वांछित टोप टेन मे चयनित धारा 299 सीआरपीसी मे वांछित आरोपी कमरूदीन पिता रहीम खा निवासी सुबासेडी थाना तावडू जिला नुह हरीयाणा को गिरफतार किया जाकर न्यायालय मे पेश कर पीसी रिमाण्ड प्राप्त किया गया। अनुसंधान जारी है। पुलिस टीमः- एएसआई कालुसिह, कानि शंकरलाल, अनिल आदि रहे।

थाना जावदा पर पदस्थापित एक एएसआई तथा दो कांस्टेबल को किया निलंबित

■ संजीवनी टुडे

चित्तौड़गढ़। पुलिस अधीक्षक चित्तौड़गढ़ श्री सुधीर जोशी ने बताया कि पुलिस थाना जावदा पर पदस्थापित एएसआई त्रिभुवन सिंह तथा कांस्टेबल सतीश एवं सुरेश द्वारा जिम्मे के कर्तव्य का समुचित निर्वहन नहीं कर ड्यूटी में लापरवाही बरतने तथा संदिग्ध आचरण होने की सूचना पर विभागीय कार्यवाही करते हुए निलंबित किया जाकर मुख्यालय पुलिस लाइन चित्तौड़गढ़ पर किया एवं मामले की जांच के निर्देश दिए।

चौधरी और कोठारी को किया एपीओ

■ संजीवनी टुडे

उदयपुर। राज्य सरकार ने राजस्थान सहकारिता सेवा के दो अधिकारियों को आदेशों की प्रतीक्षा में (एपीओ) कर दिया है। जारी आदेश के तहत उदयपुर सेंट्रल को-ऑपरेटिव बैंक में प्रबंध निदेशक आलोक चौधरी और सहकारिता समितियां उदयपुर के विशेष लेखा परीक्षक विनोद कुमार कोठारी को एपीओ किया गया है। सहकारिता विभाग के संयुक्त शासन सचिव दिनेश कुमार जांगिड़ ने 24 सितम्बर को दोनों अधिकारियों को एपीओ करने का आदेश जारी किया। उक्त अवधि में दोनों अधिकारियों का मुख्यालय, कार्यालय रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां जयपुर रखा गया है।

युवक की गला रेतकर हत्या, पैरों की अंगुलियां काटी

■ संजीवनी टुडे

उदयपुर।युवक का गला रेंतकर हत्या करने का मामला सामने आया है। युवक के पैर की 3 अंगुलियां कटी हुई थी। शरीर पर भी कई जगह चोट के निशान हैं। राहगीरों ने खून से लथपथ शव देखकर पुलिस को बताया। सूचना पर एएसपी अशोक बिटोलिया, डिप्टी हितेष मेहता और थानाधिकारी हर्षराज सिंह जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचे और घटना की जांच में जुटे हैं। मामला सलूंबर जिले के लसाड़िया थाना क्षेत्र में बुधवार का है। धामनिया गांव में लालपुरा नाका के पास धरियावद सड़क किनारे शव मिला है। लसाड़िया थानाधिकारी हर्षराज सिंह ने बताया- युवक देलाराम मीणा (30) निवासी लसाड़िया था। वह मजदूरी करता था। धारदार हथियार से उसका गला रेता गया है। हत्या किसने और किस कारण से की है। इस बारे में पुलिस टीम जांच में जुटी है।

बेजरड़ा में भाजपा सदस्यता अभियान की बैठक आयोजित

प्रत्येक कार्यकर्ताओं को ज्यादा से ज्यादा बनाने हैं सदस्य: भीण्डर

■ संजीवनी टुडे

भीण्डर। वल्लभनगर विधानसभा क्षेत्र में भाजपा की सदस्यता अभियान को लेकर पूर्व विधायक रणधीर सिंह भीण्डर की अध्यक्षता में बुधवार को बेजरड़ा महादेव मन्दिर में बैठक का आयोजन हुआ। जिसमें पूर्व विधायक रणधीर सिंह भीण्डर ने सभी कार्यकर्ताओं को भाजपा सदस्यता अभियान से जुड़ते हुए ज्यादा से ज्यादा सदस्य जोड़ने का आव्हान किया। वहीं सभी कार्यकर्ताओं को विश्वास दिलाया कि किसी भी प्रकार के काम के लिए परेशान होने की जरूरत नहीं हैं और जो समस्याएं सामने रखी हैं उनका निराकरण करवायेंगे। बैठक में सभी कार्यकर्ताओं ने भाजपा में शामिल होने पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि भाजपा अपनी ताकत को भीण्डर के नेतृत्व में बढ़ाकर आगामी पंचायत राज व नगर पालिका चुनाव में जीत का परचम फहरायेगी। कार्यकर्ताओं ने अपने क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं से भी अवगत करवाया, जिस पर भीण्डर ने कहा कि आपकी समस्याओं से मुझे अवगत करवाते

रहें, उनका समाधान किया जायेगा। सभी को संबोधित करते हुए पूर्व जिलाध्यक्ष हरिसिंह कुराबड़ ने कहा कि हम सभी पार्टी के पूराने वफादार कार्यकर्ता है। हमें किसी के बुलावें का इंतजार नहीं करना चाहिए और पार्टी के सभी कामों में बढ़चढ़ करके हिस्सा लेकर लोगों के काम करने चाहिए। वरिष्ठ नेता रूपलाल मेनारिया ने कहा कि लोकसभा चुनाव से पहले जनता सेना का भाजपा में विलय कर दिया और सभी कार्यकर्ताओं ने तन-मन-धन से चुनाव में मेहनत करके रिकॉर्ड तोड़ जीत दर्ज करवाई। अब सांसद सीपी जोशी को कार्यकर्ताओं की मेहनत का इनाम वल्लभनगर विधानसभा क्षेत्र में विकास के नये आयाम स्थापित करके देना चाहिए।

इस दौरान पूर्व जिलाध्यक्ष हरिसिंह कुराबड़, पूर्व ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष जगदीश वैष्णव टाली, वल्लभनगर प्रधान देवीलाल नंगारची, भीण्डर प्रधान हरिसिंह सोनिगरा, भीण्डर नगर पालिका अध्यक्ष निर्मला भोजावत, उपाध्यक्ष मगनीराम रेगर, पूर्व मण्डल उपाध्यक्ष रूपलाल मेनारिया, पूर्व उपप्रधान आशाराम भाट, कानोड़ पार्षद पारस नागौरी, प्रकाश लक्षकार, भीण्डर पार्षद ओमप्रकाश भोई, अशोक सोनी, पूर्व सरपंच भारत सिंह कृष्णावत, पूर्व सरपंच रामलाल डांगी, पूर्व पंचायत समिति सदस्य खेमराज डांगी, पूर्व पंचायत समिति नारूलाल डांगी, वरिष्ठ नेता गिरधारीलाल व्यास, नवानिया सहकारी समिति अध्यक्ष जगदीश जणवा, अमरपुरा सहकारी समिति अध्यक्ष नेपालसिंह राठौड़, पूर्व पंचायत समिति सदस्य गोपाल सावली, केदारिया सहकारी समिति अध्यक्ष प्रभाशंकर शर्मा, नांगलिया सरपंच मनमोहनसिंह मीणा, अमरपुरा खालसा पूर्व सरपंच प्रेमचंद्र खटीक, पूर्व सरपंच किशनसिंह सांखला, भीण्डर सहकारी समिति अध्यक्ष किशन सिंह शक्तावत, पूर्व उपप्रधान देवीलाल जाट, हींता पूर्व सरपंच भगवानदास वैष्णव, पूर्व सरपंच उंकारलाल नाई, रोशन भावसार, पूर्व सरपंच भगवतीलाल मीणा, पूर्व पंचायत समिति सदस्य अर्जुनसिंह राणावत, पूर्व पंचायत समिति सदस्य सुरेश खटीक, स्वरूपसिंह राणावत, पूर्व सरपंच अर्जुनसिंह सांरगदेवोत, गोपीलाल मेनारिया रूण्डेड़ा, यशवंतसिंह झाला, राकेश पचोरी, प्रकाश जैन बाठेड़ा, भगवानसिंह राठौड़, नारायण राव कुराबड़, भंवरसिंह शक्तावत कुंथवास, रतनलाल लक्षकार, रमेश सोनी, प्रेमशंकर श्रीमाली सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

फर्जी रजिस्ट्री मामले में वांछित आरोपी गिरफ्तार

■ संजीवनी टुडे

चित्तौड़गढ़। कोतवाली निंबाहेड़ा थाना पुलिस ने जमीन के फर्जी कुटरचित दस्तावेज तैयार कर डमी विक्रेता खड़ा करके जमीन की रजिस्ट्री करवाने के प्रकरण में वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया है। जिला पुलिस अधीक्षक श्री सुधीर जोशी ने बताया कि दिनांक 14 जुन 2024 को प्रार्थी भेरूलाल रावत निवासी संगवाड़िया तहसील निम्बाहेडा ने एक रिपोर्ट इस आशय की पेश की के मेरी व मेरे भाई रूपलाल व बहिन चन्दा बाई, माता लाली बाई की सामलाती आराजी हल्का संगवाडिया में स्थित हैं जिसको दिनांक 01 मई 2024 व 08 मई 2024 को अज्ञात व्यक्तियों द्वारा जमीन के फर्जी कूटरचित दस्तावेज तैयार कर डमी व्यक्ति/औरत खड़ी करके तहसील निम्बाहेडा में क्रेता बहादुर सिंह रावत निवासी सतखण्डा के नाम फर्जी रजिस्ट्री करवा दी गई। बहादुर सिंह रावत ने कुछ कुछ समय बाद उक्त जमीन को मिलीभगत कर रजिस्ट्री ऋषिराज सिंह के नाम पर करवा दी गई। उक्त रिपोर्ट पर प्रकरण दर्ज कर मुल्जिमों को शीघ्र गिरफ्तार करने के निर्देश प्रदान किये गये जिस पर पर्वत सिंह अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय व बद्रीलाल पुलिस उप अधीक्षक वृत निम्बाहेडा के निर्देशन में श्री रामसुमेर मीणा पु.नि. थानाधिकारी कोतवाली

निम्बाहेडा द्वारा अनुसंधान अधिकारी एएसआई प्रहलाद सिंह को आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किये गये। अनुसंधान अधिकारी द्वारा दिनांक 22 सितंबर 24 को फर्जी रजिस्ट्री का क्रेता ऋषिराज सिंह पिता मनोहर सिंह राजपूत निवासी घटियाली अजमेर को गिरफ्तार कर अभियुक्त का पुलिस रिमाण्ड प्राप्त कर गहनता से अनुसंधान किया गया। बाद अनुसंधान अभियुक्त को न्यायिक अभिरक्षा में भिजवाया गया । अभियुक्त ऋषिराज सिंह राजपूत की जान पहचान नानुसिंह पिता मदन सिंह रावत निवासी घटेरा से थी। नानुसिंह रावत ने ही ऋषिराज सिंह राजपूत को बताया था कि संगवाड़िया में रावतों की की जमीन की फर्जी रजिस्ट्री बहादुर सिंह रावत के नाम करवा रहा हु । उक्त जमीन सस्ते में मिल रही हैं जिस पर ऋषिराज सिंह राजपूत ने 9 लाख रूपये नानुसिंह रावत निवासी घटेरा को उक्त जमीन का फर्जी डमी व्यक्ति खड़ा करने व खर्चे खाते के दिये थे। नानुसिंह रावत ने उक्त जमीन की फर्जी रजिस्ट्री बहादुर सिंह के नाम करवा कर कुछ दिन बाद नानुसिंह रावत ने बहादुर सिंह के नाम करवाई हुई फर्जी रजिस्ट्री को ऋषिराज सिंह राजपूत के नाम करवा दी। ऋषिराज सिंह राजपूत ने नानुसिंह रावत के साथ मिलकर सुनियोजित षडयन्त्र रचकर रावतों की जमीन को फर्जी तरीके से स्वयं के नाम करवाई ताकि बाद में जनरल कास्ट का होने से उक्त जमीन की ऊंची कीमत प्राप्त करने का लालच किया गया है। उक्त प्रकरण में पूर्व में 09 अभियुक्त गिरफ्तार किये जा चुके है। पुलिस टीम : रामसुमेर मीणा पुलिस निरीक्षक , एएसआई प्रहलाद सिंह , हैडकानि हरविन्द्र सिंह, कानि रामकेश ,रतन सिंह आदि रहे।

चोरी की एक मोटर साईकिल बरामद, दो आरोपी गिरफ्तार

■ संजीवनी टुडे

चित्तौड़गढ़। राशमी थाना पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी की वारदात का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है तथा चोरी की एक मोटरसाइकिल बरामद की। जिला पुलिस अधीक्षक श्री सुधीर जोशी ने बताया कि दिनांक 02 सितम्बर 2024 को प्रार्थी नारायण शर्मा निवासी पहुँना ने थाना राशमी पर उपस्थित हो रिपोर्ट दी कि दिनांक 07 अगस्त 2024 को मेरी मोटरसाईकिल बैंक ऑफ बडौदा पहुँना के बाहर खडी थी जिसको कोई अज्ञात व्यक्ति चोरी कर ले गये है। वगेरा रिपोर्ट पर प्रकरण दर्ज किया गया। तथा पर्वतसिह अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय एवं रामेश्वर लाल वृताधिकारी वृत गंगरार के सुपरविजन मे श्यामराज सिह पु.नि. थानाधिकारी थाना राशमी के नेतृत्व मे एक विशेष टीम का गठन कर अज्ञात मुल्जिमान की तलाश व त्वरित अनुसंधान हेतु निर्देशित किया गया। गठीत टीम द्वारा घटनास्थल के आस-पास सीसीटीवी कैमरो का फुटेज प्राप्त कर बारिकी से

विश्लेषण किया गया। घटनास्थल पर घटना दिनांक को सदिग्ध व्यक्तियो के बारे मे पुछताछ की गई। कस्बा पहुँना आबादी क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरो के फुटेज के आधार पर रूटमेप तैयार किया गया तथा परम्परागत पुलिसिंग के तहत मुखबिर तन्त्र से आसुचना संकलित कर फुटेज में सदिग्ध व्यक्ति से मिलते जुलते हुलिये के बारे मे जानकारी प्राप्त की गई। सप्पुर्ण प्रयासो के उपरान्त आरोपियों की पहचान कर डिटेन कर तकनीकि तथ्यो पर आधारित पुछताछ की गई तो आरोपी सॉवरिया बैरवा व दिनेश कुमावत द्वारा मोटरसाईकिल की चोरी की घटना करना कारित करना स्वीकार किया गया है। आरोपीयों से मोटरसाइकिल हीरो एचएफ डीलक्स को पुलिस द्वारा बरामद किया गया है। गिरफतार आरोपी : कारोई पुलिस थाना कारोई जिला भीलवाडा निवासी साँवरिया बैरवा पिता सुखलाल बैरवा उम्र 18 साल तथा दिनेश कुमावत पिता रमेश कुमावत उम्र 24 साल पुलिस टीम - श्यामराज सिह पु.नि. थानाधिकारी ,एएसआई देवीलाल, कानि विनोद (विशेष योगदान), दीपक , रामजीत सिह , महिपाल सिह आदि रहे।

तिरुपति बालाजी के प्रसाद में मिलावट पर संत समाज में आक्रोश

■ संजीवनी टुडे

उदयपुर। स्वस्थान श्री रामानन्द सम्प्रदाय सिद्धपीठ श्री नृसिंह द्वारा मीठाराम जी मंदिर में अखिल भारतीय संत समिति जिला शाखा उदयपुर की बैठक हुई जिसमें तिरुपति बालाजी मंदिर के प्रसाद में आपत्तिजनक पदार्थों की मिलावट पाए जाने पर आक्रोश प्रकट किया गया। अध्यक्ष महंत विरमनाथ जी ने कहा कि प्रसाद कम मात्रा में व केवल दर्शनार्थियों के लिये ही बनाया जाना चाहिए बेचने के लिये नहीं। सचिव श्री महंत रामचंद्रदास जी ने तिरूपति बालाजी मंदिर के प्रसाद में मिलावट को लेकर आक्रोश जताया और कहा कि प्रसाद हेतु सामग्री की जाँच प्रयोगशाला में करा कर फिर उपयोग मे लेना चाहिये। महंत हर्षिता दास ने बताया कि जहां करोड़ों रुपए की आमदनी है वहां पर मंदिर मंडल द्वारा स्वयं की गोशाला स्थापित करनी चाहिए जिससे गोसेवा के साथ साथ लोगों को रोजगार मिलेगा और शुद्ध घी भी मंदिर में बन जाएगा। संत नौनिधि ने बताया जहां हजारो में घी बिकता है वहां रूपए में खरीद रहे तो शुद्धता कहां होगी । संत अचलाराम, बाबू महाराज ने भी अपने अपने विचार रखे महंत रामलखन दास,महंत चेतन राम , महेंद्र महाराज, राकेश महाराज, संत भगवान दास, संत लक्ष्मण दास संत होमाराम , संत लक्ष्यवीर दास आदि संतो की बैठक में उपस्थिति रही।

स्वच्छता ही सेवा 2024 अंतर्गत प्लास्टिक मुक्त, पर्यावरण युक्त थीम पर कार्यक्रम आयोजित

■ संजीवनी टुडे

जिले में स्वच्छता की 4 पी अवधारणा पर होगा काम

राजसमंद। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत 17 सितंबर 2024 से 2 अक्टूबर 2024 तक देशव्यापी स्वच्छता ही सेवा 2024 पखवाड़ा आयोजित किया जा रहा है। इस दौरान ''प्लास्टिक मुक्त, पर्यावरण युक्त'' थीम पर कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय, विजयपुरा में मुख्य कार्यकारी अधिकारी बृजमोहन बैरवा की उपस्थिति में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित सीईओ बृज मोहन बैरवा, सीईओ जिला परिषद राजसमंद ने 4पी (प्लास्टिक, पर्यावरण, पेड़, पानी) अवधारणा के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आज प्लास्टिक सबसे बड़ा पर्यावरणीय दुश्मन बन चुका है। प्लास्टिक को खाली बोतलों में भरकर हम उसे पेड़ों के चारों ओर चबूतरा या ट्री गार्ड बना सकते हैं, जिससे न केवल पेड़ की रक्षा होगी, बल्कि पर्यावरण भी स्वच्छ रहेगा। उन्होंने स्वच्छता के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि यदि हमें स्वच्छ समाज बनाना है, तो सबसे पहले हमें स्वयं

को स्वच्छ रखना होगा। साथ ही, उन्होंने शौचालयों के निर्माण और उनके उपयोग पर भी जोर दिया। बैरवा ने उपस्थित महिलाओं को जिले में चल रहे नवाचार के तहत प्लास्टिक कचरे को खाली बोतलों में भरने के लिए प्रेरित किया, ताकि यह खुले में बिखरने से रोका जा सके। प्लास्टिक कचरा अक्सर आवारा पशुओं द्वारा खा लिया जाता है, जिससे उनकी असमय मृत्यु हो जाती है। उन्होंने अपील की कि जितनी बोतलें प्लास्टिक कचरे से भरी जाएं, उतने ही पेड़ भी लगाए जाएं।

कार्यक्रम में नाना लाल सालवी, जिला समन्वयक (एसबीएम), ने स्वच्छता अभियान के उद्देश्यों और लक्ष्यों पर चर्चा की और ग्रामीण जन से इसमें सक्रिय सहयोग की अपेक्षा जताई। विकास अधिकारी जितेंद्र सिंह चुंडावत, पंचायत समिति देवगढ़, ने कहा कि महिलाएं स्वच्छता सेनानी हैं और स्वच्छता में मातृशक्ति का योगदान महत्वपूर्ण है। वहीं, श्रीमती सुमन अजमेरा, जिला परियोजना समन्वयक, राजीविका, ने उपस्थित जनसमूह को स्वच्छता की शपथ दिलाई। कॅरियर संस्थान की अध्यक्ष श्रीमती भावना पालीवाल ने कहा कि प्लास्टिक का अत्यधिक उपयोग हमारी धरती के साथ अन्याय है और इससे भविष्य की पीढ़ियों को दूषित वातावरण में जीने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। उन्होंने मासिक धर्म स्वच्छता पर भी चर्चा की। कैरियर संस्थान द्वारा ''वेस्ट टू बेस्ट'' कार्यक्रम के तहत बर्ड हाउस, पपेट, सजावट सामग्री, टायर सीट सहित कई उपयोगी वस्तुएं बनाई जा रही हैं। कार्यक्रम के अंत में सीईओ श्री बैरवा ने वृक्षारोपण किया और कैरियर संस्थान द्वारा बनाई गई ''वेस्ट टू बेस्ट'' सामग्रियों का अवलोकन किया एवं उनकी सराहना की। कार्यक्रम में नाना लाल सालवी (जिला समन्वयक, एसबीएम), सरपंच श्रीमती मीना भाट, अति. विकास अधिकारी राजा राम गुर्जर, प्रगति प्रसार अधिकारी दिनेश मेघवंशी, ग्राम विकास अधिकारी मुरलीधर पांड्या, जगदीश, अकिल अहमद, खंड समन्वयक जेठाराम सालवी, कॅरियर संस्थान संरक्षक महेश पालीवाल, समाजसेवी हरदेव भाट और कंप्यूटर ऑपरेटर श्रवण सिंह सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

कांग्रेस सरकार में दी मदरसे की जमीन का आवंटन निरस्त

जमीन देने के विरोध में किया था प्रदर्शन, कलेक्टर ने बनाकर भेजी थी रिपोर्ट

■ संजीवनी टुडे

मावली।उदयपुर जिले के मावली में कांग्रेस सरकार के समय मदरसे को आवंटित जमीन राज्य सरकार ने निरस्त कर दी है। उदयपुर कलेक्टर अरविंद पोसवाल की ओर से इस मामले को लेकर सरकार को रिपोर्ट भेजी थी। इस पर बुधवार को इस जमीन के आवंटन को रद्द करने का आदेश दिया है। दरअसल, इस जमीन के आवंटन के विरोध में सोमवार को मावली कस्बे में सर्व समाज ने धरना देकर विरोध प्रदर्शन किया था। इस दौरान चित्तौड़गढ़ सांसद सीपी जोशी ने आंदोलन के दौरान जमीन आवंटन निरस्त करने के लिए आश्वस्त किया था। राजस्व विभाग के ग्रुप तीन के उप शासन सचिव बिरदीचंद गंगवाल ने 25 सितंबर की तारीख में निकाले आदेश में इस जमीन का आवंटन निरस्त किया है। एसडीएम की रिपोर्ट के आधार पर उदयपुर कलेक्टर अरविंद कुमार पोसवाल ने प्रदर्शन के दिन ही 23 सितंबर को राज्य सरकार से जमीन निरस्त करने के लिए अग्रिम कार्रवाई के लिए पत्र भेज दिया था। कलेक्टर ने राजस्व विभाग के ग्रुप-3 के संयुक्त शासन सचिव को भेजे पत्र में आवंटन निरस्त करने को कहा था।

इससे पहले मावली एसडीएम ने भी कलेक्टर को निरस्ती की अनुशंसा की थी। मावली एसडीएम मनसुख डामोर ने बताया कि सरकार को भेजी इस रिपोर्ट के आधार पर सरकार ने इसका आवंटन निरस्त कर दिया गया है।

विरोध के तहत बंद रहा मावली विधानसभा क्षेत्र उल्लेखनीय है कि तत्कालीन गहलोत सरकार के कार्यकाल में मावली के गायत्री नगर के पास 4 बीघा 16 बिस्वा जमीन मदरसा को आवंटित की गई थी। इसको लेकर सर्व समाज

के लोगों ने आपत्ति जताते हुए इस जमीन आवंटन को निरस्त करने की मांग करते हुए 23 सितंबर को मावली बंद का आह्वान किया था। इसके तहत वहां हजारों लोग जुटे थे और रैली निकालकर ज्ञापन दिया। इस दौरान मावली, फतहनगर, घासा, डबोक, खेमली, ईंटाली सहित आसपास के गांव में बाजार बंद रहे थे।

जमीन को लेकर यह थी आपत्ति

आवंटित इस जमीन को लेकर सर्व समाज के लोगों ने आपत्ति जताते हुए आवंटन को निरस्त करने की मांग की है। इसके लिए अब्दुल रहमान प्रकरण का हवाला दिया गया है। साथ ही कहा- आवंटित जमीन के आसपास हिंदू मंदिर और श्मशान भी है, ऐसे में इस जमीन का आवंटन रद्द किया जाना चाहिए।

मरने से पहले वीडियो बनाया, बोला- सारी उधारी भाई चुकाएगा: सुसाइड नोट भी लिखा

■ संजीवनी टुडे

कहा- मेरी पत्नी के साथ गलत काम किया, जिम्मेदारी अब वही उठाएगा

उदयपुर।बड़े भाई से नाराज छोटे ने जहर की गोलियां खा कर सुसाइड कर लिया। उसने सुसाइड से पहले एक वीडियो भी बनाया। कहा- भाई ने मेरी पत्नी के साथ गलत काम किया है। अब मेरी सारी उधारी वही चुकाएगा। मेरे बच्चों का ख्याल भी वही रखेगा। ग्रामीणों ने उसे खेत में बेहोश पड़े देखा तो अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मामला उदयपुर में सायरा थाना क्षेत्र के गुंदाली स्थित रमणा गांव का बुधवार का है।

सायरा थानाधिकारी प्रवीण सिंह ने बताया- मृतक की पहचान भगाराम (25) पुत्र भीमाराम गमेती के रूप में हुई है। उसके भाई के खिलाफ सुसाइड के लिए उकसाने की धारा 306 में मुकदमा

दर्ज कर लिया है। वीडियो को लेकर भी जानकारी सामने आई है। ग्रामीणों ने उसे उदयपुर के एमबी अस्पताल में भर्ती करवाया था। जहां से पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। प्रारंभिक पूछताछ में उसका उसके बड़े भाई से लेन-देन को लेकर विवाद सामने आया है। अन्य जो भी छेड़छाड़ के आरोप हैं उनपर जांच जारी है। पुलिस के अनुसार, भगाराम सूरत में कुक का काम करता था। वह मंगलवार को ही गांव आया था। मृतक ने सुसाइड से पहले अपने मोबाइल में एक वीडियो बनाया। इसे उसने सोशल मीडिया पर शेयर किया। इसमें वह कहता नजर आ रहा पर रापर किया। इसम वह कहता नजर जा रहा है कि उसके दो भाई हैं कालूराम और मोटाराम हैं। इनमें बड़ा भाई कालूराम ही उसकी मौत का जिम्मेदार है। उसने मेरी घरवाली के साथ गलत किया। मैसेज किया, परेशान किया। सच सामने आने के बाद पंचायत ने उस पर 50 हजार रुपए का जुर्माना रखा। कुछ राशि मुझे देने को कही थी।

वीडियो में भगाराम कहता नजर आ रहा है कि मैंने कुछ दिन बाद उसे फोन लगाया तो उसने पैसा देने से मना कर दिया। मेरा सेठ मुझसे 1.41 लाख रुपए मांगता है। अब वह पैसे मेरा भाई देगा। गांव में जिस दुकान से मेरे घर सामान आता है उसके करीब 5 हजार रुपए का उधार भी भाई ही चुकाएगा। मेरे काका के लड़के के 5 हजार रुपए उधार भी भाई चुकाएगा। बच्चों का खर्चा भी वही देगा।

सम्पादक की कलम से....

सम्पादकीय

विरोध का भी एक तरीका होता है, संसदीय लोकतंत्र की मर्यादा भंग करना ठीक नहीं

राज्यसभा में विपक्ष द्वारा कृषि विधेयकों के विरोध प्रकट करने का असंसदीय एवं आक्रामक तरीका, सत्तापक्ष एवं विपक्ष के बीच तकरार, आठ सांसदों का निलंबन और इन स्थितियों से उत्पन्न संसदीय गतिरोध लोकतंत्र की गरिमा को धुंधलाने वाले हैं। अपने विरोध को विराट बनाने के लिये सार्थक बहस की बजाय शोर-शराबा और नारेबाजी की स्थितियां कैसे लोकतांत्रिक कही जा सकती हैं? जिन आठ सांसदों को राज्यसभा से निलंबित किया गया है, उनके पक्ष में आधे से ज्यादा विपक्ष एकजुट हो गया, कहां निभा रहा विपक्ष अपनी भूमिका? इससे ऐसा प्रतीत हो रहा है कि किसान हित के नाम पर अपने-अपने अहं की चिन्ता एवं बिना विधेयकों की मूल भावना को समझे विरोध की राजनीति की जा रही है। विपक्ष इन कानूनों के खिलाफ आम जनता एवं किसानों को बरगलाने, भ्रमित एवं गुमराह करने के लिये छल-कपट एवं झूठ का जमकर सहारा ले रहा है। संसदीय लोकतंत्र की अपनी मर्यादाएं होती हैं, वह पक्ष-विपक्ष की शर्तों से नहीं, आपसी समझबूझ एवं आपसी सहमति की राजनीति से चलता है। विपक्ष की प्रमुख तीन मांगों में से सबसे बड़ी मांग यह थी कि सांसदों का निलंबन वापस लिया जाए। इसका मतलब तो यह हुआ कि विपक्ष चाहता था कि पीठासीन अधिकारी के समक्ष की गई अभद्रता एवं आक्रामकता की अनदेखी कर दी जाये। इससे तो संसदीय मर्यादाएं बार-बार भंग होती रहेंगी एवं संसद में हुड़दंग मचाने, अभद्रता प्रदर्शित करने एवं हिंसक घटनाओं को बल देने के परिदृश्य बार-बार उपस्थित होते रहेंगे। गलत को गलत न मानने की हठ को कैसे स्वीकार्य किया जा सकता है? यह कैसी हठधर्मिता है कि सदन की गरिमा से खिलवाड़ करने वाले सांसदों के निलंबन के बाद विपक्ष यह मानने को तैयार नहीं कि उन्होंने कुछ गलत किया है।

विडम्बनापूर्ण स्थिति तो यह है कि जब सत्तापक्ष सांसदों के निलंबन रद्द करने पर विचार करने को तैयार था तब फिर विपक्ष को भी चाहिए था कि वह अपना हठ त्यागें। यह विपक्ष की हठधर्मिता ही है कि निलंबित सांसद राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश की सद्भावना पहल पर भी झुकने को तैयार नहीं थे। संसद भवन के प्रांगण में धरने पर बैठे विपक्षी सांसदों के लिए जब उप-सभापति सुबह चाय लेकर पहुंचे, तब भी बात नहीं बनी। एक तरह से साबित हो गया कि भारतीय राजनीति में परस्पर विरोध कितना जड़ एवं अव्यावहारिक है। हमारे राजनेता जब टकराव पर उतरते हैं, तो शायद नहीं सोचते कि देश में क्या संदेश जा रहा है। क्या भारतीय राजनीति में आज इतनी शालीनता भी नहीं बची कि अपनी गलती को गलती के रूप में स्वीकार कर आगे ऐसी त्रासद घटनाओं के न होने के लिये संकल्पित हों। पिछले संसद सत्रों की तारीफ होने लगी थी, लेकिन वर्तमान मानसून सत्र पुरानी भलमनसाहत को किनारे रखकर पूर्वाग्रहों से ग्रसित होकर चलने लगा है। इस बार राजनेताओं के बीच पनपा गतिरोध कहां रुकेगा, शायद वही बता सकते हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि हम लोकतांत्रिक आचरण और काबिलीयत को एक स्तर तक भी नहीं उठा सके हैं। संसद के सदस्यों के सदन के भीतर व्यवहार करने और आचरण करने की पूरी नियमावली (मैनुअल) है परन्तु अब तक इसका पालन करने में लगातार कोताही बरती गई है जिसकी वजह से सदन के भीतर कभी-कभी वातावरण असहज, अशालीन एवं असभ्य बनता रहा है। नेता और नायक किसी कारखाने में पैदा करने की चीज नहीं हैं, उनकी काबिलीयत और चरित्र को गढ़ने का काम भी लोकसभा-राज्यसभा ही करती हैं। संविधान की शब्दधाराओं को ही नहीं उसकी भावना को महत्व देने के गुणों का विकास भी यहीं से होता है। बोलने की आजादी का सदुपयोग करना भी यहीं पर सिखाया जा रहा है। भारत का लोकतंत्र दुनिया का आदर्श लोकतंत्र इसलिये है कि यहां जहां विपक्ष को अपनी बात कहने का अधिकार है, वहीं सत्तापक्ष की यह जिम्मेदारी है कि वह उसकी बात सुने। लेकिन यह कैसे संभव है कि कोई एक पक्ष अपनी मनमर्जी करे, जो वह चाहे वही सदन में हो, इस पर अड़ा रहे, यह कैसे संभव है? यदि जबरन विधेयक पास नहीं कराये जाने चाहिए तो उन्हें बलपूर्वक रोका भी नहीं जाना चाहिए। लोकतंत्र में संख्या बल मायने रखता है, इसलिये उसका मान भी रखा जाना चाहिए। विपक्ष यदि कमजोर होता है तो सत्तापक्ष के शासन में अनुचित अड़ंगा लगाता है तो इसे लोकतंत्र को आहत करना ही कहा जायेगा। कृषि विधेयकों के पारित होते समय ऐसा ही दृश्य उपस्थित हुआ। जब सत्तापक्ष एवं विपक्ष दोनों ही किसानों के हित के लिये तत्पर हैं तो किसानों के हितों से जुड़े विधेयकों पर विरोध के बादल क्यों मंडराये? विपक्ष की कृषि विधेयकों से जुड़ी दो मांगें विचारणीय हैं, जिन पर आम-सहमति बननी चाहिए। जिनमें एक मांग है, एक ऐसा कानून बने।

आज का राशिफल

यह राशिफल जन्म राशि पर आधारित है। व्यक्ति के जन्म के समय चंद्रमा जिस राशि पर थे, वही उसकी जन्म राशि होती है। यदि राशि की जानकारी आपको नहीं है तो अपने नामाक्षर से राशिफल देखें।

मेष (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ) : आज भाग्य से कोई नया प्रस्ताव मिल सकता है। सरकारी काम आसानी से बन जाएंगे। अधिकारी सहयोग करेंगे। किसी चैरिटी आदि में धन खर्च करेंगे। मित्रों के साथ पार्टी में जा सकते हैं।

वृषभ (ई,उ,ए,ओ,वा,वी,वू,वे,वो) : सुख-सुविधाओं पर खर्च होगा। व्यक्तिगत मामलों में गलतफहमी को जन्म देने वाली कोई बात हो सकती है। परिवार के साथ पार्टी में जा सकते हैं। कोई नया प्रस्ताव यदि आज मिलता है।

मिथुन (क,की,कू,घ,ङ, छ, के,को, ह) : कार्यों को मन लगाकर पूरा करेंगे। आपकी बढ़ते प्रभाव से कुछ लोगों को परेशानी हो सकती है। आज की गई मेहनत का पूरा फल नहीं मिलेगा। व्यक्तिगत मामलों को सावधानी से हल करें।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो) : किसी योजना का क्रियान्वयन हो जाएगा। अधूरे काम भी किसी न किसी सहयोग से आज पूरे हो जाएंगे। धैर्यपूर्वक निर्णय लेने पड़ेंगे। भाग-दौड़ बनी रहेगी, परंतु यात्रा करना आज ठीक नहीं रहेगा।

सिंह (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे) : परिवार के बड़े सदस्यों की आज्ञा मान कर चलेंगे तो फायदे में रहेंगे। लाभ के एक से अधिक अवसर सामने होंगे। चाहा गया सहयोग नहीं मिलने से काम खुद ही पूरे करने पड़ेंगे। बड़े भाई से लाभ होगा।

कन्या (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो) : आज घर और बाहर दोनों जगह आपके काम की सराहना होगी। काम के घंटे बढ़ जाएंगे अतः पिछले छूटे कामों को पहले पूरा कर लें। अधिकारी वर्ग प्रसन्न रहेगा। विद्यार्थी वर्ग लाभ में रहेगा।

तुला (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते) : आज काम बनने में थोड़ी असुविधा हो सकती है। विरोधियों से सावधान रहना होगा। प्रोपर्टी के खरीदने या बेचने से संबंधी बात हो सकती है। पुराने मित्रों से मुलाकात होने की संभावना है।

वृश्चिक (तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू) : व्यावसायिक कार्यों का विस्तार करने के लिए अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ेगा। सहयोग मिल जाने से थोड़ी आसानी हो जाएगी। व्यक्तिगत संबंधों में सौहार्द्र की भावना बढ़ने से मन प्रसन्न होगा।

धनु (ये, यो, भ, भी, भू, धा, फा, ढा, भे) : आज का दिन महत्वपूर्ण काम करने के लिए नहीं है। निजी समस्याओं को अपने ऊपर हावी न होने दें। परिवार के साथ समय बिताना आवश्यक है, चाहें तो कहीं आउटिंग के लिए जा सकते हैं।

मकर (भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, ग, गी) : आज स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा, परंतु काम फिर भी आसानी से बन जाएंगे। लाभ की कोई नई योजना बनाकर उस पर अमल करेंगे। मित्र विशेष सहयोगी बनकर सामने आएंगे।

कुंभ (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा) : आज घर की बुजुर्ग स्त्री की सलाह काम आएगी, महत्वपूर्ण निर्णय लेते समय उसको नजरअंदाज ना करें। यात्रा करना हित में नहीं रहेगा, बहुत जरूरी हो तो पहले मंदिर जाएं फिर यात्रा करें।

मीन (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची) : आज योग्यता दिखाने का उचित अवसर मिलेगा। लाभ देने वाली छोटी यात्रा की संभावना है। बडी प्रतिस्पर्धा में भी विजयी होंगे। वाहन धीमी गति में चलाएं, अन्य कामों में भी जल्दबाजी ना करें।

गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित किये जाने की पहल

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में गाय को राष्ट्रीय पशु का दर्ज़ा दिया जाने की मांग करते हुए कहा है कि गाय का भारतीय संस्कृति में महत्वपूर्ण स्थान है। गाय को भारत देश में मां के रूप में जाना जाता है और देवताओं की तरह उसकी पूजा होती है। गाय भारत के लिये केवल एक जन्तु नहीं है, बल्कि वह जन-जन की आस्था का केन्द्र है। मां के दूध के बाद केवल गाय के दूध को ही अमृत तुल्य माना गया है। गौवंश संवर्धन देश की जरूरत है। गाय के संरक्षण, संवर्धन का कार्य मात्र किसी एक मत, धर्म, संप्रदाय या सरकार का नहीं है बल्कि गाय भारत की संस्कृति है और संस्कृति को बचाने का काम देश में रहने वाले हर एक नागरिक, चाहे वह किसी भी धर्म की उपासना करने वाला हो, की जिम्मेदारी है। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में जरूरत है गाय के महत्व को समझने की, इसी महत्व को समझते हुए कोर्ट ने कहा कि गाय के संरक्षण को हिंदुओं के मौलिक अधिकार में शामिल किया जाए। कोर्ट की यह दृष्टि एवं जागरूकता भारत संस्कृति का सम्मान है, उसके गौरव की अभिवृद्धि का उपक्रम है। इस सराहनीय पहल के लिये कोई धन्यवाद की पात्र है।

राजनीतिक एवं साम्प्रदायिक आग्रहों एवं स्वार्थों के चलते गौ-हिंसा एवं अत्याचार को जायज नहीं ठहराया जा सकता। इस तरह की धर्म एवं आस्था से जुड़ी भावनाओं में अहिंसा एवं मानवीयता जरूरी है। गाय का संरक्षण पूरी तरह मानवतावादी कृत्य है, उसकी हिंसा किसी भी रूप में स्वीकार्य नहीं है। इन्हीं सन्दर्भों के साथ भारतीय शास्त्रों, पुराणों व धर्मग्रंथ में गाय के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कोर्ट ने कहा कि भारत में विभिन्न धर्मों के नेताओं और शासकों ने भी हमेशा गो संरक्षण की बात की है। भारत के संविधान के अनुच्छेद 48 में भी कहा गया है कि गाय नस्ल को संरक्षित करेगा और दुधारू व भूखे जानवरों सहित गौ हत्या पर रोक लगाएगा। भारत के 29 राज्यों में से 24 में गौ हत्या पर प्रतिबंध है।

गौ हत्या के आरोपी जावेद की जमानत अर्जी नामंजूर करते हुए न्यायमूर्ति शेखर कुमार यादव ने कहा कि सरकार को संसद में बिल लाकर गाय को मौलिक अधिकार में शामिल करते हुए राष्ट्रीय पशु घोषित करना होगा और उन लोगों के विरुद्ध कड़े कानून बनाने होंगे, जो गायों को नुकसान पहुंचाते हैं। कोर्ट ने यह भी कहा कि जब गाय का कल्याण तभी इस देश का कल्याण होगा। गौ-हत्या अराष्ट्रीय एवं अमानवीय कृत्य हैं। गौ हत्या जारी रही तो यह देश के लिए घातक होगा। क्योंकि इस भारत भूमि पर गौ माता को किसी भी तरह का कष्ट देना, देश को अशांत करना है। इसकी अशांति स्वप्न में भी दूर नहीं हो सकती क्योंकि इस राष्ट्र के लोगों को पता ही नहीं कि एक अकेली गाय का आर्तनाद सौ-सौ योजन तक भूमि को श्मशान बना देने में सक्षम है। इसीलिये महात्मा गांधी ने कहा था- गौवध को रोकने का प्रश्न मेरी नजर में भारत की स्वतंत्रता से अधिक महत्वपूर्ण है।

विचार बिन्दु

यह अपेक्षित है कि गौमांस का किसी भी रूप में वैध बूचडखानों तक में नामोनिशान न हो। गौवंश का कारोबार केवल दूध व डेयरी उत्पादन के लिए ही हो। हमें नहीं भूलना चाहिए कि दुग्ध उत्पादन से लेकर डेयरी उद्योग के विभिन्न कार्यों में मुसलमान नागरिक बहुतायत में लगे हुए हैं और उनकी रोजी-रोटी इसी से चलती है। कानून का पालन करना इनका भी पहला धर्म है और गौवंश की रक्षा करने में इन्हें भी अपना योगदान देना होगा और भारत के सुदूर गांवों में कुछ अपवादों को छोड़ कर मुस्लिम नागरिक अपना यह कत्तव्य निभाते भी हैं।

ललित गर्ग

आज जब दुनिया के बहुत से देश अपनी संस्कृति को भुलाते जा रहे हैं और भारतीय संस्कृति हजारों वर्षों के संघर्ष के बाद भी कायम है तो इसके मूल में कहीं न कहीं गाय है। गाय हमारी संस्कृति की प्राण है, चेतना है। प्राचीन काल से ही गाय भारतीय संस्कृति व परंपरा का मूलाधार रही है। गंगा, गोमती, गीता, गोविंद की भांति शास्त्रों में गाय भी अत्यंत पवित्र मानी गई है। गोपालन व गो-सेवा तथा गोदान की हमारी संस्कृति में महान परंपरा रही है। गो-सेवा भी सुख व समृद्धि का एक मार्ग है। वेद-पुराण, स्मृतियां सभी गो-सेवा की उत्कृष्टता से ओत-प्रोत हैं। भारतीय संस्कृति के अनुसार धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष पुरुषार्थों का साधन भी गौमाता ही रही हैं। दरअसल भारत की संस्कृति मूल रूप से गो-संस्कृति कही जाती है। गाय श्रद्धा के साथ-साथ हमारी अर्थव्यवस्था, स्वास्थ्य एवं संस्कृति का प्रमुख आधार है। हिन्दू धर्म में गाय का महत्व इसलिए नहीं रहा कि प्राचीन काल में भारत एक कृषि प्रधान देश था और आज भी है और गाय को अर्थव्यस्था की रीढ़ माना जाता था। भारत जैसे और भी देश है, जो कृषि प्रधान रहे हैं लेकिन वहां गाय को इतना महत्व नहीं मिला जितना भारत में। दरअसल हिन्दू धर्म में गाय के महत्व के कुछ आध्यात्मिक, धार्मिक और चिकित्सीय कारण भी रहे हैं। गाय एकमात्र ऐसा पशु है जिसका सब कुछ सभी की सेवा में काम आता है। गाय का दूध, मूत्र, गोबर के अलावा दूध से निकला घी, दही, छाछ, मक्खन आदि सभी बहुत ही उपयोगी है। वैज्ञानिक कहते हैं कि गाय एकमात्र ऐसा प्राणी है, जो ऑक्सीजन ग्रहण करता है और ऑक्सीजन ही छोड़ता है, जबकि मनुष्य सहित सभी प्राणी ऑक्सीजन लेते और कार्बन डाई ऑक्साइड छोड़ते हैं। पेड़-पौधे इसका ठीक उल्टा करते हैं। आजकल भूमि भी जहरीली होती जा रही है जिससे उसमें उगने वाली वनस्पतियों में विषाक्तता बढ़ती जा रही है। इसके लिए हमें गोबर की खाद का प्रयोग करना होगा, तभी हमारी भूमि बच सकती है। इसके लिए हमें गाय को बचाना होगा। देश में समय-समय पर गौहत्या के विरोध में आन्दोलन हुए हैं। 1967 में गौ-हत्या को लेकर उग्र आन्दोलन हुआ, संसद भवन को साधु-सन्तों ने घेरा था तो पुलिस ने उन पर बल प्रयोग किया था और लाठी-गोलियां भी चलाई थीं। तत्कालीन गृहमन्त्री स्व. गुलजारी लाल नन्दा को इस्तीफा देना पड़ा था। तत्कालीन इन्दिरा सरकार ने भारत की सांस्कृतिक एवं धार्मिक आस्था से जुड़े इस मसले को गंभीरता से नहीं लिया और उन्हें करारी हार का सामना करना पड़ा। अनेक धर्मगुरु एवं शंकराचार्यजी गौवंश के संवर्धन के लिए जीवनपर्यन्त समर्पित रहे और उन्होंने देश के विभिन्न स्थानों पर गौशालाएं व गोचर भूमि सृजन के लिए प्रयास किये। लेकिन वर्तमान में गाय भी राजनीति की शिकार हो गयी है। यही कारण है कि गौ के संरक्षण एवं गौ-उत्पाद को प्रोत्साहन देने की बजाय ऐसी मानसिकताएं तैयार हो रही है, जो गौ-हत्याओं को अंजाम देते हुए राजनीतिक स्वार्थ की रोटियां सेंकते हैं।

यह अपेक्षित है कि गौमांस का किसी भी रूप में वैध बूचडखानों तक में नामोनिशान न हो। गौवंश का कारोबार केवल दूध व डेयरी उत्पादन के लिए ही हो। हमें नहीं भूलना चाहिए कि दुग्ध उत्पादन से लेकर डेयरी उद्योग के विभिन्न कार्यों में मुसलमान नागरिक बहुतायत में लगे हुए हैं और उनकी रोजी-रोटी इसी से चलती है। कानून का पालन करना इनका भी पहला धर्म है और गौवंश की रक्षा करने में इन्हें भी अपना योगदान देना होगा और भारत के सुदूर गांवों में कुछ अपवादों को छोड़ कर मुस्लिम नागरिक अपना यह कत्तव्य निभाते भी हैं। आज राजनीतिक सोच बदल रही है, मतदाता भी बदल रहा है, सब कोई विकास चाहते हैं। हमें भारत को जोड़ना है, हिन्दू-मुसलमान का भेद समाप्त करना है, और इसके लिये जरूरी है कि गाय को लेकर राष्ट्रीय मुख्यधारा को बनाने व सतत प्रवाहित करने की। ऐसा करने में और करोड़ों को उसमें जोड़ने में अनेक महापुरुषों-संतों ने खून-पसीना बहाकर इतिहास लिखा है। क्योंकि इस तरह की मुख्यधारा न तो आयात होती है, न निर्यात। और न ही इसकी परिभाषा किसी शास्त्र में लिखी हुई है। जो देश, काल, स्थिति एवं राष्ट्रहित को देखकर बनती हैं, जिसमें हमारी संस्कृति, विरासत सांस ले सके। इसे हमें कलंकित नहीं होने देना है। कोर्ट ने सही कहा कि हमारे सामने ऐसे कई उदाहरण हैं जब-जब हम अपनी संस्कृति को भूले हैं तब-तब विदेशियों ने हम पर आक्रमण कर गुलाम बनाया है। आज भी हम न चेते तो अफगानिस्तान पर निरंकुश तालिबानियों का आक्रमण और कब्जे को हमें भूलना नहीं चाहिए। विडम्बना है कि हिंदुस्तान की बात नहीं होती, राष्ट्रीयता की बात नहीं होती, ईमान, इंसानियत और इंसान की बात नहीं होती।

पुरूषोत्तम मास के दूसरे शनिवार को इस तरह करें पूजा, शनि देव की बरसने लगेगी कृपा

अधिकमास में भगवान विष्णु के साथ ही अन्य देवताओं की भक्ति करने का भी शास्त्रों में उल्लेख है। पौराणिक ग्रंथों के अनुसार मान्यता है कि अधिकमास में शनिवार के दिन शनि देव की पूजा करने से शनि दोष से मुक्ति प्राप्त होती है। इस दिन शनि देव की पूजा करनी चाहिए एवं व्रत रखना चाहिए। 18 सितम्बर से अधिक मास प्रारंभ हो गया है। अधिकमास को मल मास या पुरूषोत्तम मास भी कहा जाता है। यह अधिकमास भगवान विष्णु की पूजा के लिए खास माना जाता है। इस बार के अधिक मास में विशेष संयोग बन रहें है जो 165 वर्ष बाद बन रहें है। इसमें भगवान श्री विष्णु के साथ ही अन्य देवताओं की भी पूजा कर उन्हें प्रसन्न करना चाहिए। ऐसा करने से आपकी सभी मनोकामनाएं पूरी होने लगती है। अधिकमास का समापन 16 अक्टूबर को होगा। इस दौरान भगवान विष्णु की अनेक रूप में पूजा करनी चाहिए जिससे विशेष फल मिलता है। मल मास का दूसरा शनिवार 26 सितम्बर को आ रहा है। इस दिन भगवान शनि की पूजा करना बहुत ही शुभ माना गया है। हम आपको अधिकमास के शनिवार को शनि देव की किस तरह पूजा करनी चाहिए। इस बारे में बताने जा रहे हैं। अधिकमास में शनिवार का दिन अहम माना गया है। इस दिन शनि की पूजा करने से अनेक प्रकार के लाभ मिलते हैं। शास्त्रों के अनुसार अधिकमास के शनिवार को रूद्राभिषेक करना बहुत ही महत्वपूर्ण बताया गया है। अगर आपको नवग्रहों के द्वारा अशुभ फल प्राप्त हो रहा है तो आपको अधिकमास के शनिवार को उनकी विशेष पूजा करनी चाहिए। अगर आपको शनि की ढैय्या अथवा साढ़ेसाती है तो आपको शनिवार के दिन रूद्राभिषेक करना चाहिए। ऐसा करने से आपके जीवन में किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं रहेगी। साथ ही आपका गृहस्थ जीवन भी शांति के साथ बीतेगा। अधिकमास में जिस तरह भगवान विष्णु की पूजा को काफी महत्वपूर्ण मानी गई है उसी प्रकार अधिकमास के हर शनिवार को शनि देव की पूजा करना भी बहुत महत्वपूर्ण माना गया है। शनिवार का दिन शनि देव का रहता है और वे अधिकमास में की गई पूजा से आशीर्वाद प्रदान करते हैं।

अधिकमास में भगवान विष्णु के साथ ही अन्य देवताओं की भक्ति करने का भी शास्त्रों में उल्लेख है। पौराणिक ग्रंथों के अनुसार मान्यता है कि अधिकमास में शनिवार के दिन शनि देव की पूजा करने से शनि दोष से मुक्ति प्राप्त होती है। इस दिन शनि देव की पूजा करनी चाहिए एवं व्रत रखना चाहिए। जिससे शनि देव की कृपा बनी रहती है। इसलिए अधिकमास के प्रति शनिवार प्रातःकाल उठकर किसी पवित्र नदी में स्नान कर शनि देव के नाम की डुबकी लगाना चाहिए। जिसके बाद भगवान हनुमान व शनि देव की आराधना करते हुए तिल व लौंगयुक्त जल पीपल के पेड़ पर चढ़ाना चाहिए। इसके बार शनिदेव की प्रतिमा के समीप बैठकर उनका ध्यान लगाते हुए मत्रोंच्चारण करना चाहिए। पूजा करने के बाद काले वस्त्र, काली वस्तएं किसी ज़रूरतमंद या गरीब को दान करें। अगर मल मास के अंतिम शनिवार को शनि देव की पूजा के साथ ही साथ हवन व अनुष्ठान किया जाए तो उसका भी विशेष फल प्राप्त होता है। इस तरह से अधिकमास में कि गई शनि देव की पूजा से शनिदोष से मुक्ति मिलती है एवं शनि देव की कृपा बरसने लगती है। हिन्दू धर्म में अधिक मास या मलमास का बहुत ही महत्व है। पौराणिक कथाओं के अनुसार एक समय अधिक मास को लोग मलमास कहने लगे थे। जिससे वे नाराज होकर अपनी इस पीड़ा को लेकर भगवान विष्णु के पास चले गए एवं कहने लगे की अधिक मास का कोई स्वामी नही है इसलिए मलमास कहा जाता है।

आज का इतिहास

26 सितम्बर की महत्त्वपूर्ण घटनाएँ

1087	विलियम द्वितीय इंग्लैड के सम्राट बने।
1777	अमेरिकी क्रांतिः ब्रिटिश सैनिकों का फिलाडेल्फिया पर कब्जा।
1872	न्यूयॉर्क सिटी में पहला मंदिर बना।
1950	संयुक्त राष्ट्र सैनिकों ने उत्तर कोरिया के सैनिकों से सोल को अपने कब्जे में लिया।
1950	इंडोनेशिया ने संयुक्त राष्ट्र की सदस्यता ग्रहण की।
1959	जापान के इतिहास में सबसे शक्तिशाली तूफान 'वेरा' से 4580 लोगों की मौत और 16 लाख लोग बेघर हुए।
1960	अमेरिका में राष्ट्रपति पद के दो उम्मीदवारों जॉन एफ केनेडी और रिचर्ड निक्सन के बीच बहस का पहली बार टेलीविज़न पर प्रसारण।
1984	यूनाइटेड किंगडम हांगकांग को चीन के हवाले करने के लिए सहमत हुआ।
1998	सचिन तेंदुलकर ने जिम्बाब्वे के ख़िलाफ़ एक दिवसीय क्रिकेट मैच में 18वां शतक लगाकर डेसमंड हेन्स का विश्व रिकार्ड तोड़ा।
2001	अमेरिका ने लादेन के बाद कश्मीरी आतंकवादियों से निपटने का भारत को आश्वासन दिया।
2002	फ्रांस ने ईराक पर एकतरफ़ा कार्रवाई का विरोध किया।
2004	अमेरिका ने असैनिक अंतरिक्ष कार्यक्रमों के लिए भारत को तकनीक देने का निर्णय किया।

पाँवों से सिर पर सात-आठ मटके रखकर नाचना भवाई नृत्य की मुख्य विशेषता

विचार बिन्दु

पन्नालाल मेघवाल
वरिष्ठ लेखक एवं स्वतंत्र पत्रकार

भवाई लोक कला में अनेक कथानक जुडे हैं तो केवल इसलिए कि इन्होंने अपनी कला में नृत्य-नाट्य सम्मिलित करने का प्रयास किया है।

राजस्थान में पेशेवर लोक गायकों एवं लोक नृत्यकारों की परंपरागत जातियां पाई जाती थी। भांड, भवाई भाट, नट, सांसी, कंजर, कालबेलिया आदि ऐसे पेशेवर कलाकार थे जो नृत्य गान के माध्यम से अपनी आजीविका कमाते थे। इन कलाकारों के पास जो कला थी। वह एक प्रकार से लोक कला का ही पेशेवर रूप थी। राजस्थान में पेशेवर लोक नृत्यों में भवाई नृत्य अपनी उत्कृष्टता के लिए अत्यधिक लोकप्रिय रहा है। उदयपुर संभाग के एक क्षेत्र में इन नृत्यकारों के समूह बस गये थे, जिन्होंने एक जाति का रूप ले लिया और वे भवाई कहलाए। अन्य पेशेवर लोक कलाकारों की भांति इन भवाई नृत्यकारों ने किसी यजमानी प्रथा का सहारा नहीं लेकर अपने नृत्य को जनसाधारण के मनोरंजन के लिए विकसित किया। भवाई लोक कला में अनेक कथानक जुडे हैं तो केवल इसलिए कि इन्होंने अपनी कला में नृत्य-नाट्य सम्मिलित करने का प्रयास किया है। यह उनकी मनोरंजन के लिए नये आयाम ढूंढने की ललक का परिणाम है। भवाई नृत्य में विभिन्न शारीरिक करतब दिखाने पर अधिक जोर रहता है, जिसमें शरीर का संतुलन दिखाने का प्रयास किया जाता है। इस कार्य में संतुलन के लिए साधना करने की महत्ती आवश्यकता होती है। भवाई लोग मुख्यतया अपने स्वांगों के लिए प्रसिद्ध रहे हैं। ये छतीस कौमों के स्वांग धारण करते थे। इनके द्वारा किये जाने वाले स्वांगों में बोहरा-बोहरी , सूरदास, बाणिया, लोडी-बडी , शंकरिया, कानगुजरी, बाघाजी एवं बीकाजी आदि प्रमुख थे। भवाई नाट्य का माध्यम गीत गद्य और और नृत्य था। इनके नृत्य की मुख्य विशेषताएँ नृत्य अदायगी, शारीरिक क्रियाओं के अद्भुत चमत्कार तथा लयकारी की विविधता थी।अपने अंगों को मरोड कर नाना प्रकार की कसरतें दिखाने में भी ये लोग माहिर होते थे। इन कसरतों में गरूडजी का आसान अडंगनाथ एवं पारसनाथ की मूरत, कछुआ, मछली, मगर, मोर, बंदर एवं सूपडा बनने क्रीडाएँ प्रमुख थीं। जमीन पर बैठकर अपने दोनों पाँवों से सिर पर मटके रखने में भी ये लोग सिद्धहस्त होते थे। व्यंग्य एवं विनोद में पटु ये लोग मौके पर ही आशु भाषा एवं वाक पटुता से दर्शकों को आश्चर्य चकित कर देते थे। अन्य फुटकर खेलों में कमल का फूल, मटकों का नाच, जलती हुई बोतल का नाच, तलवारों का नाच तथा तीन चोट का नाच मुख्य था। इनमें कोई कथा नहीं रहती थी, नृत्य ही प्रमुख रहता था। कमल के फूल में नृत्यकार ढोलक की तीव्र थाप पर चकरी खाता हुआ सात रंग की पगडियों को बिखेरकर कमल का फूल बनाता था। यह फूल डंडी तथा पंखुडियों सहित होता था। लगभग आधे घण्टे तक नृत्यकार की जोरदार चकरी देख दाँतों तले अंगुली दबानी पडती थी। मटकों तथा जलती हुई बोतल का नाच भी बडा कमाल का होता था। पाँवों से सिर पर मटके चढाकर उठना-बठना, चकरियाँ लेना तथा बैठकें लगाना आदि ऐसे करतब है जिन्हें भवाई कलाकार ही कर सकते है। तीन चोट में भाला, तलवार तथा बंदूक की तीनों चोटे एक साथ दिखाई जाती थी। नृत्य करते हुए ताल के मान पर ऊपर आकाश में भाला फेंकना, भाला फेंकते ही तुरन्त म्यान से तलवार निकालना और तुरन्त ही बंदूक को दागकर ढोलक के सम पर पुनः भाला झेलना हर किसी के बस का काम नहीं था। भवाई बचपन से ही यह कला सीख जाते थे। उन्हें किसी प्रकार के विशेष प्रशिक्षण की आवश्यकता नहीं होती थी। इनके प्रदर्शनों में इनकी स्त्रियाँ भाग नहीं लेती थीं। स्त्री पात्रों की भूमिका पुरूष ही निभाते थे। स्त्री पात्रों की भूमिका निभाने वाले पुरूष बाल बडे रखते थे तथा पात्र के अनुरूप ऐसे वस्त्राभूषण धारण करते थे जिससे जनता यह समझ भी नहीं पाती थी कि यह पुरूष है। जनता यही समझती है कि पुरूषों के साथ स्त्रियाँ भी नृत्य कर रही है। वस्तुतः भवाई गाँवों में रहकर गाँवों में ही अपनी कला का प्रदर्शन करते थे। इसके पीछे उनकी जीविकोपार्जन का रहस्य जुडा हुआ था, लेकिन बदलते परिवेश में अब इस कार्य में अधिक आकर्षण नहीं रहने के कारण मूल भवाई इस कला को छोडते जा रहे है जबकि शहरी लोग शौकिया इस कला को सीख रहे हैं। शौकियाना सीखने वालों में अब शहरी पुरूष एवं महिलाएं भी सम्मिलित हो गई है। सिर पर सात-आठ मटके रखकर नृत्य करना, जमीन से मुँह से रूमाल उठाना, गिलासों पर नाचना, थाली के किनारों पर नृत्य करना, तलवारों की धार पर नृत्य करना, धधकते अंगारों पर नृत्य करना, काँच के टुकडों पर नृत्य करना आदि इसकी विशेषता है। यह नृत्य लगभग लोक गीतों पर ही आधारित है। अब भवाई लोक नृत्य कुछ बालिकाओं, महिलाओं, पुरुषों द्वारा शौकियाना अथवा पेशेवर किया जाता है।

मधुमेह रोगियों को लेना चाहिए योग का सहारा

हैल्थ संवाददाता

भारत में आज लगभग हर घर में आपको कोई न कोई मधुमेह का रोगी मिल ही जाएगा। वैसे तो आमतौर पर लोग इस बीमारी को कोई खास तवज्जो नहीं देते लेकिन एक बार इस बीमारी की जद में आ जाने के बाद इससे छुटकारा पाना बेहद मुश्किल हो जाता है। साथ ही यह एक ऐसी बीमारी है कि जिसके बाद मनुष्य को बहुत सी चीजों से किनारा करना पड़ता है। इतना ही नहीं, कुछ समय पहले तक जहां यह एक उम्र के बाद ही लोगों को अपनी चपेट में लेता था, वहीं गलत खान-पान व जीवनशैली के कारण वर्तमान में कम उम्र के लोग भी इससे पीड़ित हो रहे हैं। ऐसे में यह बेहद आवश्यक है कि कुछ ऐसे उपाय किए जाएं, जिससे आपका शुगर कंट्रोल में रहे। मधुमेह को नियंत्रित रखने में योग आपके काफी काम आ सकता है। तो आईए जानते हैं मधुमेह को कंट्रोल करने वाले कुछ योगासनों के बारे में-

पश्चिमोत्तानासन- इस आसन से शरीर का पाचनतंत्र मजबूत होता है और शरीर में रक्त का संचार तेजी से होता है, जिससे व्यक्ति को डायबिटीज से लड़ने में आसानी होती है। यह आसन करने के लिए पैर सीधे फैलाकर बैठ जाएं। फिर दोनों हाथों को ऊपर उठाएं और सांस भरते हुए पैरों के तलवे को पकड़ने की कोशिश करें। घुटने से माथा सटना चाहिए। फिर सांस छोड़ते हुए हाथ ऊपर करके सामान्य हो जाएं। इस प्रक्रिया को दो से तीन पर बार दोहराएं।

सर्वांगासन: यह शरीर का संपूर्ण व्यायाम है। इसे करने से थॉयराइड और पैराथॉयराइड ग्रंथियों को मजबूती मिलती है। इसे करने के पहले सीधे लेट जाएं, फिर पैरों को धीरे-धीरे उठाते हुए 90 डिग्री का कोण बनाएं। हाथों से कमर को सहारा दें। इस आसन में शरीर का सारा भार गर्दन पर पड़ना चाहिए। पैरों को सीधा रखें।

अर्ध मत्स्येन्द्रासन: यह आसन यकृत व मूत्राशय को सक्रिय बनाता है। जिन लोगों के शरीर के भीतर इंसुलिन का उत्पादन नहीं होता या जिन्हें मधुमेह की बीमारी होती है, यह अभ्यास उनके शरीर में अग्नाशय को सक्रिय बनाकर इंसुलिन के उत्पादन में सहयोग देता है, इसलिए यह मधुमेह के उपचार के लिए रामबाण दवा है। इस आसन को करने के लिए सबसे पहले सामने की ओर दोनों पैरों को फैलाकर बैठ जाएं। अब दाहिने पैर को मोड़ते हुए बाएं घुटने के बगल में बाहर की ओर रखें। इसके बाद बाएं को दाहिने ओर मोडिए। एडी दाहिने नितम्ब के पास रहें। बाएं हाथ को दाहिने पैर के बाहर की ओर रखते हुए दाहिने पैर के टखने या अंगूठे को पकड़ें। दाहिना हाथ पीछे की ओर कमर में लपेटते हुए शरीर को दाहिनी ओर मोडें। अंतिम अवस्था में पीठ को अधिक से अधिक मोड़ने की कोशिश करें। एक मिनट इस अवस्था में रूकने के बाद धीरे-धीरे सामान्य अवस्था में आ जाएं। अब इसी क्रिया को विपरीत दिशा में करें। गर्भावस्था के दौरान व हृद्य रोगियों को यह आसन नहीं करना चाहिए।

प्राणायाम: प्राणायाम मधुमेह के रोगियों के लिए बहुत फायदेमंद होता है। खासतौर से, भ्रामरी और भ्रस्त्रिका प्रणायाम तो डायबिटिक लोगों को जरूर करना चाहिए। इनके नियमित अभ्यास से स्ट्रेस लेवल कम होता है और शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ती है। भ्रामरी प्राणायाम करने के लिए पद्मासन में बैठ जाएं। अंगूठे से कान बंद करें और ऊपर की तीन उंगलियों को आंखों पर रखें। अब गहरी सांस लेते हुए गले से उच्चारण करें। भस्त्रिका प्रणायाम के लिए पद्मासन में बैठ जाएं। गहरी सांस लें और उसे जल्दी-जल्दी छोड़ें। इस प्रक्रिया में मुंह बंद रखें और सांस की सारी प्रक्रिया नाक से ही करें।

सूर्य नमस्कार: अगर आपके पास सभी आसनों को करने का पूरा समय नहीं है तो रोज दो से तीन बार सूर्य नमस्कार अवश्य करें। सिर्फ इस आसन को करने से भी आप काफी हद तक इस रोग को नियंत्रित कर सकेंगे। इससे श्वास, पेट और प्रतिरोधी क्षमता को लाभ पहुंचता है।

इन बातों का रखें ख्याल

अगर आप योग द्वारा मधुमेह का उपचार कर रही हैं तो कुछ बातों का ध्यान अवश्य रखें। सर्वप्रथम हमेशा खाली पेट ही योग क्रिया करें। साथ ही ढीले, हल्के व आरामदायक वस्त्र पहनकर ही योग करें। ऐसा जरूरी नहीं है कि आप सभी योगासन करें लेकिन जो भी करें, उसे सही ढंग से करें। साथ ही इसे चंद दिनों की चांदनी न बनाएं बल्कि जीवनपर्यन्त हमेशा करने की आदत डालिए। योगासन के अतिरिक्त अगर संभव हो तो सप्ताह में एक दिन नेती क्रिया या कुंजल क्रिया अवश्य करें। इन क्रियाओं को शुरूआत में किसी विशेषज्ञ की देख-रेख में ही करें।

'पपीते का रस वाकई है डेंगी की कारगर दवा'

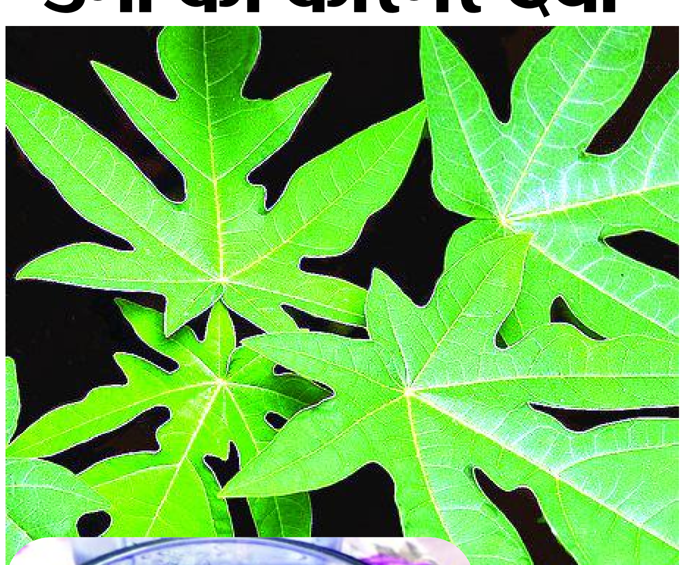

डेंगी के मरीजों को पपीते के पत्ते से फायदा होता है या नहीं अभी इस पर सवालिया निशान हैं, लेकिन श्रीलंकाई वैज्ञानिकों की रिसर्च को ब्रिटिश मेडिकल जर्नल ने पब्लिश कर इसके यूज करने के तरीके पर गाइडलाइन जारी की है। जर्नल की इस स्टडी के अनुसार, पपीते के पत्ते से डेंगी के मरीजों में बुखार के पहले दिन से ही फायदा होता है। साथ ही, यह भी कहा गया है कि अभी तक जितनी भी स्टडी हुई है, किसी में इसके साइड इफेक्ट की बात सामने नहीं आई है। लेकिन, अभी तक न तो डब्ल्यूएचओ ने इसे रिकमंड किया है और न ही नैशनल गाइडलाइन में इसे शामिल किया गया है। इस रिसर्च पेपर का हवाला देते हुए गंगाराम अस्पताल के डॉक्टर प्रत्युष कुमार ने कहा कि पपीते के पत्ते के कई फायदे बताए गए हैं, जैसे- यह डेंगी फीवर के ड्यूरेशन को कम करता है, अस्पताल में मरीज के ठहराव को कम करता है, बॉडी से फ्ल्यूड लीक नहीं होने देता और वाइट ब्लड सेल्स और प्लेटलेट्स की संख्या को बढ़ाता है। डॉक्टर ने बताया कि इस स्टडी में यह भी कहा गया है कि बुखार कन्फर्म होने के पहले दिन से ही पपीते के पत्ते का रस दिया जा सकता है। हालांकि, यह रस कभी भी इस्तेमाल किया जा सकता है, क्योंकि अभी तक इसका कोई साइड इफेक्ट नहीं देखा गया है। रिसर्च पेपर में कहा गया है कि अगर किसी को डेंगी पकड़ में आया है तो उसे तुरंत ऐलोपैथिक डॉक्टर से इलाज शुरू कराना चाहिए और पपीते के पत्ते का इस्तेमाल अलग से डेंगी मैनेजमेंट के लिए किया जा सकता है। पत्ते का जूस कभी भी किसी भी स्टेज में दिया जा सकता है। लेकिन, बुखार आने के पहले दिन से देने पर इसका फायदा बहुत ज्यादा होता है। इसमें कहा गया है कि यह जूस एक अडल्ट को 30 एमएल दिन में तीन बार दिया जाना चाहिए और बच्चों को 5 से 10 एमएल दिन में तीन बार दें। हालांकि इसमें यह भी कहा गया है कि जूस पीने के बाद एक घूंट पानी पी सकते हैं, ताकि इसका कड़वा टेस्ट खत्म हो जाए।

ऐसे तैयार करें पपीते का जूस

इस गाइडलाइन में जूस बनाने का तरीका भी बताया गया है। इसके मुताबिक सबसे पहले हेल्दी और फ्रेश पपीते के पत्ते को लें। इसे अच्छी तरह से धो लें और चॉप कर दें, इसके बाद 50 ग्राम पत्ते लें, इसमें 50 एमएल पानी (पानी गर्म करके ठंडा कर लें) और 25 ग्राम चीनी मिलाएं। इसे 15 मिनट तक मिक्स करें। मिक्स होने के बाद इसे 30 मिनट तक छोड़ दें, इसके बाद इससे जूस निकाल लें। जूस निकालने के लिए हाथों का ही यूज करें। इसके बाद यह जूस डेंगू मरीज को पिलाएं। एक बार तैयार किए गए जूस को 24 घंटे तक फ्रिज में रख सकते हैं।

दिव्य औषधीय गुणों से भरपूर है करेला

हैल्थ संवाददाता

लेटिन में मोर्डिका तथा अंग्रेजी में बिटर गॉर्ड के नाम से पुकारा जाने वाला करेला बेल पर लगने वाली सब्जी है। इसका रंग हरा होता है इसकी सतह पर उभरे हुए दाने होते हैं। इसके अंदर बीज होते हैं। यह अपने स्वाद के कारण काफी प्रसिद्ध है। इसका स्वाद बहुत कडुवा होता है इसलिए प्रायः कडुवे (बुरे) स्वभाव वाले व्यक्ति की तुलना करेले से कर दी जाती है। एक अच्छी सब्जी होने के साथ-साथ करेले में दिव्य औषधीय गुण भी होते हैं। यह दो प्रकार का होता है बड़ा तथा छोटा करेला। बड़ा करेला गर्मियों के मौसम में पैदा होता है जबकि छोटा करेला बरसात के मौसम में। चूंकि इसका स्वाद बहुत कडुवा होता है इसलिए अधिकांश लोग इसकी सब्जी को पसंद नहीं करते। इसके कड़वेपन को दूर करने के लिए इसे नमक लगाकर कुछ समय तक रखा जाता है।

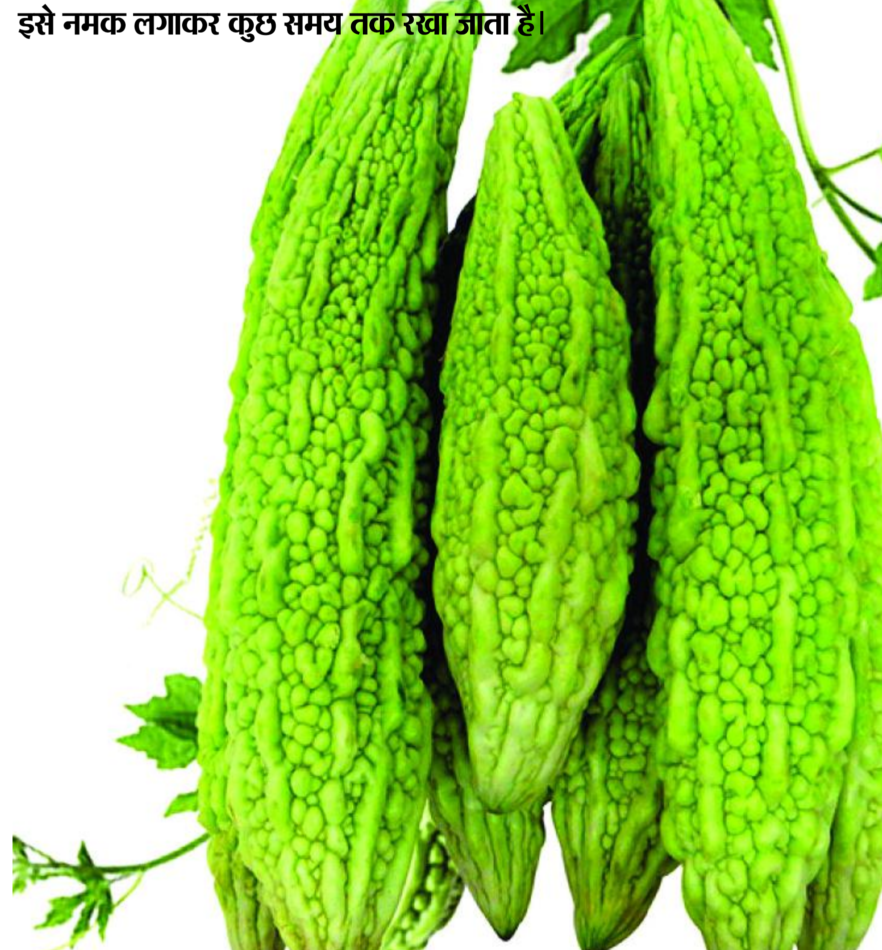

करेला में पोषक तत्व

करेले की तासीर ठंडी होती है। यह पचने में हल्का होता है। यह शरीर में वायु को बढ़ाकर पाचन क्रिया को प्रदीप्त कर, पेट साफ करता है। प्रति 100 ग्राम करेले में लगभग 92 ग्राम नमी होती है। साथ ही इसमें लगभग 4 ग्राम कार्बोहाइट्रेट, 1.5 ग्राम प्रोटीन, 20 मिलीग्राम कैल्शियम, 70 मिलीग्राम फास्फोरस, 1.8 मिलीग्राम आयरन तथा बहुत थोड़ी मात्रा में वसा भी होता है। इसमें विटामिन ए तथा विटामिन सी भी होता है जिनकी मात्रा प्रति 100 ग्राम में क्रमश: 126 मिलीग्राम तथा 88 मिलीग्राम होती है।

गर्मियों के लिए अच्छा है करेला

नमी अधिक तथा वसा कम मात्रा में होने के कारण यह गर्मियों के लिए बहुत अच्छा है। इसके प्रयोग से त्वचा साफ होती है और किसी प्रकार के फोड़े-फुन्सी नहीं होते। यह भूख बढ़ाता है, मल को शरीर से बाहर निकालता है। मूत्र मार्ग को भी यह साफ रखता है। इसमें विटामिन ए अधिक होने के कारण यह आखों की रोशनी के लिए बहुत अच्छा होता है। रतौंधी होने पर इसके पत्तों के रस का लेप थोड़ी-सी काली मिर्च मिलाकर लगाना चाहिए। इस रोग के कारण रोगी को रात में कुछ भी दिखाई नहीं पड़ता। विटामिन सी की अधिकता के कारण यह शरीर में नमी बनाए रखता है और बुखार होने की स्थित मिं बहुत लाभकारी होता है। करेले की सब्जी खाने से कभी कब्ज नहीं होती यदि किसी व्यक्ति को पहले से कब्ज हो तो वह भी दूर ही जाती है। इससे एसीडिटी, छाती में जलन और खट्टी डकारों की शिकायत भी दूर हो जाती है।

बुखार में कारगर है करेला

बढ़े हुए यकृत, प्लीहा तथा मलेरिया बुखार में यह बहुत फायदेमंद सिद्ध होता है। इसके लिए रोगी को करेले के पत्तों या कच्चे करेले को पीसकर पानी में मिलाकर पिलाया जाता है। यह इस दिन में कम से कम तीन बार पिलाना चाहिए। कच्चा करेला पीसकर पिलाने से पीलिया भी ठीक हो जाता है। रस निकालने से पहले पत्तों या करेले को ठीक से रगड़कर धोना जरूरी होता है क्योंकि आजकल फल सब्जियों को रोगों तथा कीड़ों से बचाने के लिए अनेक रसायन छिड़के जाते हैं जो हमारे शरीर के लिए हानिकारक होते हैं। जोड़ों के दर्द तथा गठिया रोग में करेले की सब्जी बिना कडुवापन दूर किए दिन में तीनों समय अर्थात सुबह नाश्ते में और फिर दोपहर तथा रात्रि के भोजन में खाई जानी चाहिए। फोड़े-फुन्सी तथा रक्त विकार में करेले का रस लाभकारी होता है। इन पर करेले के पत्तों का लेप भी किया जा सकता है। करेले का रस निकालते समय यह ध्यान रखें कि यह बहुत ज्यादा पतला न हो और उसे साफ बर्तन में निकाला जाए।

कुष्टरोग में करेला है रामबाण

त्वचीय रोग, कुष्ठ रोग तथा बवासीर में करेले को मिक्सी में पीसकर प्रभावित स्थान पर हल्के-हल्के हाथों से लेप लगाना चाहिए। यह लेप नियमित रूप से रात को सोने से पहले लगाएं। जब तक इच्छित लाभ न हो लेप लगाना जारी रखना चाहिए। करेले के रस की एक चम्मच मात्रा में शक्कर मिलाकर पीने से खूनी बवासीर में लाभ होता है। यह शरीर में उत्पन्न टॉकसिन्स तथा उपस्थित अनावश्यक वसा को दूर करता है अत: यह मोटापा दूर करने में भी विशेष रूप से सहायक होता है।

जिस स्त्री को मासिक स्राव बहुत कठिन तथा दर्द भरा हो तो उसे भी करेले के रस का सेवन करना चाहिए। इसका सेवन गर्भवती स्त्रियों में दूध की मात्रा भी बढ़ाता है।

आयुर्वेद में हैं स्मरण शक्ति बढ़ाने वाली कई जड़ी बूटियाँ

स्मरण शक्ति का हमारे जीवन में क्या महत्व है इससे हम सभी परिचित हैं। दरअसल स्मरण शक्ति ही हमारे जीवन की दिशा निर्धारित करती है। अच्छी स्मरण शक्ति जीवन के हर क्षेत्र में आगे बढ़ने में सहायक सिद्ध होती है। रोजमर्रा के जीवन में भी अनेक कार्य ऐसे होते हैं जो हम अपनी स्मरण शक्ति के आधार पर ही करते हैं। यदि यही स्मरण शक्ति क्षीण हो जाए तो निश्चय ही हम स्वयं को असहाय स्थिति में पाएंगे। तनाव एक ऐसा कारक है जो स्मरण शक्ति को कमजोर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। प्राय: तनावग्रस्त व्यक्ति ही तथ्यों को ठीक से याद नहीं रख पाते इसके अतिरिक्त गहरी दिमागी चोट, कोई घातक रोग या किसी शोक में पड़ने के कारण भी स्मरण शक्ति कमजोर पड़ जाती है। नशीले पदार्थों का ज्यादा मात्रा में लगातार सेवन करने से भी स्मरण शक्ति क्षीण होने लगती है। स्मरण शक्ति का प्रभाव उम्र से भी संबंधित होता है किशोरावस्था तथा नौजवानी में स्मरण शक्ति तेज होती है। बढ़ती उम्र के साथ-साथ स्मरण शक्ति भी घटती जाती है। जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में सफलता के लिए अच्छी स्मरण शक्ति का खासा महत्व है इसलिए अच्छी स्मरण शक्ति की नींव बचपन से ही डाली जानी चाहिए। यदि बचपन से ही इस बात का ख्याल रखा जाए कि बच्चे की स्मरण शक्ति तेज हो तो आगे चलकर वह कुशाग्र बुद्धि वाला बनता है। आयुर्वेद में अनेक ऐसी जड़ी-बूटियां हैं जिनका प्रयोग स्मरण शक्ति को तेज करने के लिए प्राचीन काल से ही किया जा रहा है। एक से तीन वर्ष तक के बच्चों को ब्राह्मी तथा शंखपुष्पी का शरबत नियमित रूप से देना चाहिए। इनके प्रयोग से बच्चे हृष्ट-पुष्ट तथा कुशाग्र बुद्धि वाले बनते हैं। इसके अतिरिक्त बेल का शरबत भी मस्तिष्क को पुष्ट करता है। ब्राह्मी का शरबत बनाने के लिए 50 ग्राम ब्राह्मी के पत्ते लेकर कैंची से काटकर साफ कर लें। बाद में उसे पीस कर उबालें जब तक कि अधिकांश पानी वाष्पित न हो जाए। जब यह पानी केवल 250 ग्राम रह जाए तो उसमें लगभग 500 ग्राम चीनी डालकर दो तार की चाशनी होने तक पका लें। इसी प्रकार शंखपुष्पी का शरबत भी बनाया जा सकता है। शंखपुष्पी के फूल बाजार में आसानी से मिल जाते हैं। देखने में ये शंख जैसे लगते हैं। तीन वर्ष तक के बच्चों को इस शरबत की एक चम्मच मात्रा सुबह और इतनी ही मात्रा शाम को दी जा सकती है। इससे बच्चों के व्यक्तित्व का समग्र विकास होता है। आंवले, गाजर तथा सेब के मुरब्बे को एक साथ मिक्सी में पीसकर चटनी बना लें। बाद में इस चटनी में 5-5 ग्राम ब्राह्मी, शंखपुष्पी तथा जटामांसी का चूर्ण मिला लें। लगभग 10 ग्राम छोटी इलायची भी पीस कर इसमें मिला लें। इस चटनी को किसी साफ-सुथरे मर्तबान में संग्रहित कर लें। तीन से आठ वर्ष तक के बच्चों को यह चटनी दिन में तीन बार सुबह, दोपहर तथा शाम को आधी से एक चम्मच दें। इससे बच्चों की स्मरण शक्ति बढ़ती है। आठ से बीस वर्ष तक के बच्चों को एक अवलेह दिया जा सकता है। जिससे स्मरण शक्ति तेज होती है। इस अवलेह को बनाने के लिए कागजी बादाम की गिरी, अखरोट की गिरी, कच्चे चिलगोजे की 100-100 ग्राम मात्रा तथा 100 ग्राम चारों मगज (खरबूजा, तरबूज, खीरा तथा घीया) को मिलाकर ऑवले का पिसा हुआ मुरब्बा मिला लें। बाद में इस मिश्रण में ब्राह्मी शंख पुष्पी तथा जटांमासी का 10-10 ग्राम चूर्ण तथा छोटी इलायची का 20 ग्राम चूर्ण मिला ले। इस अवलेह को साफ मर्तबान में भरकर रखें। इस मिश्रण की एक-एक चम्मच मात्रा सुबह-शाम लें। इसे गुनगुने दूध के साथ भी लिया जा सकता है। इसके सेवन से स्मरण शक्ति तो दुरुस्त रहती है साथ ही यह हृदय, नेत्र तथा दांतों को भी पुष्ट करता है। बच्चों को भोजन के बाद मौसम के अनुसार यदि गाजर, घीया या फूल मखाने की खीर दी जाए तो इससे भी शरीर एवं मस्तिष्क स्वस्थ रहता है। कमलगट्टे के हलुए का सेवन सभी उम्र के लोग कर सकते हैं। मस्तिष्क के लिए यह अमृत के समान होता है। इसे बनाने के लिए कमलगट्टे के बीज निकालकर उसका छिलका उतार लें। इसका हरा भाग हटा दें। इसे पीसकर शुद्ध घी में गुलाबी होने तक भून लें बाद में इसमें चीनी तथा पिसी इलायची मिला लें। यह हलुआ शरीर को निरोग बनाए रखने में भी मदद देता है।

दिल्ली रणजी : कोहली और पंत को 84 सदस्यीय सूची में मिली जगह, खेलना तय नहीं

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली और आक्रामक विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत को दिल्ली की रणजी ट्रॉफी टीम के संभावित खिलाड़ियों की 84 सदस्यीय विशाल सूची में जगह मिली है। लेकिन इन दोनों के पूरे सत्र के दौरान टीम की ओर से लाल गेंद के किसी मुकाबले के लिए उपलब्ध रहने की संभावना नहीं है। अनुभवी तेज गेंदबाज इशांत शर्मा को हालांकि इस सूची में जगह नहीं मिली है। देश के सबसे तेज गेंदबाज मयंक यादव और भारतीय टीम में जगह बनाने के एक अन्य दावेदार हर्षित राणा संभावित खिलाड़ियों में शामिल हैं।

12 साल पहले खेले थे कोहली

कोहली ने दिल्ली के लिए पिछली बार 2012 में गाजियाबाद में उत्तर प्रदेश के खिलाफ रणजी ट्रॉफी मैच खेला था जबकि पंत पिछली बार टीम की ओर से लाल गेंद का मुकाबला कोविड-19 महामारी की शुरुआत से पहले खेले थे।

इशांत योजनाओं में नहीं

सौ टेस्ट खेलने वाले 35 वर्षीय इशांत के मामले में यह समझा जाता है कि उनके रणजी ट्रॉफी खेलने का कोई मतलब नहीं है क्योंकि अब वह राष्ट्रीय टीम की योजनाओं में शामिल नहीं हैं। इशांत पहली दिल्ली प्रीमियर लीग में भी नहीं खेले थे लेकिन यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या वह सैयद मुश्ताक अली टी20 टूर्नामेंट के लिए खुद को उपलब्ध कराते हैं या नहीं। यह टी20 टूर्नामेंट आईपीएल नीलामी से ठीक पहले आयोजित किया जाएगा। उनके प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से संन्यास की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता।

रफ्तार के जादूगर मयंक पर नजर

सभी की निगाहें मयंक पर होंगी जिन्होंने पेट की मांसपेशियों में खिंचाव के कारण बाहर होने से पहले आईपीएल में 150 किमी प्रति घंटा से अधिक की रफ्तार से गेंदबाजी करके सभी का ध्यान खींचा था। मयंक के पास अब बीसीसीआई का तेज गेंदबाजों का अनुबंध है और वह पिछले पांच महीनों से राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में हैं। वह अब सिमुलेशन में प्रतिदिन कम से कम 15 ओवर गेंदबाजी कर रहे हैं। उम्मीद है कि वह दिल्ली के लिए खेलेंगे क्योंकि राष्ट्रीय चयनकर्ता ऑस्ट्रेलिया के लिए भारत ए टीम का चयन करेंगे और अगर वह फिट हैं तो वह उस टीम में जगह बनाने के दावेदार होंगे।

पंत की टेस्ट में बढ़ी धमक, रोहित और कोहली खिसके

दुबई। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने वापसी टेस्ट में शानदार शतक की बदौलत बुधवार को जारी आईसीसी रैंकिंग में छठे स्थान पर प्रवेश किया लेकिन भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली तालिका में खिसक गए। पंत (731 रेटिंग अंक) ने चेन्नई बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैच की श्रृंखला के पहले मैच में शतक जड़ा था। वह बल्लेबाजों की रैंकिंग में छठे जबकि सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल (751) टेस्ट मैच की पहली पारी में अर्धशतक की बदौलत पांचवें स्थान पर पहुंच गए। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने हालांकि शीर्ष 10 में अपना स्थान बरकरार रखा है लेकिन वह पांच स्थान खिसक गए हैं और 10वें स्थान पर बने हुए हैं। उनके 716 रेटिंग अंक हैं।

टेस्ट रैंकिंग : शीर्ष 10 में बनाई जगह, छठे स्थान पर किया प्रवेश

श्रीलंकाई क्रिकेटरों को फायदा

गॉल में श्रीलंका और न्यूजीलैंड टेस्ट में शीर्ष 10 गेंदबाजी रैंकिंग में बदलाव हुआ है जिसमें प्रभात जयसूर्या ने नौ विकेट झटककर खेल के सर्वश्रेष्ठ स्पिनर के तौर पर खुद को साबित करते हुए पांच पायदान की छलांग लगाई और आठवें स्थान पर पहुंच गए। जयसूर्या (743 अंक) श्रीलंका के तीनों प्रारूपों में सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग वाले खिलाड़ी हैं और उन्होंने असिथा फर्नांडो (700) को पछाड़ा जो दो पायदान खिसककर 13वें स्थान पर पहुंचे। बल्लेबाजी रैंकिंग में कामिंदु मेंडिस 16वें और धनंजय डि सिल्वा आल राउंडर रैंकिंग में 18वें स्थान पर काबिज हो गए हैं।

खबर संक्षेप

खुद को परखने का मौका : हरमनप्रीत

नई दिल्ली। भारतीय हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने मंगलवार को कहा कि वह जर्मनी के खिलाफ दो मैचों की द्विपक्षीय श्रृंखला का इंतजार कर रहे हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि 23 और 24 अक्टूबर को होने वाले मैच से उनकी टीम को खुद को परखने का मौका मिलेगा और इससे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के लोगों में इस खेल के प्रति भावना को पुनर्जीवित करने में मदद मिलेगी। यह दोनों मैच मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में खेले जाएंगे। इससे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में एक दशक के बाद पुरुषों की अंतरराष्ट्रीय हॉकी की वापसी होगी।

सफेद गेंद की क्रिकेट में वापसी को तैयार

चेस्टर ली स्ट्रीट। इंग्लैंड की टेस्ट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स ने कहा है कि ब्रेंडन मैकुलम का टेस्ट के साथ-साथ सीमित ओवरों की

क्रिकेट टीम का कोच बनने के बाद वह एक दिवसीय और टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करने के लिए तैयार हैं। स्टोक्स ने कहा, 'अगर मुझसे पूछा जाता है कि क्या मैं खेलना चाहता हूं तो निश्चित तौर पर मेरा जवाब हां होगा।' स्टोक्स ने 2019 में वनडे विश्व कप और 2022 में टी20 विश्व कप के फाइनल में इंग्लैंड की तरफ से मैच विजेता पारियां खेली थी। पिछले साल भारत में खेले गए वनडे विश्व कप में भाग लेने के लिए उन्होंने संन्यास से वापसी की थी।

भारत करेगा मलेशिया के खिलाफ मेजबानी

नई दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ ने बुधवार को घोषणा की कि भारत 19 नवंबर को मलेशिया के खिलाफ फीफा मैत्री

मैच की मेजबानी करेगा। हालांकि एआईएफएफ ने अभी मैच के आयोजन स्थल पर कोई फैसला नहीं किया है और कहा कि इसकी घोषणा बाद में की जायेगी। मलेशिया वर्तमान में फीफा रैंकिंग में 132वें जबकि भारत 126वें स्थान पर है। दोनों टीमों की पिछली भिड़ंत अक्टूबर 2023 में हुई थी जिसमें भारत को 2-4 से हार मिली थी।

शाकिब चयन के लिए उपलब्ध रहेंगे : कोच

कानपुर। बांग्लादेश के मुख्य कोच चंडिका हथुरुसिंघे ने शुरूआती टेस्ट में शाकिब अल हसन को लगी चोट के कारण उनकी

फिटनेस संबंधित चिंताओं को दरकिनार करते हुए बुधवार को कहा कि वह भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए उपलब्ध हैं। शाकिब को चेन्नई में शुरूआती मैच के दौरान भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का सामना करते हुए उंगली में चोट लग गई थी। 37 वर्षीय स्पिन ऑलराउंडर को गेंदबाजी के लिए भी काफी देर से लगाया गया था।

ला लिगा : लगातार 5वें मैच में किया छठा गोल

एम्बाप्पे ने फिर दागा गोल, रियल मैड्रिड लगातार 39 मैचों से अजेय

एजेंसी ▶▶| मैड्रिड

किलियन एम्बाप्पे ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए पिछले पांच मैच में अपना छठा गोल दागा जिससे रियल मैड्रिड ने स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा में अलावेस को 3-2 से हराया। एम्बाप्पे को खेल के 40वें मिनट में बॉक्स के अंदर गेंद मिली और उन्होंने एक डिफेंडर को छकाकर बड़ी खूबसूरती से उसे गोल में बदल दिया। एम्बाप्पे को मांसपेशियों में खिंचाव के कारण 80वें मिनट में मैदान छोड़ना पड़ा था। लुकास वाज़क्वेज़ और रोड्रिगो ने भी मैड्रिड की तरफ से गोल किए। इससे मैड्रिड ने स्पेनिश लीग में अपने अजेय अभियान को 39 मैच तक पहुंचा दिया है। इसमें पिछले सत्र की 29 जीत और 10 ड्रॉ भी शामिल हैं। अलावेस ने 85वें मिनट में कार्लोस बेनाविदेज़ और 86वें मिनट में किके गार्सिया के गोल की मदद से वापसी की अच्छी कोशिश की लेकिन अंतिम क्षणों में कुछ अच्छे मौके मिलने के बावजूद वह बराबरी नहीं कर पाया।

लेवांडोव्स्की से एक गोल पीछे

एम्बाप्पे के अब मैड्रिड के साथ सभी प्रतियोगिताओं में नौ मैचों में सात गोल हो गए हैं। स्पेनिश लीग में उनके नाम पांच गोल हैं और वह बार्सिलोना के रॉबर्ट लेवांडोव्स्की से एक गोल पीछे हैं। एक अन्य मैच में सेविला ने अपने घरेलू मैदान पर वलाडोलिड को 2-1 से हराया।

लीग कप : जीता मैनचेस्टर सिटी

मैनचेस्टर। आर्सेनल के खिलाफ प्रीमियर लीग में कड़ा मुकबला खेलने के दो दिन बाद मैनचेस्टर सिटी ने टीम में काफी बदलाव करने के बावजूद एतिहाद स्टेडियम में इंग्लिश लीग कप के तीसरे दौर में वॉटफोर्ड को 2-1 से हरा दिया। सिटी की इस जीत के नायक जेरेमी डोकू (पांचवें मिनट) और मैथियूस न्यून्स (38वें मिनट) रहे जिन्होंने पहले हाफ में ही अपनी टीम को दो गोल की बढ़त दिला दी थी। वॉटफोर्ड के लिए टॉम इन्स ने 86वें मिनट में एकमात्र गोल किया।

चेल्सी के नकुंकू ने लगाई हैट्रिक

चेल्सी ने बैरो को 5-0 के बड़े अंतर से हराया जिसमें क्रिस्टोफर नकुंकू ने हैट्रिक लगाई जबकि विला ने वायकॉम्बे को 2-1 से पराजित किया। लीसेस्टर ने वॉल्सॉल से 0-0 से ड्रॉ खेलने के बाद पेनल्टी शूटआउट में 3-0 से जीत हासिल की। नकुंकू ने चेल्सी के लिये 15 मिनट के अंदर शुरुआती दो गोल किये और फिर 75वें मिनट में तीसरा गोल दागा।

टेनिस

ओसाका की चीन ओपन के पहले दौर में एकतरफा जीत

एजेंसी ▶▶| बीजिंग

जापान की चार बार की ग्रैंडस्लैम चैंपियन नाओमी ओसाका ने बुधवार को यहां इटली की लूसिया ब्रोंजेटी पर सीधे सेट में 6-3, 6-2 से जीत से चीन ओपन में अपने अभियान की शुरुआत की। ओसाका ने रैंकिंग में 77वें नंबर की ब्रोंजेटी के खिलाफ पहले दौर का मैच लगभग 80 मिनट में जीतकर अपनी श्रेष्ठता का परिचय दिया।

2019 में चीन ओपन का खिताब जीतने वाली ओसाका अब दूसरे दौर में कजाखस्तान की 21वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी यूलिया पुतिनत्सेवा से भिड़ेंगी। ओसाका ने मैच के बाद कहा, 'मुझे खुशी है कि मैं फिर से इस कोर्ट पर खेल रही हूं और उम्मीद है कि मैं जल्द ही फिर ट्रॉफी जीतूंगी।' इस सत्र में चार डब्लूटीए 1000 प्रतियोगिताओं की विजेता और शीर्ष रैंकिंग पर काबिज पोलैंड की इगा स्वियातेक व्यक्तिगत कारणों से इस टूर्नामेंट में नहीं खेल रही हैं। दूसरी ओर जापान ओपन में माटियो बेरेटिनी ने पुरुष एकल में पहले दौर के मुकाबले में नीदरलैंड के बोटिक वैन डे जांड्सचुल्प को 6-3, 6-4 से हराया। पहले दौर के एक अन्य मैच में अर्जेंटीना के मारियानो नवोन ने इटली के लुसियानो डार्डेरी को 6-4, 6-4 से मात दी।

जैस्मिन ने बनाई तीन शॉट की बढ़त

गुरुग्राम। जैस्मिन शेखर ने पहले दौर में शानदार प्रदर्शन के साथ यहां महिला पेशेवर गोल्फ टूर (डब्ल्यूपीजीटी) के 13वें चरण में तीन शॉट की बढ़त बना ली। पिछले साल पेशेवर बनने वाली 19 साल की जैस्मिन ने सात बर्डी और एक बोगी से छह अंडर 66 का स्कोर बनाया। जैस्मिन ने टूर पर कई बार की विजेता अनुभवी रिद्धिमा दिलावरी (69) पर तीन शॉट की बढ़त बना ली है। अनुभवी खिलाड़ी हिताषी बक्शी, विधात्री उर्स और गौरिका बिश्नोई तीनों एक अंडर 71 के स्कोर से संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर हैं।

ब्रुक का शतक

इंग्लैंड ने थामा ऑस्ट्रेलिया के 14 मैचों का विजय अभियान

एजेंसी ▶▶| चेस्टर ली स्ट्रीट

कप्तान हैरी ब्रुक के वनडे में पहले शतक की मदद से इंग्लैंड ने बारिश से प्रभावित तीसरे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में ऑस्ट्रेलिया को डकवर्थ लुईस पद्धति से 46 रन से हराकर पांच मैचों की श्रृंखला को जीवंत बनाए रखा। इंग्लैंड ने 305 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए ब्रुक के नाबाद 110 रन की मदद से जब 37.4 ओवर में चार विकेट पर 254 रन बनाए थे तब भारी बारिश के कारण खेल रोकना पड़ा।

इस तरह से इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया के वनडे में लगातार 14 मैच जीतने के अभियान पर रोक लगा दी। ऑस्ट्रेलिया ने इस दौरान पिछले साल भारत में वनडे विश्व कप भी जीता था। इस तरह से अब वह श्रृंखला में 2-1 से आगे है। श्रृंखला का चौथा मैच शुक्रवार को लॉर्ड्स में खेला जाएगा। ब्रुक ने तब क्रीज पर कदम रखा जब इंग्लैंड 11 रन के अंदर दो विकेट गंवाकर संघर्ष कर रहा था। उन्होंने अपनी 94 गेंद की पारी में 13 चौके और दो छक्के लगाए तथा इस बीच अपने पिछले सर्वोच्च स्कोर 80 रन को पीछे छोड़ा।

पहले शतक से खुश

चोटिल जोस बटलर की जगह कप्तानी कर रहे ब्रुक ने मैच के बाद कहा, 'निश्चित तौर पर मैं काफी राहत महसूस कर रहा हूं। मुझे बहुत खुशी है कि मैं उस तरह का खेल दिखाने में सफल रहा जैसा मैं चाहता था। मैं वनडे में अपना पहला शतक लगाकर बहुत खुश हूं और उम्मीद है कि आगे यह सिलसिला जारी रहेगा।''

300 पार रहा बेकार

ऑस्ट्रेलिया ने सात विकेट पर 304 रन बनाए थे। उसकी तरफ से दूसरे वनडे में 74 रन बनाकर जीत के सूत्रधार रहे एलेक्स कैरी ने 65 गेंद पर सात चौकों और एक छक्के की मदद से नाबाद 77 रन बनाए जबकि स्टीव स्मिथ ने 82 गेंद पर 60 रन की पारी खेली जिसमें पांच चौके शामिल हैं। आठवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे आरोन हार्डी ने 26 गेंद पर तीन चौकों और दो छक्कों की मदद से 44 रन की आक्रामक पारी खेली जिससे आस्ट्रेलिया 300 रन की संख्या पार करने में सफल रहा। कैमरन ग्रीन ने 42 और ग्लेन मैक्सवेल ने 30 रन का योगदान दिया।

महिला टी20 विश्व कप का सबसे सस्ता टिकट 114 का

एजेंसी ▶▶| दुबई

संयुक्त अरब अमीरात में अगले महीने से शुरू होने वाले महिला टी20 विश्व कप के टिकटों की बिक्री बुधवार से शुरू हो गई है जिसमें सबसे कम कीमत वाला टिकट पांच दिरहम (लगभग 114 रुपए) का है। टूर्नामेंट का पहला मैच तीन अक्टूबर को खेला जाएगा और इस तरह से प्रतियोगिता शुरू होने से केवल एक सप्ताह पहले टिकट बिक्री के लिए जारी किए गए हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने बयान में कहा, 'टिकटों की कीमत दर्शकों की पहुंच को ध्यान में रखकर तय की गई है। सबसे कम कीमत वाला टिकट पांच दिरहम जबकि प्रीमियम सीट का टिकट 40 दिरहम (लगभग 910 रुपए) का है। जिस दिन दो मैच खेले जाएंगे उस दिन एक ही टिकट से दोनों मैच के लिए प्रवेश मिलेगा।' 18 वर्ष से कम उम्र के दर्शकों को मुफ्त प्रवेश दिया जाएगा। फाइनल 20 अक्टूबर को खेला जाएगा।

मकाऊ ओपन : श्रीकांत की शानदार जीत

एजेंसी ▶▶| मकाऊ

स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत और उनके हमवतन भारतीय आयुष शेट्टी और तस्नीम मीर ने बुधवार को यहां मकाऊ ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के एकल वर्ग के दूसरे दौर में जगह बनाई। श्रीकांत ने पुरुष एकल के पहले दौर में इजराइल के दानिल दुबोवेनको को 21-14, 21-15 से हराया। 2023 विश्व जूनियर चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता आयुष ने हमवतन भारतीय अलाप मिश्रा को 21-13, 21-5 से शिकस्त दी।

पूर्व विश्व जूनियर नंबर एक तस्नीम ने महिला एकल में हमवतन देविका सिहाग को 15-21, 21-18, 22-20 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। मिश्रित युगल में बी सुमित रेड्डी और एन सिक्की रेड्डी ने पहले दौर में कड़े मुकाबले में लू बिंग कुन और हो लो ई की मलेशिया की क्वालीफायर जोड़ी को 24-22, 10-21, 21-13 से हराकर बाहर का रास्ता दिखाया। हालांकि भारत की तान्या को करीबी मुकाबले में ताईवान की लियांग टिंग यू के खिलाफ 18-21, 19-21 से शिकस्त झेलनी पड़ी जबकि अनुपमा को जापान की रिको गुंजी के खिलाफ 12-21, 22-20, 7-21 से हार का सामना करना पड़ा। इशारानी भी चीन की क्वालीफायर वू लियो यू के खिलाफ 7-21, 15-21 से हार गईं।

महिला और पुरुष टीम ने जीते थे ऐतिहासिक शतरंज ओलंपियाड

पीएम मोदी ने की शतरंज खिलाड़ियों से मुलाकात

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुडापेस्ट में 45वें शतरंज ओलंपियाड में ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए भारत के युवा शतरंज खिलाड़ियों की सराहना की। हंगरी के बुडापेस्ट में भारत की पुरुष और महिला दोनों टीमों ने इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता का स्वर्ण पदक जीता।

भारत ने रविवार को इतिहास रचा जब पुरुष टीम ने अंतिम दौर में स्लोवेनिया जबकि महिला टीम ने अजरबेजान को हराकर पहली बार शतरंज ओलंपियाड में स्वर्ण पदक जीते। पुरुष प्रतियोगिता में डी गुकेश, अर्जुन एरिगेसी और आर प्रज्ञानानंदा ने भारत के लिए 11वें और अंतिम दौर में जीत दर्ज की। सोशल मीडिया पर साझा किए गए वीडियो में प्रधानमंत्री को मोदी को आर वैशाली, डी हरिका, तानिया सचदेव, विदित गुजराती, अर्जुन एरिगेसी और प्रज्ञानानंदा जैसे शतरंज चैंपियनों के साथ बात करते देखा जा सकता है। डी गुकेश टूर्नामेंट में भारत के लिए स्टार रहे। उन्होंने ओपन वर्ग में 11 में से 10 बाजियां जीतकर भारत की खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई। बातचीत के दौरान खिलाड़ियों ने प्रधानमंत्री को शतरंज की बिसात भेंट की जिसके बाद प्रज्ञानानंदा और एरिगेसी ने शतरंज की एक बाजी खेली जिसे देखकर प्रधानमंत्री मोदी मंत्रमुग्ध हो गए।

बाजियों के नतीजों से प्रभावित नहीं होने से की वापसी

भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगेसी ने खुलासा किया कि एक समय पर वह अपनी ही उम्मीदों के बोझ से दबे हुए थे। इस कारण काफी निराशा के दौर से गुजर रहे थे लेकिन फिर उन्होंने अपनी बाजियों के नतीजों से खुद को अलग करना शुरू किया। आखिरकार इससे उन्हें सफलता मिलने लगी। एरिगेसी के लिए यह साल काफी शानदार रहा है। एरिगेसी ने हाल में ओलंपियाड में भारतीय पुरुष टीम के ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीतने में अहम भूमिका निभाई और व्यक्तिगत स्वर्ण पदक हासिल करने के लिए 11 में से नौ बाजियां जीतीं। उनके इस प्रदर्शन ने उन्हें लाइव फिडे रैंकिंग में तीसरे स्थान पर पहुंचा दिया जो उनके कॅरियर की सर्वश्रेष्ठ विश्व रैंकिंग हैं। हालांकि एक साल पहले चीजें इतनी आसान नहीं लग रही थीं क्योंकि एरिगेसी मुश्किल स्थिति से जूझ रहे थे।

खबर संक्षेप

विमान सेवा के लिए अदाणी की बॉम्बार्डियर के सीईओ से चर्चा

नई दिल्ली। उद्योगपति गौतम अदाणी ने विमान सेवाओं और रक्षा क्षेत्र में साझेदारी पर चर्चा के लिए बॉम्बार्डियर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी एरिक मार्टेल से मुलाकात की। अदाणी समूह बंदरगाह से लेकर ऊर्जा तक के क्षेत्र में कारोबार करने के साथ देश में सात हवाई अड्डों का संचालन करता है।

एयरटेल फर्जी कॉल रोकने एआई का प्रयोग करेगा

नई दिल्ली। भारती एयरटेल ने फर्जी कॉल व संदेशों पर लगाम लगाने के लिए अपने नेटवर्क पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित प्रौद्योगिकी लागू करने की पूरी तैयारी कर रही है। कंपनी के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) गोपाल विट्ठल ने बुधवार को बताया कि इस प्रौद्योगिकी की शुरुआत 26 सितंबर की मध्यरात्रि से की जाएगी।

जोहो ने सेमीकंडक्टर उद्यम के लिए सरकार को आवेदन सौंपा

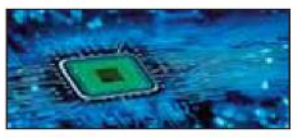

नई दिल्ली। जोहो कॉर्प के सह-संस्थापक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) श्रीधर वेम्बू ने बुधवार को कहा कि उनके सेमीकंडक्टर उद्यम ने सरकार को अपना आवेदन सौंप दिया है। उन्होंने कहा कि इस परियोजना के संबंध में कई पहलुओं पर गहन मूल्यांकन चल रहा है। सरकार भारत में सेमीकंडक्टर क्षेत्र के बढ़ने की रफ्तार से उत्साहित है।

आदित्य बिड़ला रिन्यूएबल्स ने डिबेंचर से जुटाई राशि

नई दिल्ली। आदित्य बिड़ला रिन्यूएबल्स लिमिटेड (एबीआरईएल) ने निजी नियोजन के आधार पर गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर (एनसीडी) जारी कर बाजार से 2,500 करोड़ रुपये जुटाए हैं 24 सितंबर, 2024 को एक लाख रुपये अंकित मूल्य के 2,50,000 बिना गारंटी वाले, सूचीबद्ध, रेटेड, विमोच्य एनसीडी आवंटित किए।

वारबर्ग पिंकस ने कारट्रेड टेक में हिस्सेदारी बेची

नई दिल्ली। अमेरिका स्थित निजी इक्विटी कंपनी वारबर्ग पिंकस के स्वामित्व वाली इकाई हाईडेल इन्वेस्टमेंट ने खुले बाजार लेनदेन के जरिए कारट्रेड टेक में अपनी पूरी 8.64 प्रतिशत हिस्सेदारी 375 करोड़ रुपये से कुछ अधिक राशि में बेच दी। कारट्रेड टेक भारत के सबसे बड़े ऑनलाइन विज्ञापन और वाहन नीलामी मंच में से एक है।

ओमान इंडिया ने सेंको गोल्ड में बेचे 75 करोड़ के शेयर

नई दिल्ली। ओमान इंडिया जॉइंट इन्वेस्टमेंट फंड की इकाई ने खुदरा आभूषण क्षेत्र की प्रमुख कंपनी सेंको गोल्ड के शेयर खुले बाजार में लेनदेन के जरिये 75 करोड़ रुपये से अधिक में बेचे। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस ने सेंको गोल्ड में हिस्सेदारी खरीदी। ओमान इंडिया जॉइंट इन्वेस्टमेंट फंड-2 ने सेंको गोल्ड में 5.89 लाख शेयर या 0.76 प्रतिशत हिस्सेदारी बेची। इन शेयरों को औसतन 1,280.16 रुपये प्रति शेयर के भाव पर बेचा गया, जिससे लेनदेन का मूल्य 75.52 करोड़ रुपये हो गया।

सोना सर्वकालिक उच्च स्तर पर, चांदी में आया 3,000 रुपए का उछाल

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

वैश्विक बाजारों में बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में तेजी के बीच राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में बुधवार को सोने का भाव 900 रुपए की तेजी के साथ 77,850 रुपए प्रति 10 ग्राम के नए रिकॉर्ड स्तर पर जा पहुंचा। अखिल भारतीय सराफा संघ ने यह जानकारी दी है। मंगलवार को, 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 76,950 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था।

- सिक्का निर्माताओं की खरीदी से चांदी बढ़कर 93,000 रुपए प्रति किलोग्राम

चांदी 3,000 रुपये बढ़कर 93,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। पिछले बंद भाव में चांदी 90,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। इसके अलावा 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना भी 900 रुपये चढ़कर 77,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गया। पिछले सत्र में सोना 76,600 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था।

सोना 900 रुपए तेजी के साथ 77,850 रुपए प्रति दस ग्राम

सोने की कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई पर

दिन के कारोबार में विदेशी बाजारों में इसके भाव 2,694.89 डॉलर प्रति औंस के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गए। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के वरिष्ठ विश्लेषक (कमोडिटी रिसर्च) मानव मोदी ने कहा, अमेरिकी ब्याज दरों में कटौती को लेकर लगातार आशावाद के बीच हाल में आई तेजी के कारण कॉमेक्स के साथ-साथ घरेलू मोर्चे पर भी सोने की कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गईं।

आभूषण विक्रेताओं की खरीदी से सोने को मिल रहा समर्थन : मेहता ने कहा, "कमजोर डॉलर, वैश्विक केंद्रीय बैंकों से और अधिक ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद, सुरक्षित निवेश की मांग और ईटीएफ कोष के प्रवाह से कीमतों को समर्थन मिल रहा है।" कारोबारियों के अनुसार, आभूषण विक्रेताओं की लगातार खरीदारी और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में मजबूत रुख के कारण सोने की कीमतों में तेजी आई।

एमसीएक्स में सोना वायदा में तेजी

दूसरी ओर, एमसीएक्स के वायदा कारोबार में अक्टूबर डिलीवरी वाले सोना अनुबंध 997 रुपये की नई रिकॉर्ड ऊंचाई को छूते हुए 76,000 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गए। हालांकि, दिसंबर डिलीवरी वाले चांदी अनुबंध 419 रुपये की गिरावट के साथ 91,974 रुपये प्रति किलोग्राम रह गए। वैश्विक स्तर पर कॉमेक्स सोना 0.15 प्रतिशत बढ़कर 2,681.10 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा है।

वैश्विक बाजार में सोना 3200 डॉलर प्रति औंस के पार

भारतीय सराफा एवं आभूषण विक्रेता संघ (आईबीजेए) के राष्ट्रीय सचिव सुरेंद्र मेहता ने कहा कि निकट भविष्य में अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सोने की कीमतें 3,200 डॉलर प्रति औंस को पार कर सकती हैं। ब्लिंकएक्स और जेएम फाइनेंशियल के उपाध्यक्ष - शोध (जिंस एवं मुद्रा) प्रणव मेर ने कहा, "सोने की कीमतों में तेजी जारी है, क्योंकि वायदा कारोबार में कीमतें 76,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई हैं।"

एडीबी ने तिमाही अर्थव्यवस्था में तेजी की उम्मीद जताई

एडीबी ने चालू वित्त वर्ष के लिए भारत के वृद्धि दर के अनुमान को 7% पर कायम रखा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भारत के वृद्धि दर के अनुमान को सात प्रतिशत पर बरकरार रखा है। एडीबी ने बुधवार को कहा कि बेहतर कृषि उत्पादन तथा उच्च सरकारी खर्च से आगामी तिमाहियों में अर्थव्यवस्था में तेजी आने की उम्मीद है।

सितंबर के अपने एशियाई विकास परिदृश्य (एडीओ) में एडीबी ने कहा कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 में निर्यात पूर्व के अनुमान से अधिक रहेगा, जिसका श्रेय सेवाओं के निर्यात में वृद्धि को जाता है। हालांकि, अगले वित्त वर्ष 2025-26 में वस्तु निर्यात वृद्धि अपेक्षाकृत धीमी रहेगी।

अगले वित्त वर्ष में जीडीपी वृद्धि 7.2 फीसदी होगी

एडीबी ने कहा, " वित्त वर्ष 2024-25 (31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष) में जीडीपी वृद्धि सात प्रतिशत और वित्त वर्ष 2025-26 में 7.2 प्रतिशत रहने की उम्मीद है। दोनों ही अनुमान अप्रैल, 2024 के समान हैं। साथ ही भारत की वृद्धि संभावनाएं मजबूत बनी हुई हैं।'

अधिक मानसून से कृषि क्षेत्र में मजबूत वृद्धि

रिपोर्ट में कहा गया, देश के अधिकतर हिस्सों में औसत से अधिक मानसून से कृषि क्षेत्र में मजबूत वृद्धि होगी जिससे वित्त वर्ष 2024-25 में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा।" रिपोर्ट में निजी उपभोग में सुधार की भी उम्मीद जताई गई है। इसकी प्रमुख वजह मजबूत कृषि से प्रेरित ग्रामीण मांग तथा पहले से ही मजबूत शहरी मांग रहेगी।

आरबीआई ने 7.2 फीसदी वृद्धि का अनुमान लगाया

भारतीय अर्थव्यवस्था गत वित्त वर्ष 2023-24 में 8.2 प्रतिशत की दर से बढ़ी थी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने चालू वित्त वर्ष में 7.2 प्रतिशत की वृद्धि दर का अनुमान लगाया है। इसमें कहा गया, चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि धीमी होकर 6.7 प्रतिशत रह गई, लेकिन कृषि क्षेत्र में सुधार तथा उद्योग व सेवाओं के लिए काफी हद तक मजबूत परिदृश्य से आने वाली तिमाहियों में इसमें तेजी आने की उम्मीद है।

- बेहतर कृषि उत्पादन और उच्च सरकारी खर्च बढ़ने की उम्मीद
- चालू वितवर्ष के लिए निर्यात पूर्व के अनुमान से अधिक रहेगा
- वित्त वर्ष 2025-26 में वस्तु निर्यात वृद्धि अपेक्षाकृत धीमी रहेगी

रोजगार के अधिक अवसर सृजित हो सकेंगे

निजी निवेश का परिदृश्य सकारात्मक है, लेकिन सार्वजनिक पूंजीगत व्यय में वृद्धि, जो अब तक ऊंची रही है अगले वित्त वर्ष में धीमी हो जाएगी। इसमें कहा गया, श्रमिकों तथा कंपनियों को रोजगार से जुड़े प्रोत्साहन की पेशकश करने वाली हाल ही में घोषित नीति से श्रम मांग को बढ़ावा मिल सकता है और अगले वित्त वर्ष में रोजगार के अधिक अवसर सृजित हो सकते हैं।

भारतीय अर्थव्यवस्था ने जुझारू क्षमता दिखाई

एडीबी के भारत के निदेशक मियो ओका ने कहा, " भारत की अर्थव्यवस्था ने वैश्विक भू-राजनीतिक चुनौतियों के बीच उल्लेखनीय जुझारू क्षमता दिखाई है और यह स्थिर वृद्धि के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, " कृषि सुधारों से ग्रामीण व्यय में वृद्धि होगी, जो उद्योग तथा सेवा क्षेत्रों के मजबूत प्रदर्शन के प्रभावों के अनुरूप है।"

महंगे खाद्य पदार्थ से मुद्रास्फीति बढ़ेगी

उद्योग तथा सेवाओं का प्रदर्शन लगातार मजबूत रहने की उम्मीद है। मजबूत सेवा निर्यात और विदेश में रहने वाले भारतीयों द्वारा भेजे गए धन (रेमिटेंस) की वजह से चालू खाते का घाटा (कैड) कम रहेगा। खाद्य पदार्थों की बढ़ी हुई कीमतों से चालू वित्त वर्ष में मुद्रास्फीति के पहले के अनुमान से अधिक रहने की आशंका है, हालांकि अगले वित्त वर्ष में इसके कम होने की उम्मीद है।

हीरा कारोबारियों के राजस्व में 27 फीसदी गिरावट का अनुमान

एजेंसी ▶▶| मुंबई

प्रमुख बाजारों में कम मांग और उपभोक्ताओं द्वारा प्रयोगशाला में बनाये गए हीरों को प्राथमिकता देने की वजह से भारत के प्राकृतिक हीरा पॉलिशिंग उद्योग के राजस्व में चालू वित्त वर्ष 2024-25 में 25-27 प्रतिशत की गिरावट आने की आशंका है। बुधवार को जारी एक रिपोर्ट में कहा गया है कि चालू वित्त वर्ष में इस उद्योग का राजस्व घटकर एक दशक के निचले स्तर 12 अरब डॉलर पर आ सकता है। अधिक आपूर्ति के बीच हीरे की कीमतों में 10-15 प्रतिशत की गिरावट और प्रयोगशाला में बनाये गए हीरों (एलजीडी) के प्रति उपभोक्ता की पसंद में बदलाव के कारण हुई है। इसमें कहा गया है कि लगातार तीसरे वित्त वर्ष में गिरावट के साथ, प्राकृतिक हीरा पॉलिशिंग उद्योग के राजस्व में इस वित्त वर्ष में साल-दर-साल आधार पर 25-27 प्रतिशत की गिरावट आने का अनुमान है।

- प्रमुख बाजार में हीरे की मांग कम हुई
- उपभोक्ता प्रयोगशाला में बनाए हीरों को प्राथमिकता दे रहे

चीन में सोने के आभूषणों को मिली प्राथमिकता

नतीजतन, वित्त वर्ष 2024-25 में परिचालन मार्जिन 4.5-4.7 प्रतिशत पर स्थिर हो जाएगा। दूसरी ओर, रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन में सोने के आभूषणों के लिए प्राथमिकता बढ़ रही है, जो भारत के निर्यात का 28 प्रतिशत है, क्योंकि आर्थिक अनिश्चितता के बीच सोने को बेहतर लाभ प्रदान करने वाली एक सुरक्षित संपत्ति के रूप में माना जाता है।

सेंसेक्स पहली बार 85,000 अंक के पार बंद, निफ्टी ने लांघा 26,000 अंक का स्तर

एजेंसी ▶▶| मुंबई

प्रमुख शेयर सूचकांक सेंसेक्स बुधवार को पहली बार 85,000 अंक के स्तर से ऊपर बंद हुआ, जबकि निफ्टी भी नए सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गया।

- बाजार की शुरूआत गिरावट से हुई
- अंतिम घंटों में बैंकिंग शेयरों में आई तेजी

दिन में कारोबार के अंतिम कुछ घंटों में बैंकिंग और बिजली क्षेत्र के शेयरों में खरीदारी के चलते शेयर बाजारों को शुरुआती नुकसान की भरपाई करने में मदद मिली। उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 255.83 अंक या 0.30 प्रतिशत बढ़कर 85,169.87 अंक के सर्वकालिक उच्चस्तर पर बंद हुआ। दिन में यह 333.38 अंक या 0.39 प्रतिशत बढ़कर 85,247.42 अंक के उच्चस्तर पर पहुंचा था। सेंसेक्स के 20 शेयर बढ़त के साथ और 10 नुकसान के साथ बंद हुए। दूसरी ओर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 63.75 अंक या 0.25 प्रतिशत चढ़कर 26,004.15 अंक के रिकॉर्ड उच्चस्तर पर बंद हुआ। दिन में कारोबार के दौरान यह 92.4 अंक या 0.35 प्रतिशत बढ़कर 26,032.80 अंक के नए उच्चस्तर पर पहुंच गया था। "सीमित दायरे में कारोबार के बाद प्रमुख सूचकांकों में बढ़त दर्ज की गई, जिसकी अगुवाई बिजली और बैंकिंग क्षेत्र के शेयरों ने की।

इन शेयरों में रही घट-बढ़

सेंसेक्स की 30 कंपनियों में पावर ग्रिड, एक्सिस बैंक, एनटीपीसी, बजाज फिनसर्व, बजाज फाइनेंस, टाटा स्टील, महिंद्रा एंड महिंद्रा और एचडीएफसी बैंक में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। दूसरी ओर टेक महिंद्रा, टाटा मोटर्स, टाइटन, कोटक महिंद्रा बैंक, भारतीय स्टेट बैंक और जेएसडब्ल्यू स्टील के शेयर नुकसान के साथ बंद हुए।

सरकार ने लैपटॉप आयात के लिए मंजूरी व्यवस्था बढ़ाई

नई दिल्ली। सरकार ने लैपटॉप और टैबलेट सहित कुछ आईटी हार्डवेयर उत्पादों के आयात के लिए मौजूदा मंजूरी व्यवस्था को तीन महीने यानी 31 दिसंबर तक बढ़ा दिया। प्रणाली की समीक्षा की समयसीमा 30 सितंबर है। इन उत्पादों का आयात 2023-24 में 8.4 अरब डॉलर का रहा जबकि मंजूरी लगभग 9.5 अरब डॉलर की थी। इनमें से अधिकतर आयात चीन से हो रहा था। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने एक परिपत्र में कहा, 'यह स्पष्ट किया जाता है कि आयातकों को आयात मंजूरी के लिए आवेदन करने की अनुमति है। यह 31 दिसंबर, 2024 तक वैध होंगे। इसके अलावा, 30 सितंबर, 2024 तक जारी मौजूदा आयात मंजूरी 31 दिसंबर, 2024 तक वैध रहेगी।'

एआई का वैश्विक बाजार 2027 तक 990 अरब डॉलर पर पहुंचेगा

- बेन एंड कंपनी ने जारी की प्रौद्योगिकी रिपोर्ट

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

कृत्रिम मेधा (एआई) से संबंधित उत्पादों और सेवाओं के लिए वैश्विक बाजार में 40-55 प्रतिशत की वार्षिक दर से वृद्धि होने की उम्मीद है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि एआई का वैश्विक बाजार 2027 तक 990 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है।

बेन एंड कंपनी की पांचवीं वार्षिक वैश्विक प्रौद्योगिकी रिपोर्ट में कहा गया है कि 2027 तक एआई कार्यभार प्रति वर्ष लगभग 25-35 प्रतिशत बढ़ सकता है। रिपोर्ट में

कहा गया, "बेन का अनुमान है कि एआई से संबंधित हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर के लिए कुल बाजार अगले तीन वर्षों में सालाना 40 से 55 प्रतिशत की दर से बढ़ेगा और 2027 तक 780 अरब डॉलर से 990 अरब डॉलर के बीच पहुंच जाएगा।

बड़े डेटा सेंटर की लागत बढ़ी : रिपोर्ट कहती है, "एआई डेटा सेंटर में वृद्धि को बढ़ावा देगा, जो आज के 50-200 मेगावाट से बढ़कर एक गीगावाट से भी अधिक हो जाएगा। इसका मतलब है कि अगर आज बड़े डेटा सेंटर की लागत एक अरब डॉलर से चार अरब डॉलर के बीच है, तो आज से पांच साल बाद उनकी लागत 10 अरब डॉलर से 25 अरब डॉलर के बीच हो सकती है।

एनएमडीसी का लौह अयस्क उत्पादन 10 प्रतिशत बढ़ा ...

नई दिल्ली। एनएमडीसी ने वित्त वर्ष 2023-24 में 'सर्वश्रेष्ठ वार्षिक प्रदर्शन' दर्ज किया। इस दौरान कंपनी का लौह अयस्क उत्पादन 10 प्रतिशत बढ़कर 4.5 करोड़ टन से अधिक रहा और बिक्री 16 प्रतिशत बढ़कर चार करोड़ 44.8 लाख टन के आंकड़े को छू गई। कंपनी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) अमिताव मुखर्जी ने यह जानकारी दी है। एनएमडीसी की 66वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) को संबोधित करते हुए सीएमडी ने कहा कि देश ने लौह अयस्क उत्पादन में साल-दर-साल सात प्रतिशत की मजबूत वृद्धि देखी है, जिसमें वित्त वर्ष 2022-23 में उत्पादन 25.7 करोड़ टन से बढ़कर 2023-24 में 27.5 करोड़ टन हो गया है। उन्होंने कहा, मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि एनएमडीसी ने इस उपलब्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिसने 16 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी हासिल की है।

भारत में चीनी निवेश के मानदंडों में फिलहाल कोई बदलाव नहीं

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

चीन से भारत में होने वाले निवेश मौजूदा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) नीति के तहत नियंत्रित होते हैं और फिलहाल इसमें कोई बदलाव नहीं किया गया है। एक शीर्ष अधिकारी ने बुधवार को यह बात कही।

- डीपीआईआईटी सचिव भाटिया ने दी जानकारी
- एफडीआई आवेदनों पर सरकारी मंजूरी अनिवार्य है

भारत के साथ जमीनी सीमा साझा करने वाले चीन जैसे देशों से आने वाले एफडीआई आवेदनों को सभी क्षेत्रों के लिए अनिवार्य रूप से सरकारी मंजूरी लेनी होती है। यह नीति अप्रैल, 2020 में जारी की गई थी। "निवेश (चीन से) के संबंध में नीति प्रेस नोट-3 में निर्धारित की गई है, इसलिए हम उसी नीति पर कायम हैं। फिलहाल उस नीति में कोई बदलाव नहीं हुआ है। अगर कोई बदलाव होता है, तो हम आपको बता देंगे।" भाटिया ने 'मेक इन इंडिया' को बढ़ावा देने के लिए भारत में चीनी निवेश के बारे में पूछे गए सवाल पर यह बात कही। भाटिया ने कहा कि भारत के लिए विदेशी निवेशकों की भावनाएं सकारात्मक हैं। सरकार ने 2020 में भारत के साथ भूमि सीमा साझा करने वाले देशों से एफडीआई के लिए अपनी मंजूरी अनिवार्य कर दी थी। भारत के साथ भूमि सीमा साझा करने वाले देशों में चीन, बांग्लादेश, पाकिस्तान, भूटान, नेपाल, म्यांमा और अफगानिस्तान शामिल हैं।

चीन से आयात की जगह एफडीआई पर जोर

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने 30 जुलाई को कहा था कि सरकार चीन से प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) को समर्थन देने पर कोई पुनर्विचार नहीं कर रही है। ये टिप्पणियां इसलिए महत्वपूर्ण हैं क्योंकि 22 जुलाई को बजट-पूर्व आर्थिक समीक्षा में सुझाव दिया गया था कि वस्तुओं का आयात करने के बजाय, चीन से प्रत्यक्ष विदेशी निवेश पर ध्यान केंद्रित करना अधिक आशाजनक लगता है।

यूलर मोटर्स उतरी हल्के एलसीवी वाहन खंड में

नई दिल्ली। इलेक्ट्रिक वाहन विनिर्माता कंपनी यूलर मोटर्स हल्के वाणिज्यिक वाहन (एलसीवी) खंड में उतर गई है। कंपनी ने बुधवार को दो इलेक्ट्रिक चारपहिया वाहन पेश किए, जिन्हें विभिन्न ग्राहकों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तैयार किया गया है। अब कंपनी ने दो स्टॉर्म ईवी मॉडल पेश किए हैं, जो विशेष रूप से शहर के अंदर और बाहर की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विकसित किए गए हैं।

हुंडई इंडिया लगभग 25,000 करोड़ रुपए जुटाने की योजना बना रही

हुंडई मोटर इंडिया, स्विगी के आईपीओ को सेबी की हरी झंडी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दक्षिण कोरिया की वाहन विनिर्माता हुंडई की भारतीय इकाई हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड और खाद्य सामग्री व किराना की आपूर्ति करने वाली कंपनी स्विगी को भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) से आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) की मंजूरी मिल गई है।

- स्विगी का आईपीओ 10,000 करोड़ रुपये से अधिक का आंका गया

मामले की जानकारी रखने वाले लोगों ने बुधवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने पहले बताया था कि दक्षिण कोरिया की वाहन विनिर्माता कंपनी आरंभिक शेयर बिक्री के जरिये कम से कम तीन अरब डॉलर (करीब 25,000 करोड़ रुपये) जुटाने की योजना बना रही है, जबकि स्विगी का आईपीओ 10,000 करोड़ रुपये से अधिक का आंका गया है।

हुंडई 1996 से भारत में कर रही परिचालन

कंपनी को भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) से आईपीओ लाने की मंजुरी से जुड़ा ई-मेल मिला है। हुंडई मोटर इंडिया ने भारत में 1996 में परिचालन शुरू किया था और वर्तमान में विभिन्न खंड में यह 13 मॉडल बेचती है।

स्विगी को 10,414 करोड़ के नए शेयर जारी करने की मंजूरी

स्विगी अंतिम दस्तावेज दाखिल करने के बाद आईपीओ ला सकती है। अप्रैल में, सूत्रों ने बताया था कि स्विगी को नए शेयरों तथा बिक्री पेशकश के जरिये 10,414 करोड़ रुपये जुटाने के लिए आईपीओ के लिए शेयरधारकों की मंजूरी मिल गई है।

देश का सबसे बड़ा आईपीओ होगा

यदि हुंडई मोटर इंडिया का आईपीओ सफल हो जाता है तो यह भारत का सबसे बड़ा आईपीओ होगा। इससे पहले देश में सबसे बड़ा आईपीओ भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का 21,000 करोड़ रुपये का था। आईपीओ दस्तावेज जून में दाखिल किए गए थे। इसके अनुसार, आईपीओ पूरी तरह से प्रवर्तक हुंदै मोटर कंपनी द्वारा 14,21,94,700 शेयरों बिक्री पेशकश (ओएफएस) पर आधारित होगा।

दो दशक बाद वाहन कंपनी का आईपीओ

जापान की वाहन विनिर्माता मारुति सुजुकी के 2003 में सूचीबद्ध होने के बाद दो दशक में पहली बार कोई वाहन विनिर्माता कंपनी आईपीओ ला रही है। स्विगी ने गोपनीय 'प्री-फाइलिंग रूट' के जरिये 30 अप्रैल को दस्तावेज दाखिल किए थे। फिलहाल सभी विवरण गुप्त हैं।

स्विगी ड्राफ्ट प्रॉस्पेक्टस जमा करेगी : सूत्रों ने बताया कि गोपनीय फाइलिंग प्रक्रिया के तहत सेबी की मंजूरी के बाद स्विगी दो अद्यतन 'ड्राफ्ट प्रॉस्पेक्टस' (दस्तावेज) जमा करेगी। एक नियामक की प्रतिक्रिया से संबंधित और दूसरा 21 दिन में सार्वजनिक टिप्पणियां हासिल करने से जुड़ा होगा।

पीएम मोदी ने हरियाणा में कांग्रेस पर कसा तंज

कांग्रेस बेईमान-धोखेबाज पार्टी, हरियाणा को किया दलालों-दामादों के हवाले, राहुल बोले- हम जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का देंगे दर्जा

सोनीपत के गोहाना में पीएम नरेंद्र मोदी ने जन आशीर्वाद रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। कहा कि ये जहां सत्ता में हैं, वहां भी ये अपनी झूठी घोषणाएं लागू नहीं करते। ये झूठ बोल रहे हैं। उन्होंने कांग्रेस को भ्रष्टाचार को पालने-पोसने वाली बताया। वहीं, राहुल गांधी ने जम्मू की चुनाव रैली में भाजपा पर उद्योगपतियों का सहयोग करने का आरोप लगाया।

गोहाना (हरियाणा)

हरियाणा चुनाव को लेकर पीएम नरेंद्र मोदी ने बुधवार को सोनीपत के गोहाना में एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। पीएम मोदी के साथ हरियाणा के कार्यवाहक सीएम नायब सिंह सैनी मौजूद रहे। इस दौरान पीएम ने कांग्रेस को जमकर निशाना बनाया। मोदी ने कहा कि जब हरियाणा में भ्रष्टाचार होगा तो यहां कारखाने नहीं लगेंगे।

हरियाणा में निवेश नहीं आएगा तो नौजवानों को नौकरी कैसे मिलेगी। कांग्रेस से बेईमान और धोखेबाज पार्टी कोई नहीं है। ये जहां सत्ता में हैं, वहां भी ये अपनी झूठी घोषणाएं लागू नहीं करते। ये झूठ बोल रहे हैं। उन्होंने कांग्रेस को भ्रष्टाचार को पालने-पोसने वाली बताया। कहा कि कांग्रेस का शाही परिवार देश में सबसे भ्रष्ट है। कांग्रेस ने जहां कदम रखा, वहां करप्शन और भाई-भतीजावाद पक्का है। हरियाणा के युवाओं और किसानों का भविष्य भाजपा सरकार में ही सुरक्षित है। पिछले 10 साल में यहां की सरकार पर भ्रष्टाचार के कोई आरोप नहीं हैं।

सीधे मैदान से

किसानों को बेहतर मिलेंगे दाम

पीएम मोदी ने कहा कि हमने भारत के तिलहन किसानों के लिए भी बड़ा फैसला किया है, विदेश से आयात होने वाले तेल पर हमने टैक्स बढ़ा दिया है। कोशिश यही है कि भारत के तिलहन किसानों की ज्यादा से ज्यादा खरीद हो। अब जैसे सूरजमुखी के आयात के पर पहले टैक्स नहीं था, अब बीस प्रतिशत टैक्स लगाया है। इससे हरियाणा के ऐसे किसानों को बेहतर दाम मिलेंगे। कांग्रेस आई तो हरियाण को बर्बाद कर देगी मोदी ने कहा कि अगर कांग्रेस की सरकार आई तो हरियाणा को बर्बाद कर देगी। कांग्रेस में सिर-फुटौव्वल मचा हुआ है। कर्नाटक में इनके सीएम और डिप्टी सीएम लड़ रहे हैं। यही हाल हिमाचल और तेलंगाना में है। यहां कांग्रेस को लाने का मतलब हरियाणा के विकास को दांव पर लगाना है।

भ्रष्टाचार वाली कांग्रेस को दूर रखें

पीएम मोदी ने कहा कि आज जो नए वोटर हैं, उन्हें नहीं पता होगा कि दस साल पहले हरियाणा को कैसे लूटा गया था। कांग्रेस ने हरियाणा को दलालों और दामादों के हवाले कर दिया था। दलालों और दामादों से बचना है तो कमल ही बचाएगा। हरियाणा में एक भी नौकरी ऐसी नहीं थी, जो बिना पर्ची-खर्ची के मिली हो। सरकारी ठेकों में जमकर भ्रष्टाचार होता था। हरियाणा के लूट को खाने वाली ऐसी करप्ट कांग्रेस को हरियाणा सरकार से दूर रखना है। तब जाकर हरियाणा बचेगा। आपका मुझ पर हक है। मुझे भी तो हरियाणा का कर्ज चुकाना है।

आरक्षण का विरोध कांग्रेस के डीएनए में

मोदी ने कहा कि कांग्रेस दलितों, पिछड़ों, शोषितों के साथ भी धोखा किया है। आजकल कांग्रेस के भीतर सिर-फुटौव्वल हो रही है, ये पुराने पापों का ही परिणाम है। 2014 में जब हुड्डा जी यहां सीएम हुआ करते थे, तब हर साल अनेक दलितों के साथ अन्याय हुआ। हर कोई जानता था कि दलितों के खिलाफ कांग्रेस खाद-पानी देती है। उन्होंने कहा कि आरक्षण का विरोध कांग्रेस के डीएनए में हैं। इसलिए हम देखते हैं कि कांग्रेस के शाही परिवार की चौथी पीढ़ी भी आरक्षण का विरोध कर रही है। इसलिए आपको सावधान रहना है। मोदी ने कहा कि कांग्रेस आतंक और अलगाववाद को हवा देना चाहती है। कांग्रेस को शांति पसंद नहीं, इसलिए जम्मू-कश्मीर में धारा 370 को वापस लाना चाहती है।

सोपोर में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी बोले

जम्मू कश्मीर को केंद्रशासित बनाकर संपूर्ण राज्य का हक छीना, कांग्रेस बहाल करेगी

हरिभूमि ब्यूरो नई दिल्ली

लोकसभा में नेता विपक्ष और वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर को केंद्र शासित प्रदेश बनाकर यहां के लोगों के साथ अन्याय किया गया है। जम्मू-कश्मीर का लोकतांत्रिक हक छीना गया है।जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करवाने के लिए कांग्रेस संसद में आवाज उठाएगी और सड़कों पर उतरेगी। जम्मू में आयोजित विशाल चुनावी सभा में केंद्र सरकार पर हमला बोलते हुए राहुल गांधी ने कहा, आज जम्मू-कश्मीर को जम्मू-कश्मीर के लोग नहीं चलाते हैं। हिंदुस्तान के इतिहास में बहुत सारे केंद्र शासित प्रदेशों को राज्य बनाया गया। लेकिन पहली बार किसी राज्य को केंद्र शासित प्रदेश बनाया गया है। यह जम्मू-कश्मीर के लोगों के साथ अन्याय है। ऐसा कभी नहीं होना चाहिए। हमने सोचा था कि चुनाव से पहले जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा वापस मिल जाएगा। सही तरीका वही था, लेकिन पहले चुनाव करा दिया गया। अब कांग्रेस चाहती है कि जल्द से जल्द आपको लोकतांत्रिक हक मिल जाए।

मोदी सरकार की अरबपतियों से सांठगांठ

मोदी सरकार पर अरबपतियों के साथ सांठगांठ का आरोप लगते हुए कांग्रेस नेता ने कहा, आज देश के हर उद्योग पर अडानी टैक्स लगाया जा रहा है। एयरपोर्ट पर अडानी टैक्स, पोर्ट पर अडानी टैक्स, सड़क पर अडानी टैक्स, अनाज पर अडानी टैक्स, सेना के हथियार पर अडानी टैक्स, कारतूस पर अडानी टैक्स है। जम्मू यहां का सेंट्रल हब है, जो कश्मीर के व्यवसाय और उत्पादन को पूरे देश से जोड़ता है। लेकिन भाजपा सरकार ने इस सेंट्रल हब की भूमिका को खत्म कर, यहां के छोटे व्यवसायों और उद्यमियों की रीढ़ तोड़ दी। जब तक जम्मू-कश्मीर के छोटे और मध्यम उद्योग अपने पैरों पर खड़े नहीं होंगे, तब तक यहां रोजगार पैदा नहीं होगा।

कृषि कानूनों की वापसी को लेकर अपने बयान पर कंगना ने खेद जताया

भाजपा ने कंगना के बयान से खुद को किया अलग

कहा, मेरे विचार पार्टी की सोच के अनुसार होने चाहिए, मैं अपने शब्द वापस लेती हूं

हरिभूमि ब्यूरो नई दिल्ली

भाजपा सांसद कंगना रनौत ने कृषि कानूनों को फिर से वापसी संबंधी अपने बयान को लेकर खेद जताया है। बुधवार को कंगना ने एक वीडियो जारी कर खेद प्रकट किया साथ ही अपने शब्द वापस लेने की बात कही। गौरतलब है कि कंगना के बयान के बाद कांग्रेस सहित कई विपक्षी दलों ने भाजपा और मोदी सरकार पर निशाना साधा था। जिसके बाद भाजपा ने कंगना के बयान से किनारा कर लिया था। पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने एक वीडियो के जरिये कंगना के बयान को लेकर भाजपा का स्टैंड क्लीयर किया था। उन्होंने कहा कि यह कंगना की व्यक्तिगत राय है और ये पार्टी का आधिकारिक बयान नहीं है। हरियाणा विधानसभा चुनाव के बीच कंगना का बयान भाजपा को नुकसान पहुंचा सकता था इसलिए पार्टी ने उनके बयान से तुरंत किनारा करने में देर नहीं लगाई। भाजपा कंगना को उनके विवादित बयानों के लिए नसीहत दे चुकी है और कह चुकी है कि कंगना पार्टी की अधिकारिक प्रवक्ता नहीं हैं। हिमाचल प्रदेश के मंडी से भाजपा सांसद कंगना रनौत ने मंगलवार को अपने लोकसभा क्षेत्र में मीडिया से बात करते हुए कृषि कानूनों की फिर से वापसी की मांग की थी। उन्होंने कहा था कि कृषि कानूनों को वापस लाना चाहिए और किसानों को खुद इसकी मांग करनी चाहिए। यह बयान विवादित हो गया क्योंकि कृषि कानूनों को पीएम नरेंद्र मोदी की सरकार ने नवंबर 2021 में बड़े आंदोलन के बाद वापस ले लिया था। सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर कंगना ने अपनी गलती मानी और कहा कि मैं अपने शब्द वापस लेती हूं। उन्होंने कहा, मुझे याद रखना चाहिए कि मैं अब सिर्फ एक कलाकार नहीं, बल्कि भाजपा की कार्यकर्ता भी हूं। मेरे विचार व्यक्तिगत नहीं होने चाहिए, बल्कि पार्टी की सोच के अनुसार होने चाहिए। अगर मेरे बयान से किसी को ठेस पहुंची है, तो मुझे इसका खेद है और मैं अपने शब्द वापस लेती हूं। पार्टी के प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि कंगना रनौत को इस तरह का बयान देने का अधिकार नहीं है और यह भाजपा का आधिकारिक विचार नहीं है। साथ ही यह भी कहा कि यह पार्टी का स्टैंड नहीं है। जेडीयू नेता केसी त्यागी ने कंगना पर एक्शन लेने की मांग तक कर डाली। कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा था कि 750 से अधिक किसानों की शहादत के बाद मोदी सरकार ने इन काले कानूनों को वापस लिया था। अब भाजपा सांसद इन्हें वापस लाने की बात कर रहे हैं, लेकिन कांग्रेस किसानों के साथ खड़ी है।

पीएम मोदी को फिर किसानों से मांगनी पड़ेगी माफी

कंगना के यू-टर्न पर सवाल उठा बोले राहुल

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सांसद और बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत के किसानों पर दिए बयान के बाद राजनीतिक बवाल थमने का नाम नहीं ले रहा है। कांग्रेस लगातार आरोप लगा रही है कि भाजपा फिर से किसानों के खिलाफ तीनों बिल लाने वाली है। इस बीच कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने एक्स पर वीडियो पोस्ट करते हुए केंद्र सरकार से पूछा, सरकार की नीति कौन तय कर रहा है? एक भाजपा सांसद या प्रधानमंत्री मोदी? भाजपा पर आरोप लगाते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि 700 से ज्यादा किसानों, खास कर हरियाणा और पंजाब के किसानों की शहादत ले कर भी भाजपा वालों का मन नहीं भरा। इंडिया गठबंधन हमारे अन्नदाताओं के विरुद्ध भाजपा का कोई भी षड्यंत्र कामयाब नहीं होने देगा। अगर किसानों को नुकसान पहुंचाने के लिए कोई भी कदम उठाया जाएगा तो मोदी जी को फिर से माफी मांगनी पड़ेगी।

खबर संक्षेप

पीएम ने पं. दीनदयाल की जयंती पर किया नमन

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी ने एकात्म मानववाद के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय को उनकी जयंती पर नमन किया। पीएम ने एक्स हैंडल पर एक वीडियो अपलोड कर पंडित दीनदयाल के जीवन प्रसंगों की चर्चा की और लिखा कि महान राष्ट्रवादी विचारक पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी को उनकी जयंती पर कोटि-कोटि नमन। अंत्योदय की उनकी अवधारणा विकसित भारत के संकल्प की सिद्धि में अमूल्य भूमिका निभाने वाली है।

साबरकांठा में हादसा 7 लोगों की मौत

साबरकांठा। गुजरात के साबरकांठा जिले में हिम्मतनगर के पास एक राजमार्ग पर बुधवार सुबह तेज रफ्तार कार 'ट्रेलर ट्रक' से जा टकराई जिससे सात लोगों की मौत हो गई जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस अधीक्षक विजय पटेल ने बताया कि इस हादसे में कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। बचाव दल ने गैस कटर का इस्तेमाल कर कार के हिस्से हटाए जिसके बाद शवों को बाहर निकाला गया।

महिलाओं के वोट लेने लाए लाडकी बहिन योजना

मुंबई। महाराष्ट्र की 'महायुति' सरकार द्वारा 'मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिन योजना' को भाजपा के कामठी से विधायक टेकचंद सावरकर ने इसे महिलाओं का वोट हासिल करने के लिए 'जुगाड़' करार दिया है। इस पर विपक्षी कांग्रेस ने कहा कि एकनाथ शिंदे नीत सरकार द्वारा शुरू इस महत्वाकांक्षी योजना के पीछे का मकसद उजागर हो गया है। सावरकर ने कहा हम महिलाओं का मतदान हासिल करने के वास्ते मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिन योजना का जुगाड़ लेकर आए हैं।

बदलापुर एनकाउंटर पर बॉम्बे उच्च न्यायालय ने उठाए सवाल

पहली नजर में गड़बड़ी नजर आ रही, मौत की जांच निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से हो

एजेंसी मुंबई

बदलापुर एनकाउंट पर बॉम्बे उच्च न्यायलय ने सवाल उठाए हैं। उच्च न्यायालय ने बुधवार को बदलापुर मामले के आरोपी अक्षय शिंदे के पिता की याचिका पर सुनवाई की। इस दौरान उच्च न्यायालय ने पुलिस कार्रवाई को लेकर कई सवाल उठाए।

न्यायमूर्ति रेवती मोहिते डेरे और न्यायमूर्ति पृथ्वीराज चव्हाण की खंडपीठ ने कहा कि अगर उसे पता चला कि जांच ठीक से नहीं हो रही है, तो वह उचित आदेश पारित करने के लिए बाध्य होंगी। हाईकोर्ट ने पूछा कि पुलिस ने पिस्टल अनलॉक क्यों की थी? हाईकोर्ट ने सरकारी वकील से कहा कि एक शारीरिक रूप से कमजोर आदमी तेजी से रिवॉल्वर को अनलॉक करके फायर नहीं कर सकता। यह आसान नहीं है। सरकारी वकील ने बताया कि अधिकारी की पिस्टल पहले से अनलॉक थी। कोर्ट ने कहा कि आरोपी अक्षय शिंदे की मुठभेड़ में हुई मौत की जांच निष्पक्ष तरीके से की जानी चाहिए।

उच्च न्यायालय ने पुलिस कार्रवाई को लेकर कई सवाल उठाए। पूछा कि पुलिस ने पिस्टल अनलॉक क्यों की थी?

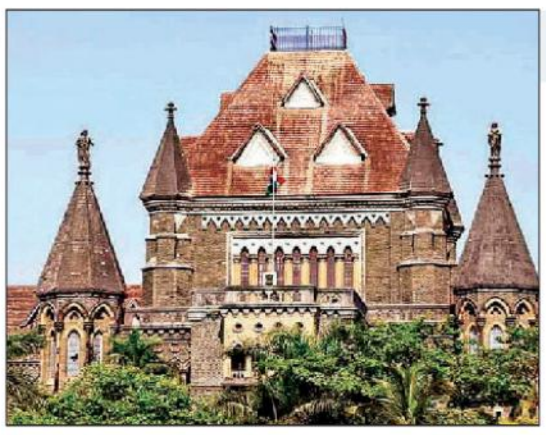

सीधे सिर में गोली क्यों मारी?

अदालत ने कहा कि अगर पुलिस ने पहले शिंदे को काबू करने की कोशिश की होती तो गोलीबारी से बचा जा सकता था और इस बात पर विश्वास करना बहुत मुश्किल है कि उसने एक पुलिस अधिकारी से पिस्तौल छीनकर गोलियां चलाईं। अदालत ने पूछा कि आरोपी को पहले हाथ या पैर के बजाय सीधे सिर में गोली क्यों मारी गई? न्यायमूर्ति रेवती मोहिते डेरे और न्यायमूर्ति पृथ्वीराज चव्हाण की खंडपीठ ने कहा कि अगर उसे पता चला कि जांच ठीक से नहीं हो रही है, तो वह उचित आदेश पारित करने के लिए बाध्य होगी।

पिता ने एसआईटी से जांच की मांग की

अक्षय शिंदे के पिता ने उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर अपने बेटे की मौत की जांच एसआईटी से कराने की मांग की है। पिता का आरोप है कि उनके बेटे को फर्जी एनकाउंटर के तहत मारा गया है। विपक्षी पार्टियां भी इस एनकाउंटर पर सवाल उठा रही हैं। एनकाउंटर पर सवाल उठने और सियासत गरमाने के बाद महाराष्ट्र सरकार ने मंगलवार को घटना की जांच सीआईडी को सौंप दी है।

अगली सुनवाई 3 अक्टूबर को

पीठ ने मामले को तीन अक्टूबर को अगली सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया। तीन अक्टूबर को पुलिस को शिंदे के पिता द्वारा संबंधित पुलिस अधिकारियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की मांग से संबंधित शिकायत पर निर्णय लेना है। उच्च न्यायालय ने मामले से जुड़े सभी दस्तावेज तुरंत महाराष्ट्र अपराध जांच विभाग (सीआईडी) को सौंपने का भी निर्देश दिया, जो शिंदे की मौत की जांच करेगा। अदालत ने कहा कि फाइलें अब तक सीआईडी को क्यों नहीं सौंपी गईं? सबूतों की सुरक्षा महत्वपूर्ण है। आपकी ओर से किसी भी देरी से संदेह और अटकलें बढ़ेंगी।

पाखंड की राजनीति कर रहा विपक्ष

महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे ने इस मामले में विपक्ष पर अपना रुख बदलने का आरोप लगाया और कहा कि वे पाखंड की राजनीति कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष ने बदलापुर रेलवे स्टेशन पर नौ घंटे के लिए रेलवे सेवाओं को रोके रखा। उन्होंने कहा था कि हम अपराधी को यहीं फांसी देंगे और अब, जब एनकाउंटर हुआ तो वे हम पर आरोप लगा रहे हैं। यह पाखंड की राजनीति है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र के लोग बहुत समझदार हैं कि इस घटना पर कौन राजनीति कर रहा है, उन्होंने कहा कि वे आगामी राज्य विधानसभा चुनावों में उचित जवाब देंगे। सीएम ने पुलिस कार्रवाई का बचाव करते हुए कहा कि पुलिसकर्मियों ने आत्मरक्षा में अक्षय शिंदे को गोली मारी।

'पेरयोडिक लेबर फोर्स' सर्वे की रिपोर्ट

यूपी को पछाड़ता हुआ 'रोजगार' देने में छत्तीसगढ़ निकला आगे

नई दिल्ली

छत्तीसगढ़ राज्य ने रोजगार सृजन के मामले में देश भर में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। हाल ही में जारी "पेरयोडिक लेबर फोर्स सर्वे की रिपोर्ट के अनुसार, छत्तीसगढ़ ने देश में सबसे कम बेरोजगारी दर वाले राज्यों में पांचवां स्थान प्राप्त किया है।

राज्य में चल रहे रोजगार सृजन और विकास प्रयासों के कारण छत्तीसगढ़ अब उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्यों को भी पीछे छोड़ चुका है, जो बेरोजगारी दर को कम करने के मामले में राज्य सरकार की की सफल नीतियों को दर्शाने को काफी है। ग़ौरतलब है कि राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण संगठन द्वारा पीएलएफएस के लिए नमूना सर्वेक्षण और डेटा संग्रह का कार्य किया जाता है। जो कि भारत सरकार के सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के अंतर्गत आता है।

रोजगार सृजन में छग में महत्वपूर्ण प्रगति

सरकार ने हाल ही में पुलिस, स्वास्थ्य, पीएचई और पंचायत विभागों में 1068 पदों पर भर्ती को मंजूरी दी है। इनसे राज्य में युवाओं को सरकारी नौकरियों में अवसर मिलेंगे, जिससे राज्य की योजनाओं को जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू करने में भी मदद मिलेगी। सरकार ने ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में रोजगार के अवसर सृजित करने पर ध्यान केंद्रित किया है। सरकार ने स्वरोजगार और कौशल विकास को प्रोत्साहन देने के लिए कई योजनाएं लागू की हैं, ताकि गांव के युवाओं को अपने ही इलाके में काम करने का अवसर मिल सके और महानगरों की ओर पलायन न करना पड़े।

सबसे पढ़े लिखे केरल में बेरोजगारी

रिपोर्ट ने देश भर के विभिन्न राज्यों में बेरोजगारी के आंकड़ों का भी खुलासा किया है। इस रिपोर्ट के अनुसार, केरलमें बेरोजगारी दर सबसे अधिक रही, जहां 15-29 वर्ष की आयु वर्ग के युवाओं में बेरोजगारी दर 29.9% दर्ज की गई। केरल में महिलाओं में बेरोजगारी दर 47.1% और पुरुषों में 19.3% रही। इसके अलावा, लक्षद्वीपमें बेरोजगारी दर सबसे अधिक 36.2% दर्ज की गई, जिसके बाद अंडमान और निकोबार द्वीप समूहमें यह दर 33.6% रही।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री गोयल बोले

डेयरी क्षेत्र संवेदनशील, एफटीए में शामिल करने का विचार नहीं

एजेंसी नई दिल्ली

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि भारत में दुग्ध क्षेत्र संवेदनशील विषय है, क्योंकि इससे छोटे किसानों की आजीविका का मुद्दा जुड़ा है और इस क्षेत्र में किसी भी मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के तहत किसी भी प्रकार की शुल्क रियायत देने की कोई योजना नहीं है।

उन्होंने कहा कि भारत ने ईएफटीए (यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ) व्यापार समझौते के तहत स्विट्जरलैंड और नॉर्वे को भी दुग्ध क्षेत्र में कोई शुल्क रियायत नहीं दी।

ईएफटीए पर मार्च में हस्ताक्षर किए गए थे। उन्होंने कहा कि आस्ट्रेलिया के साथ भी इस क्षेत्र पर चर्चा हुई और भारत ने उसे भी इस क्षेत्र से जुड़ी संवेदनशीलताओं से स्पष्ट रूप से अवगत कराया। गोयल ने एडिलेड में ऑस्ट्रेलिया के व्यापार एवं पर्यटन मंत्री डॉन फैरेल के साथ संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह कहा।

छत्तीसगढ़ को पर्यटन के क्षेत्र में मिलेगा राष्ट्रीय सम्मान

चित्रकोट और ढूढमारस होंगे राष्ट्रीय फलक पर सम्मानित

नई दिल्ली

विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी उपलब्धि हासिल होने जा रही है। भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय द्वारा आयोजित "बेस्ट टूरिज्म गाँव के तहत बस्तर जिले के ढूढमारस और चित्रकोट गांवों को विशेष सम्मानित किया जाएगा।

ढूढमारस गांव को एडवेंचर टूरिज्म के क्षेत्र में बेहतरीन प्रदर्शन के लिए चुना गया है, जबकि चित्रकोट को सामुदायिक आधारित पर्यटन में उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मान मिलेगा। यह सम्मान 27 सितंबर को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित विश्व पर्यटन दिवस समारोह में प्रदान किया जाएगा।

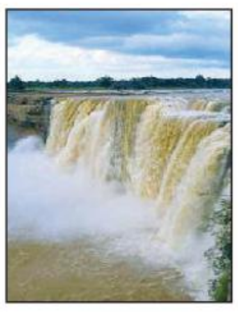

चित्रकोट और ढूढमारस समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर

छत्तीसगढ़ के ये दोनों गांव, ढूढमारस और चित्रकोट, राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर और प्राकृतिक संपदा के प्रतीक हैं। चित्रकोट का प्रसिद्ध जलप्रपात, जिसे भारत का नियाग्रा भी कहा जाता है, पर्यटकों के लिए एक अद्वितीय आकर्षण है। वहीं, ढूढमारस गांव अपने एडवेंचर टूरिज्म के लिए प्रसिद्ध है, जहाँ पर्यटक रोमांचक गतिविधियों का अनुभव कर सकते हैं। इन दोनों गांवों का सम्मानित होना राज्य के पर्यटन क्षेत्र के लिए एक विशेष उपलब्धि है। यह न केवल छत्तीसगढ़ की संस्कृति और परंपराओं की पहचान को मजबूत करता है, बल्कि राज्य के पर्यावरणीय पर्यटन को भी नए आयाम देता है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का पर्यटन विकास का विजन

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने छत्तीसगढ़ के पर्यटन को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए कई महत्वाकांक्षी योजनाओं की घोषणा की है। धार्मिक पर्यटन के तहत, राज्य में पांच शक्तिपीठों-सूरजपुर का कुदरगढ़, चंद्रपुर का चंद्रहासिनी मंदिर, रतनपुर का महामाया मंदिर, डोंगरगढ़ का बम्लेश्वरी मंदिर और दंतेवाड़ा का दंतेश्वरी मंदिर-का विकास किया जा रहा है। इसके अलावा, प्रदेश में इको टूरिज्म और मेडिकल टूरिज्म मैं भी राज्य सरकार का विशेष फ़ोकस है।

पीएम मोदी के विजन पर आधारित छत्तीसगढ़ का पर्यटन विकास

पीएम नरेंद्र मोदी का मानना है कि पर्यटन भारत की सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करने के साथ-साथ स्थानीय समुदायों के आर्थिक सशक्तिकरण का भी एक प्रभावी साधन है। उनका दृष्टिकोण है कि पर्यावरण संरक्षण के साथ स्थायी और समावेशी पर्यटन का विकास किया जाए, जिससे देश की आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा मिले। इस दिशा में छत्तीसगढ़ सरकार ने भी ठोस कदम उठाए हैं। राज्य ने अपनी वन संपदा,जनजातीय परंपराओं, और प्राकृतिक धरोहर को संरक्षित करते हुए इन क्षेत्रों में पर्यटन का विकास किया है। पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने के साथ-साथ स्थानीय लोगों को रोजगार देने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक राजेश मीणा द्वारा अम्बर ऑफसेट प्रा. लि., डी एल टॉवर, 3-ए, विद्याआश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर से मुद्रित एवं बी-66, कुसुम विहार, जगतपुरा, मालवीया नगर, जयपुर से प्रकाशित।
सम्पादक-राजेश मीणा, Email : sanjeevnitoday@gmail.com मो: 8094811115, (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी)